सूर्योदय 5:30 सूर्यास्त 7:25

आज का तापमान

शिमला	18.0 न्यू	21.5 अधि
धर्मशाला	18.4 न्यू	29.3 अधि

बाजार

सेंसेक्स	78,151
निफ्टी	24,334

सोना 1,41,264 चांदी 2,16,637

भारतेन्दु शिखर

हिमाचल, चंडीगढ़, पंजाब, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली, जम्मू व उत्तराखंड में प्रसारित

आरएनआई नं. HPHIN/2000/02437 | शिमला | रविवार, 19 जुलाई 2026 | 4 श्रावण, विक्रमी संवत 2083 | वर्ष 28, अंक 85, कुल पृष्ठ 12 | मूल्य : 5 रुपए | info@bhartendushikhar.com | 8894677702

न्यूज शॉर्ट्स

मछली पकड़ने गए पांच लोगों की डूबने से मौत

एजेंसी, पोलावरम। आंध्र प्रदेश के पोलावरम जिले में शनिवार को गोदावरी नदी में मछली पकड़ने गए पांच लोगों की डूबने से मौत हो गई। मृतकों में तीन महिलाएं और दो पुरुष शामिल हैं। पोलावरम जिले के प्रभारी पुलिस अधीक्षक अमित बर्दार ने बताया कि यह हादसा सुबह करीब 10 बजे येटापाका मंडल के गुम्मा कोठागुडेम गांव के पास हुआ। उन्होंने बताया कि 10 लोगों का एक समूह मछली पकड़ने के लिए नदी में उतरा था। इसी दौरान पांच लोग गहरे पानी में चले गए और डूब गए। पुलिस के अनुसार, सभी लोग एक-दूसरे का हाथ पकड़कर तथा कपड़ों और मच्छरदानी की मदद से मछली पकड़ रहे थे। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि हादसे के बाद साथ गए बाकी पांच लोगों ने पहले अपने साथियों की तलाश करने की कोशिश की। काफी समय बीतने के बाद ही पुलिस को घटना की जानकारी दी गई।

पाक सेना ने राजौरी में की गोलीबारी

एजेंसी, राजौरी। पाकिस्तान सेना ने जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले के तरकुंडी सेक्टर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर शुक्रवार-शनिवार की दरम्यानी रात छोटे हथियारों से गोलीबारी की। भारतीय सेना ने जवाबी कार्रवाई करते हुए मुंहतोड़ जवाब दिया। अधिकारियों के अनुसार, घटना में किसी तरह के जानमाल के नुकसान की सूचना नहीं है। गोलीबारी के बाद घुसपैठ की आशंका को देखते हुए भारतीय सेना ने इलाके में तलाशी अभियान शुरू कर दिया है।

लॉरेंस गैंग ने आमिर खान को दी धमकी

एजेंसी, मुंबई। अभिनेता आमिर खान को कथित तौर पर लॉरेंस गैंग की ओर से जान से मारने की धमकी मिलने की खबर सामने आई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, गैंग के नाम से जारी एक लेटर और ऑडियो नोट में आमिर खान की 5 जुलाई को हुई शादी को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणियां की गई हैं। रिपोर्ट के अनुसार, लेटर में आमिर खान पर लव जिहाद को बढ़ावा देने का आरोप लगाया गया और धमकी भरे शब्दों का इस्तेमाल किया गया। हालांकि, इस मामले में अभी तक मुंबई पुलिस की ओर से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। आमिर खान या उनकी टीम की ओर से भी कोई प्रतिक्रिया जारी नहीं की गई है।

5.5 किलो हेरोइन सहित चार गिरफ्तार

एजेंसी, चंडीगढ़। अमृतसर कमिश्नरेट पुलिस ने नशे और अवैध हथियार तस्करी नेटवर्क के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से 5.557 किलोग्राम हेरोइन, दो आधुनिक पिस्तौल और एक मोटरसाइकिल बरामद की है। पंजाब पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान आकाश संधू, सुनील सरोज, हरविंदर सिंह उर्फ चमकौर और वंश सिंह के रूप में हुई है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी विदेशी तस्करों के संपर्क में थे और नशीले पदार्थ व हथियार आपराधिक तत्वों तक पहुंचाने का काम करते थे।

विक्रम-1 की सफल उड़ान, भारत के निजी स्पेस सेक्टर ने रचा इतिहास

ईसरो के पूर्व इंजीनियरों के स्टार्टअप ने 2018 से शुरू हुए सफर में हासिल की बड़ी सफलता

एजेंसी, नई दिल्ली

भारत की निजी स्पेस कंपनी स्काईरूट एयरोस्पेस ने आज एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। कंपनी का विक्रम-1 रॉकेट श्रीहरिकोटा के सतीश धवन स्पेस सेंटर से सफलतापूर्वक लॉन्च हो गया। यह भारत की निजी क्षेत्र की पहली ऑर्बिटल रॉकेट लॉन्चिंग में से एक है, जिसने पूरे देश को गर्व का मौका दिया है।

विक्रम-1 रॉकेट शनिवार को लॉन्च किया गया। रॉकेट ने निर्धारित समय पर सभी चरण पूरे किए। उपग्रह को सही ऑर्बिट में स्थापित कर दिया। इसरो के वैज्ञानिकों ने लॉन्च की पूरी प्रक्रिया को मॉनिटर किया। इस मिशन का नाम 'आगमन' रखा गया है।

यह लॉन्च सिफ स्काईरूट के लिए ही नहीं, बल्कि भारत के पूरे प्राइवेट स्पेस सेक्टर के लिए भी बड़ा मौका है। साल 2020 में सरकार ने स्पेस सेक्टर में बड़े बदलाव किए थे। इसके बाद निजी कंपनियों को भी रॉकेट, सैटेलाइट और लॉन्च सर्विस पर काम करने की अनुमति मिली। स्काईरूट इससे पहले 2022 में विक्रम-एस नाम का सब-ऑर्बिटल रॉकेट लॉन्च कर चुकी है। लेकिन उस मिशन में सैटेलाइट को ऑर्बिट में नहीं भेजा गया था। इस बार लक्ष्य अलग है।

विक्रम-1 कई ग्राहकों के छोटे सैटेलाइट को पृथ्वी से करीब 450 किलोमीटर ऊंची लो-अर्थ ऑर्बिट में पहुंचाएगा। यह तीन डेवलपमेंट मिशनों में पहला मिशन होगा। इसके बाद रॉकेट को नियमित कमर्शियल लॉन्च के लिए तैयार किया जाएगा।

ऑर्बिटल रॉकेट क्यों है खास?

सब-ऑर्बिटल और ऑर्बिटल रॉकेट में बड़ा फर्क होता है। सब-ऑर्बिटल रॉकेट अंतरिक्ष तक जाकर वापस आ जाता है। लेकिन ऑर्बिटल रॉकेट सैटेलाइट को इतनी तेज रफ्तार देता है कि वह पृथ्वी की ऑर्बिट में घूमता रहता है। अगर विक्रम-1 सफल रहा, तो पहली बार किसी भारतीय प्राइवेट कंपनी का रॉकेट यह काम करेगा।

स्काईरूट की शुरुआत कैसे हुई?

स्काईरूट एरोस्पेस की शुरुआत 2018 में इसरो के पूर्व इंजीनियर पवन कुमार चंदाना और नागा भरत डाका ने की थी। 2020 में स्पेस सेक्टर खुलने के बाद कंपनी ने ऑर्बिटल रॉकेट बनाने पर तेजी से काम किया। अब विक्रम-1 उसी सफर का सबसे बड़ा पड़ाव है।

पीएम मोदी बोले- स्काईरूट ने आकाश में अपनी जड़ें जमा दीं

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह ने इसके सफल प्रक्षेपण पर स्काईरूट एयरोस्पेस और उसके वैज्ञानिकों को बधाई दी। प्रधानमंत्री ने कंपनी के सह-संस्थापक पवन कुमार चंदना और नागा भरत डाका से फोन पर बात कर कहा कि स्काईरूट ने आकाश में अपनी जड़ें गाड़ दी हैं और जमीन पर भी उन जड़ों को मजबूत किया है, जो देश के युवाओं को प्रेरणा देंगी।

मुख्यमंत्री योगी ने अमरोहा को दी 207.49 करोड़ रुपए के विकास कार्यों की सौगात

एजेंसी, अमरोहा

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को पश्चिमी उत्तर प्रदेश के दौरे पर हैं। सुबह बुलंदशहर में विकास कार्यों की सौगात देने के बाद दोपहर अमरोहा पहुंचे। यहां उन्होंने अमरोहा और धनौरा विधानसभा क्षेत्र की 207.49 करोड़ रुपए की 43 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास कर समारोह को संबोधित कर अपनी सरकार के विकास कार्यों का लेखा जोखा रखा। सरकार की प्राथमिकताएं गिनायी और पूर्ववर्ती सपा सरकार को कानून व्यवस्था और विकास को लेकर घेरा। कार्यक्रम में विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों को भी लाभान्वित किया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सियावर रामचंद्र जी महाराज की जय, पवनसुत हनुमान की जय और वृंदावन बिहारी लाल की जय का जयकारा लगाकर अपना संबोधन शुरु किया। उन्होंने कहा कि अमरोहा महाभारत कालीन पावन तीर्थ तिगरी धाम और वासुदेव तीर्थ की ऐतिहासिक विरासत को संभाले हुए है और यहां के लोगों ने अपनी कारीगरी और हस्तशिल्प से दुनिया में अलग पहचान बनाई है। डबल इंजन की सरकार में गंगा एक्सप्रेसवे के निर्माण से अमरोहा से दिल्ली, लखनऊ और प्रयागराज की दूरी काफी कम हो गई है। उन्होंने कहा कि अमरोहा अब पिछड़े जिले की पहचान से बाहर निकल चुका है। जिस तरह यहां के तबले और ढोलक ने दुनिया में अमरोहा का नाम रोशन किया है, ठीक उसी तरह यह अमरोहा विकास के नए प्रतिमान स्थापित करते हुए अपनी नई पहचान बनाएगा।

मुख्यमंत्री योगी ने कांवड़ यात्रा का उल्लेख करते हुए कहा कि सभी व्यवस्था चुस्त दुरुस्त की जा रही है। किसी भी भक्त को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होने दी जाएगी और जो बाधा बनेगा उसके खिलाफ कानूनी कार्यवाही भी की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि वह स्वयं तिगरी मेले की व्यवस्थाओं की समीक्षा करने के लिए यहां आए थे। उन्होंने लोगों को याद दिलाया कि वर्ष 2017 से पहले प्रदेश में जन्माष्टमी, कांवड़ यात्रा, रामनवमी की शोभायात्रा और दुर्गा पूजा जैसे धार्मिक कार्यक्रमों में तरह तरह की बाधाएं पैदा की जाती थीं लेकिन अब अब कांवड़ यात्रा, जन्माष्टमी और तिगरी मेले के आयोजन पर किसी प्रकार की रोक नहीं है।

मिट्टी में मिल गए माफिया

मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार ने वर्ष 2017 में सत्ता में आने के बाद कानून-व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए बेटी और व्यापारी की सुरक्षा में सेंध लगाने वालों के लिए दो ही जगह तय कर दीं- जेल या जहन्नुम। मुख्यमंत्री ने कहा कि माफिया को मिट्टी में मिला दिया गया है। वर्ष 2017 से पहले सपा की सरकार में प्रदेश के कई जिलों में दंगे होते थे और कानून-व्यवस्था की स्थिति खराब थी। वर्ष 2017 के विधानसभा चुनाव के दौरान लोगों में अपराधियों और माफिया का भय था, लेकिन भारतीय जनता पार्टी की डबल इंजन सरकार बनने के बाद अपराधियों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। आज कानून का राज स्थापित हुआ है। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विकास प्रदर्शनी का शुभारंभ कर जिले की प्रसिद्ध ढोलक के बारे में जानकारी ली।

अब कोई भी प्राइवेट कंपनी खोल सकेगी मेडिकल कॉलेज: एनएमसी

एजेंसी, नई दिल्ली

नेशनल मेडिकल कमीशन (एनएमसी) ने मेडिकल कॉलेज खोलने के नियमों में बड़ा बदलाव किया है। अब कंपनीज एक्ट 2013 के तहत पंजीकृत किसी भी कंपनी को मेडिकल कॉलेज शुरू करने की अनुमति मिल सकेगी। इससे पहले यह अधिकार केवल सेक्शन-8 (नॉन-प्रॉफिट) कंपनियों तक सीमित था।

सेक्शन-8 कंपनियों में मुनाफे का इस्तेमाल केवल संस्थान के विकास और सामाजिक कार्यों में किया जा सकता है, जबकि उसे लाभ के रूप में बांटा नहीं जा सकता। एनएमसी ने इस बाध्यता को हटाते हुए निजी क्षेत्र की भागीदारी बढ़ाने का रास्ता खोल दिया है। सरकार का मानना है कि नॉन-प्रॉफिट की शर्त के कारण बड़ी कंपनियां मेडिकल शिक्षा क्षेत्र में निवेश करने से पीछे हट रही थीं। नए नियमों से निजी निवेश को बढ़ावा मिलने और देश में मेडिकल कॉलेजों की संख्या बढ़ने की संभावना है।

हालांकि, इस बदलाव के बाद मेडिकल शिक्षा की फीस को लेकर बहस तेज हो सकती है। विशेषज्ञों का कहना है कि निजी निवेश से मेडिकल सीटों में वृद्धि होगी, लेकिन फीस नियंत्रण, गुणवत्ता और शिक्षा के व्यावसायीकरण पर निगरानी जरूरी होगी। सरकार के सामने अब किफायती और गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा शिक्षा उपलब्ध करवाने की चुनौती रहेगी।

◆ **नए नियमों से मेडिकल सीटें बढ़ने की उम्मीद**

प्यू सर्वे में पुतिन आगे, ट्रंप पर भारतीयों का भरोसा घटा

एजेंसी, न्यूयॉर्क

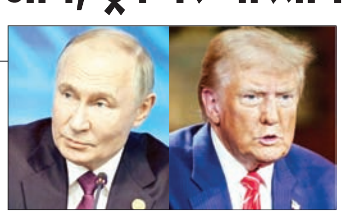

◆ **अमेरिका की सकारात्मक छवि में गिरावट, 51% भारतीयों ने रूसी राष्ट्रपति पर जताया विश्वास**

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के बाद भारत में अमेरिका और ट्रंप को लेकर लोगों की धारणा में बदलाव देखने को मिला है। प्यू रिसर्च सेंटर के ताजा सर्वे के अनुसार, अमेरिका के प्रति भारतीयों की सकारात्मक सोच में गिरावट आई है, जबकि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पर भारतीयों का भरोसा सबसे अधिक बना हुआ है।

सर्वे के मुताबिक, इस साल 45 फीसदी भारतीयों ने अमेरिका के प्रति सकारात्मक राय व्यक्त की, जबकि पिछले साल यह आंकड़ा 54 फीसदी था। वहीं 31 फीसदी भारतीयों ने अमेरिका को लेकर नकारात्मक राय जाहिर की। ट्रंप की टैरिफ नीति को केवल 18 फीसदी भारतीयों का समर्थन मिला। वैश्विक मुद्दों पर सही फैसले लेने की क्षमता को लेकर ट्रंप पर भारतीयों का भरोसा भी कम हुआ है। पिछले साल 52 फीसदी भारतीयों को ट्रंप पर भरोसा था, जो इस साल घटकर 39 फीसदी रह गया।

दुनिया के प्रमुख नेताओं में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पर 51 फीसदी भारतीयों ने विश्वास जताया। वहीं, इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू पर 34 फीसदी, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों पर 33 फीसदी, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग पर 25 फीसदी और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की पर 20 फीसदी भारतीयों ने भरोसा जताया। सर्वे में 47 फीसदी भारतीयों ने माना कि अमेरिका दूसरे देशों के मामलों में जरूरत से ज्यादा हस्तक्षेप करता है। हालांकि, इसके बावजूद भारत में अमेरिका की छवि 36 देशों के औसत की तुलना में बेहतर रही।

प्यू के अनुसार, दुनियाभर में अमेरिका को लेकर सकारात्मक सोच में गिरावट आई है। 36 देशों में किए गए सर्वे में औसतन 57 फीसदी लोगों ने अमेरिका के प्रति नकारात्मक राय व्यक्त की। सर्वे 8 फरवरी से 13 मई के बीच किया गया था।

अहमदाबाद में अवैध पटाखा फैक्टरी में धमाका; आठ की मौत, 15 घायल

एजेंसी, अहमदाबाद

अहमदाबाद के वस्त्राल इलाके में शनिवार को पटाखा फैक्टरी में धमाके के बाद आग लग गई। हादसे में 8 कर्मचारियों की मौत हो गई और करीब 15 घायल हो गए। हादसा रामोल से गतराड जाने वाले रास्ते पर महमूदपुरा टैलेंट के पास हुआ। यहां पास में ही रैपिड एक्शन फोर्स (आरएएफ) का कैंप है। धमाके की आवाज सुनते ही आरएएफ जवान तुरंत घटनास्थल पहुंचे और लोगों का रेस्क्यू किया।

धमाके की सूचना मिलते ही दमकल की गाड़ियां और एंबुलेंस मौके पर पहुंच गईं। हादसे के समय फैक्टरी में करीब 25 लोग काम कर रहे थे। इलाके के ज्वाइंट पुलिस कमिश्नर जयपाल सिंह राठौड़ के अनुसार, रामोल-गटराड रोड पर खुले मैदान में मेहुल डोडिया नाम का व्यक्ति पटाखा फैक्टरी चला रहा था। फैक्टरी का लाइसेंस पहले ही रद्द हो चुका था, इसके बावजूद वहां पटाखे बनाए जा रहे थे।

वहीं, पीएम मोदी ने हादसे पर दुख जताया और मृतकों के परिजन के लिए 2-2 लाख रुपए की मदद का ऐलान किया है।

नेचर गाइड उत्तराखंड के ब्रांड एंबेसडर व प्रकृति संरक्षण के प्रहरी: सीएम धामी

एजेंसी, देहरादून

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मुख्यमंत्री आवास सभागार से तराई पश्चिमी वन प्रभाग रामनगर के फांटो जोन में आयोजित नेचर गाइड प्रशिक्षित युवाओं को रोजगार पंजीकरण प्रमाण-पत्र वितरण कार्यक्रम में वर्चुअल माध्यम से प्रतिभाग किया। इस दौरान उन्होंने 180 महिला एवं पुरुष नेचर गाइडों को रोजगार पंजीकरण प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए।

मुख्यमंत्री ने नेचर गाइडों को रोजगार पंजीकरण प्रमाण-पत्र मिलने पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि नेचर गाइड केवल पर्यटकों के मार्गदर्शक नहीं, बल्कि उत्तराखंड के जंगलों, वन्यजीवों और संस्कृति के ब्रांड एम्बेसडर और प्रकृति संरक्षण के प्रहरी हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि रोजगार पंजीकरण प्रमाण-पत्र केवल रोजगार का दस्तावेज नहीं, बल्कि युवाओं के कौशल, मेहनत और प्रकृति संरक्षण के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि यह पहल स्थानीय युवाओं को रोजगार से जोड़ने के साथ आत्मनिर्भर उत्तराखंड के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

धामी ने कहा कि प्रमाण-पत्र प्राप्त करने वाले अनेक युवा रिवर्स पलायन कर अपने गांव लौटे हैं, जो उत्तराखंड के गांवों में बढ़ते रोजगार और नई संभावनाओं का संकेत हैं। उन्होंने कहा कि फांटो जोन आज ईको-टूरिज्म और समुदाय आधारित पर्यटन का उत्कृष्ट मॉडल बन चुका है। यहां की प्राकृतिक सुंदरता, जैव विविधता और टाइगर साइटिंग देश-विदेश के पर्यटकों को आकर्षित कर रही है, जबकि विकसित ट्री हाउस पर्यटकों को प्रकृति के बीच अनूठा अनुभव प्रदान कर रहा है।

पर्यटन से रोजगार व रिवर्स पलायन को बढ़ावा

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार पर्यटन को केवल भ्रमण तक सीमित नहीं रख रही, बल्कि इसे रोजगार, स्वरोजगार, स्थानीय अर्थव्यवस्था और रिवर्स पलायन से जोड़कर आगे बढ़ा रही है। होमस्टे, शीतकालीन पर्यटन, एडवेंचर टूरिज्म, ईको-टूरिज्म, वेलनेस टूरिज्म, डेस्टिनेशन वेडिंग और आध्यात्मिक पर्यटन जैसे क्षेत्रों में नए रोजगार के अवसर सृजित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इन प्रयासों के परिणामस्वरूप प्रदेश में रिवर्स पलायन में 44 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

पुलिस विभाग में तफ्तीश हेड का बजट होगा दस करोड़: सैनी

सीएम बोले- एनडीपीएस केस सुलझाने वाले पुलिस अधिकारियों के लिए बनेगी अवार्ड पॉलिसी

एजेंसी, चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा पुलिस विभाग में तफ्तीश (इनवेस्टीगेशन) हेड के तहत उपलब्ध राशि बढ़ाकर 10 करोड़ रुपये की जाएगी, ताकि नए आपराधिक कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए जांच अधिकारियों (आईओ) को आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए जा सकें।

मुख्यमंत्री शनिवार को करनाल स्थित हरियाणा पुलिस अकादमी, मधुबन में आयोजित एक पुलिस, एक संकल्प-ड्रग्स मुक्त हरियाणा कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि नशा तस्करों के विरुद्ध उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुलिस अधिकारियों को प्रोत्साहित करने के लिए एनडीपीएस मामलों में हरियाणा की अलग पुरस्कार नीति तैयार की जाएगी। इसके लिए अन्य राज्यों की पुरस्कार नीति का अध्ययन कर हरियाणा के अनुरूप नीति बनाई जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ड्यूल पर्पज़ ड्रग्स के दुरुपयोग को रोकने के लिए सॉफ्टवेयर आधारित एंड-टू-एंड मॉनिटरिंग सिस्टम विकसित किया जाएगा। इसके तैयार होने तक सभी संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए जाएंगे, ताकि ऐसी दवाओं के दुरुपयोग पर प्रभावी रोक लगाई जा सके। उन्होंने बताया कि ग्रुप-डी कर्मचारियों के कार्यों के बेहतर प्रबंधन के लिए भी सरकार विचार कर रही है। इसके लिए एक सॉफ्टवेयर विकसित किया जाएगा, जिससे कर्मचारियों की योग्यता और कौशल के अनुरूप उनकी ड्यूटी सुनिश्चित की जा सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि पुलिस कर्मियों और उनके परिवारों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए स्वास्थ्य विभाग से मेडिकल अधिकारियों की प्रतिनियुक्ति सुनिश्चित की जाएगी। मुख्यमंत्री ने एक और महत्वपूर्ण घोषणा करते हुए कहा कि जो थाना प्रभारी अपने क्षेत्र को प्रभावी रूप से नशामुक्त बनाने में सफल होगा, सत्यापन के उपरांत उसे सरकार द्वारा सम्मानित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार जिला, उपमंडल, ब्लॉक, गांव और वार्ड स्तर तक नशा मुक्ति टास्क फोर्स का गठन करेगी। इसमें जनप्रतिनिधियों, थाना प्रभारियों, स्वास्थ्य, शिक्षा एवं समाज कल्याण विभाग के अधिकारियों, स्वयंसेवी संस्थाओं, सामाजिक संगठनों, युवा एवं महिला मंडलों, केमिस्ट एसोसिएशन तथा समाज के प्रबुद्ध नागरिकों को शामिल किया जाएगा, ताकि नशे के खिलाफ व्यापक सामाजिक अभियान चलाया जा सके। इस अवसर पर पुलिस महानिदेशक अजय सिंघल ने कहा कि विभाग द्वारा नशा तस्करों के विरुद्ध पूरे प्रदेश में लगातार विशेष अभियान चलाए जा रहे हैं तथा उनके नेटवर्क को ध्वस्त करने के लिए प्रभावी कार्रवाई की जा रही है।

घोषणा मुख्यमंत्री सुक्खू बोले-शिमला डेंटल संस्थान का नाम होगा राजीव गांधी डेंटल कॉलेज

हमीरपुर में बनेगा 300 करोड़ का डेंटल रिसर्च सेंटर

भारतेन्दु संवाददाता, अनिल कुमार शर्मा, शिमला। सीएम सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने शिमला में एसोसिएशन ऑफ ओरल एंड मैक्सिलोफेशियल सर्जन्स ऑफ इंडिया (एओएमएसआई) के हिमाचल प्रदेश स्टेट चैप्टर के चौथे वार्षिक सम्मेलन की अध्यक्षता करते हुए घोषणा की कि शिमला स्थित डेंटल कॉलेज का नाम राजीव गांधी डेंटल कॉलेज, शिमला किया जाएगा। उन्होंने हमीरपुर में 300 करोड़ से डेंटल हेल्थ रिसर्च सेंटर स्थापित करने की भी घोषणा की। उन्होंने कहा कि इस सेंटर से रोजगार के अवसर सृजित होंगे व लोगों को आधुनिक उपचार सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ओरल एंड मैक्सिलोफेशियल सर्जन्स का कार्य अत्यंत महत्वपूर्ण है। वे न केवल रोगियों का उपचार करते हैं, बल्कि उन्हें आत्मविश्वास और बेहतर जीवन गुणवत्ता प्रदान करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि यह सम्मेलन लोगों की सेवा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। सुक्खू ने कहा कि राज्य सरकार स्वास्थ्य क्षेत्र में व्यापक बदलाव ला रही है, जिसके सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं।

उन्होंने कहा कि कुछ वर्ष पहले तक यह कल्पना करना भी कठिन था कि हिमाचल प्रदेश के सरकारी अस्पतालों में रोबोटिक सर्जरी जैसी आधुनिक सुविधाएं और 3 टेस्ला एमआरआई जैसी उन्नत तकनीक उपलब्ध हो सकती है। राज्य सरकार सभी मेडिकल कॉलेजों के साथ-साथ जिला अस्पतालों में भी उन्नत तकनीक और आधुनिक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध करवाने के प्रयास कर रही है, ताकि लोगों को अपने घर के नजदीक ही बेहतर और किफायती उपचार की सुविधा मिल सके।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने प्रदेश के चिकित्सकों के साथ संवाद स्थापित कर स्वास्थ्य क्षेत्र को मजबूत बनाने की दिशा में कई महत्वपूर्ण पहल की हैं। इसी तरह का एक कार्यक्रम डेंटल डॉक्टरों के साथ भी आयोजित किया जाएगा, ताकि डेंटल कॉलेजों में लोगों को आधुनिक और उच्च स्तरीय स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करवाई जा सकें। मुख्यमंत्री ने कहा कि शिमला से शिक्षा प्राप्त कर निकले डॉक्टर आज देश-विदेश में हिमाचल प्रदेश का नाम रोशन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश के डॉक्टर अत्यंत प्रतिभाशाली और सक्षम हैं तथा आधुनिक तकनीक के माध्यम से प्रदेश के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं।

इस अवसर पर विधायक सुरेश कुमार, कांग्रेस नेता पवन ठाकुर, कैलाश फैडरेशन के चेयरमैन बलदेव ठाकुर, डेंटल कॉलेज शिमला के प्रिंसिपल डॉ. योगेश भारद्वाज, एओएमएसआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. आशीष, हिमाचल प्रदेश स्टेट चैप्टर के अध्यक्ष डॉ. रंगीला राम सहित कई मौजूद रहे।

20 दिन के अनशन के बाद सोनम वांगचुक की बिगड़ी तबीयत; अस्पताल में भर्ती, दवा लेने से किया इनकार

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली के जंतर-मंतर पर 21 दिन से भूख हड़ताल पर बैठे सोनम वांगचुक को शनिवार सुबह पुलिस उठाकर सफदरजंग अस्पताल ले गई। अस्पताल प्रशासन ने बुलेटिन जारी करके बताया कि वांगचुक को डिहाइड्रेशन हुआ है, लेकिन उन्होंने दवा लेने से इनकार कर दिया है।

रिपोर्ट में बताया गया कि वांगचुक के शरीर पोटैशियम का लेवल घट गया है। यूरिन कीटोन बढ़कर 3+ हो गया। हालांकि, वांगचुक के डॉक्टर नितिन दीघे ने कहा- अस्पताल में गृह मंत्रालय का अधिकारी मौजूद होने के कारण हमारी टीम को वांगचुक से मिलने नहीं दिया गया।

वांगचुक की पत्नी का दावा है कि पोटैशियम लेवल कम है। इसकी दवा जंतर-मंतर पर भी दी जा सकती थी, अस्पताल में भर्ती करने की जरूरत नहीं थी। वांगचुक पेपर लीक मामले की जांच और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर अनशन कर रहे हैं। उनकी सेहत लगातार गिरती जा रही थी। वजन भी 9.5 किलो तक कम हो चुका है। वांगचुक को हॉस्पिटल भेजे जाने के बाद कॉकरोच जनता पार्टी के फाउंडर अभिजीत दीपके ने भूख हड़ताल शुरू कर दी है। वे जब मंच से नीचे आकर बैठे तो एक महिला ने दीपके पर स्याही फेंक दी। दीपके का कहना है कि वे वांगचुक के दोबारा धरना स्थल पर लौटने तक भूख हड़ताल पर बैठे रहेंगे।

अभिजीत पर महिला ने फेंकी स्याही, बढ़ा तनाव

एजेंसी, नई दिल्ली। सीजेपी प्रमुख अभिजीत दीपके पर शनिवार को दिल्ली के जंतर-मंतर पर एक महिला ने स्याही फेंक दी, जिससे विरोध स्थल पर कुछ देर के लिए अफरा-तफरी मच गई। यह घटना उस समय हुई जब पर्यावरणविद् सोनम वांगचुक को अस्पताल में भर्ती कराए जाने के बाद सीजेपी कार्यकर्ता विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। दीपके ने आरोप लगाया कि उनकी अनुपस्थिति में पुलिस ने वांगचुक को धरनास्थल से हटाया। उन्होंने आंदोलन जारी रखने और स्वयं अनशन पर बैठने की घोषणा की। दिल्ली पुलिस ने प्रदर्शनकारियों से शांतिपूर्वक जंतर-मंतर खाली करने की अपील की है।

हिमाचल में फिर होगी आफत की बारिश

21-22 जुलाई को चंबा-कांगड़ा समेत पांच जिलों में भारी बारिश की चेतावनी

भारतेन्दु संवाददाता, अनिल कुमार शर्मा, शिमला। हिमाचल प्रदेश में मॉनसून एक बार फिर पूरी तरह सक्रिय हो गया है और मौसम विभाग ने इस सीजन का पहला रेड अलर्ट जारी किया है। विभाग ने 21 जुलाई को चंबा, कांगड़ा, मंडी और सिरमौर जिलों में तथा 22 जुलाई को चंबा, कांगड़ा, मंडी, सिरमौर और कुल्लू जिलों में बहुत भारी बारिश की चेतावनी दी है। इन दो दिनों के दौरान प्रदेश के बाकी सभी जिलों में ऑरेंज अलर्ट रहेगा।

मौसम विभाग के अनुसार यह इस मॉनसून सीजन में पहली बार है, जब हिमाचल के लिए बहुत भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया गया है। विभाग का कहना है कि बंगाल की खाड़ी में बने कम दबाव के क्षेत्र और सक्रिय मॉनसूनी प्रणाली के प्रभाव से अगले कई दिनों तक प्रदेश में तेज बारिश का दौर जारी रह सकता है। 24 जुलाई के लिए येलो अलर्ट, जबकि 19, 20 और 23 जुलाई के लिए भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

मौसम विभाग की चेतावनी के बीच शुक्रवार रात कांगड़ा और चंबा जिलों में कई स्थानों पर भारी बारिश हुई। सबसे अधिक 137 मिलीमीटर बारिश धर्मशाला एडब्ल्यूएस केंद्र में दर्ज की गई। इसके अलावा चंबा जिले के जोत में 109 मिलीमीटर, कांगड़ा में 77.4 मिलीमीटर, धर्मशाला में 65.5 मिलीमीटर और पालमपुर में 38 मिलीमीटर बारिश रिकॉर्ड की गई। कांगड़ा और जोत क्षेत्र में गरज के साथ बिजली चमकने की घटनाएं भी दर्ज की गईं।

खास बात यह रही कि कांगड़ा जिला मुख्यालय धर्मशाला में इस मॉनसून सीजन के दौरान पहली बार व्यापक स्तर पर तेज बारिश हुई। शनिवार को भी प्रदेश के कई हिस्सों में मौसम खराब बना रहा। शिमला में सुबह से बादल छाए रहे। पिछले कुछ दिनों से शिमला सहित मध्य और ऊंचाई वाले इलाकों में मॉनसून कमजोर पड़ने से अच्छी बारिश नहीं हुई थी, जिससे उमस बढ़ गई थी। अब मौसम विभाग का अनुमान है कि अगले कुछ दिनों में अधिकांश क्षेत्रों में बारिश की गतिविधियां तेज रहेंगी।

बारिश के बीच प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में तापमान सामान्य के आसपास बना हुआ है। मौसम विभाग के अनुसार शनिवार को सबसे कम न्यूनतम तापमान लाहौल-स्पीति के कुकुमसेरी में 12.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसके बाद नारकंडा में 14.2 डिग्री, केलांग में 15.0 डिग्री, कल्पा में 17.0 डिग्री, शिमला में 18.0 डिग्री, कसौली में 19.8 डिग्री, पालमपुर में 20.0 डिग्री, सोलन में 21.0 डिग्री और मनाली में 21.1 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान रिकॉर्ड किया गया।

भूस्खलन व फ्लैश फ्लड संभावित क्षेत्रों से रहें दूर

मौसम विभाग ने रेड और ऑरेंज अलर्ट के साथ लोगों के लिए विस्तृत एडवाइजरी भी जारी की है। विभाग के अनुसार बहुत भारी बारिश के दौरान संवेदनशील क्षेत्रों में भूस्खलन, मलबा गिरने, भूमि धंसने और अचानक बाढ़ आने की आशंका काफी अधिक रहेगी। नदियों, खड्डों और नालों का जलस्तर तेजी से बढ़ सकता है तथा निचले इलाकों में जलभराव की स्थिति बन सकती है। कमजोर भवनों को नुकसान पहुंचने, बागवानी और खड़ी फसलों के प्रभावित होने, सड़कों पर फिसलन और कम दृश्यता के कारण वाहन दुर्घटनाओं तथा लंबा जाम लगने की भी आशंका जताई गई है। मौसम विभाग ने लोगों से भूस्खलन और फ्लैश फ्लड संभावित क्षेत्रों से दूर रहने, नदी-नालों के किनारे नहीं जाने, ट्रैकिंग नहीं करने, गैर जरूरी यात्रा टालने, खुले में गतिविधियां सीमित रखने और प्रशासन की ओर से जारी मौसम व यातायात संबंधी सलाह का पालन करने की अपील की है।

टैक्सी ऑपरेटरों ने मुख्यमंत्री के समक्ष रखी 15 साल परमिट और साडा टैक्स बंद करने की मांग

भारतेन्दु संवाददाता, अनिल कुमार शर्मा, शिमला। राजधानी टैक्सी मैक्सी वेलफेयर सोसायटी जिला शिमला के प्रतिनिधिमंडल ने शनिवार को पार्षद चमन प्रकाश और सोसायटी के प्रधान जितेंद्र ठाकुर की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री से सचिवालय में मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल में 35 टैक्सी यूनियनों के पदाधिकारी शामिल रहे। इस दौरान टैक्सी ऑपरेटरों से जुड़ी विभिन्न मांगों और समस्याओं को मुख्यमंत्री के समक्ष रखा गया।

सोसायटी ने मुख्य रूप से टैक्सी वाहनों के लिए 15 साल के परमिट को दोबारा शुरू करने और साडा टैक्स को बंद करने की मांग उठाई। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि टैक्सी ऑपरेटर लंबे समय से इन मांगों को लेकर परेशान हैं और सरकार से राहत की उम्मीद कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि परमिट अवधि और अतिरिक्त टैक्स से जुड़े प्रावधानों के कारण टैक्सी व्यवसाय से जुड़े लोगों को आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री से मांगों पर जल्द सकारात्मक निर्णय लेने का आग्रह किया। इस दौरान टैक्सी ऑपरेटरों ने सरकार को भरोसा दिलाया कि वे प्रदेश के परिवहन और पर्यटन क्षेत्र को मजबूत करने में अपना योगदान देते रहेंगे।

निलंबन आदेश के खिलाफ हाईकोर्ट पहुंचे विजय, सरकार और डीजीपी से मांगा जवाब

भारतेन्दु संवाददाता, अनीश सूद, शिमला। निरीक्षक विजय कुमार ने अपने निलंबन आदेश को चुनौती देते हुए हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय में याचिका दायर की है। उन्होंने सिविल रिट याचिका (सीडब्ल्यूपी संख्या 11931/2026) के माध्यम से दावा किया है कि उन्होंने किसी भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए कोई धनराशि प्राप्त नहीं की है और उनकी भूमिका पूरी तरह सद्भावनापूर्ण रही है।

मामले की प्रारंभिक सुनवाई के बाद न्यायमूर्ति अजय मोहन गोयल की एकलपीठ ने हिमाचल प्रदेश सरकार और पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) को नोटिस जारी कर दो सप्ताह के भीतर जवाब दाखिल करने के निर्देश दिए हैं। याचिका पर अगली सुनवाई 31 जुलाई, 2026 को निर्धारित की गई है। निरीक्षक विजय कुमार की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता राजीव जीवन ने पैरवी की। उनके साथ अधिवक्ता युग सिंघल और हितेन्द्र वर्मा भी उपस्थित रहे।

पेंशनरों की 250 करोड़ देनदारियों और चिकित्सा बिलों के भुगतान को लेकर मुख्यमंत्री से मिला प्रतिनिधिमंडल

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश पेंशनर्स संयुक्त संघर्ष समिति का प्रतिनिधिमंडल अतिरिक्त महासचिव भूप राम वर्मा की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू से सचिवालय में मिला। इस दौरान समिति ने पेंशनरों की लंबित मांगों को लेकर चर्चा की और जल्द समाधान की मांग रखी।

प्रतिनिधिमंडल ने 1 जनवरी 2016 से पहले सेवानिवृत्त हुए पेंशनरों की करीब 250 करोड़ रुपये की देनदारियों का भुगतान करने, लंबित 131 करोड़ रुपये के चिकित्सा बिलों की अदायगी तथा एचआरटीसी पेंशनरों के लिए अलग से 20 करोड़ रुपये जारी करने की मांग उठाई।

समिति ने पेंशन का नियमित मासिक भुगतान सुनिश्चित करने, एचआरटीसी पेंशनरों के साथ अलग बैठक करने और शहरी निकायों के 2300 पेंशनरों को 2016 के आधार पर संशोधित पेंशन देने के फैसले के लिए मुख्यमंत्री का आभार जताया। समिति ने बताया कि उनकी 14 सूत्रीय मांगों में से छह मांगों पर सरकार ने कार्रवाई की है और अन्य मांगों पर भी जल्द निर्णय की उम्मीद है।

◆ पेंशनर्स संयुक्त संघर्ष समिति ने 40 प्रतिशत पेंशन संशोधन अधिसूचना जल्द जारी करने का किया आग्रह

प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री से आग्रह किया कि 1 जनवरी 2016 से 31 जनवरी 2022 के बीच सेवानिवृत्त हुए पेंशनरों को 40 प्रतिशत पेंशन संशोधन संबंधी अधिसूचना 31 जुलाई से पहले जारी की जाए। साथ ही डीए/डीआर की 15 प्रतिशत किश्तों और बकाया राशि की घोषणा 15 अगस्त को करने, कॉरपोरेट सेक्टर के 17 बोर्ड एवं निगमों के प्रतिनिधियों से बैठक तथा सभी मामलों पर जेसीसी बैठक आयोजित करने की मांग की। समिति का वार्षिक अधिवेशन 8 अगस्त 2026 को कांगड़ा जिले के शाहपुर में आयोजित किया जाएगा।

नशा तस्करों के नेटवर्क व अवैध संपत्ति पर कसेगा शिकंजा

एसपी ने एनडीपीएस मामलों में बैकवर्ड लिंकेज से मुख्य आरोपियों तक पहुंचने के दिए निर्देश

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। शिमला जिला पुलिस की मासिक अपराध समीक्षा बैठक में मादक पदार्थों की तस्करी, महिलाओं से जुड़े अपराध, संपत्ति संबंधी मामलों और साइबर अपराधों की समीक्षा करते हुए पुलिस अधीक्षक ने अधिकारियों को लंबित मामलों का समयबद्ध निपटारा करने और गंभीर मामलों में जांच की गुणवत्ता बढ़ाने के निर्देश दिए। बैठक में विशेष रूप से मादक पदार्थों की तस्करी से जुड़े मामलों में केवल बरामदगी तक सीमित नहीं रहने, बल्कि पूरे नेटवर्क तक पहुंचने और अवैध कमाई से बनाई गई संपत्तियों पर भी कार्रवाई करने पर जोर दिया गया।

पुलिस अधीक्षक की अध्यक्षता में शनिवार को आयोजित बैठक में जिले के सभी राजपत्रित अधिकारी, थाना प्रभारी और अन्य पुलिस अधिकारी शामिल हुए। पुलिस अधीक्षक ने अधिकारियों और कर्मचारियों से अनुशासित और पेशेवर कार्यशैली अपनाने, पुलिस वर्दी और अपने दायित्वों पर गर्व करने तथा लोगों को संवेदनशील और प्रभावी पुलिस सेवा देने के लिए पूरी प्रतिबद्धता से काम करने का आह्वान किया।

बैठक में जून महीने के दौरान जिले में दर्ज अपराधों और उनके रुझानों की विस्तार से समीक्षा की गई। एनडीपीएस अधिनियम के मामलों में प्रभावी जांच, बेहतर डिटेक्शन, बैकवर्ड लिंकेज के माध्यम से बड़े नेटवर्क तक पहुंचने और मुख्य आरोपियों की गिरफ्तारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही वित्तीय जांच को प्राथमिकता देते हुए मादक पदार्थों की तस्करी से अर्जित अवैध संपत्तियों की पहचान कर उन्हें फ्रीज करने और जरूरत पड़ने पर पीआईटी-एनडीपीएस अधिनियम के तहत निवारक कार्रवाई करने के लिए भी कहा गया।

बैठक के दौरान महिलाओं से जुड़े अपराधों की जांच में संवेदनशील और पीड़ित-केंद्रित दृष्टिकोण अपनाने पर विशेष बल दिया गया। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि ऐसे मामलों में त्वरित, निष्पक्ष और गुणवत्तापूर्ण जांच सुनिश्चित की जाए। साथ ही लंबित मामलों की समीक्षा कर उनके शीघ्र निपटारे के निर्देश भी दिए गए। संपत्ति संबंधी अपराधों, विशेषकर चोरी और सेंधमारी के मामलों में आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी, चोरी गए सामान की बरामदगी और मामलों के शीघ्र खुलासे पर भी जोर दिया गया। इसके अलावा साइबर पेट्रोलिंग को और प्रभावी बनाने, सोशल मीडिया और डिजिटल माध्यमों पर लगातार निगरानी रखने, कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए रात्रि गश्त, नाकाबंदी और अन्य निवारक उपायों को मजबूत करने के निर्देश दिए गए।

सतलुज फिल्म विवाद पर हाईकोर्ट के फैसले का शांडिल्य ने किया स्वागत

पंजाब की एकता और भाईचारा सर्वोपरि

भारतेन्दु संवाददाता, अंबाला। एंटी टेरोरिस्ट फ्रंट इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष वीरेश शांडिल्य ने पंजाब हरियाणा हाईकोर्ट द्वारा सतलुज फिल्म को रलीज करने की सुनवाई को इंकार कर दिया जो हाईकोर्ट का फैसला पंजाब की अमन और शांति के लिए एक अहम कदम है। वीरेश शांडिल्य ने कहा सतलुज फिल्म पर लगी रोक को हटाने के लिए हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर हुई थी जिस पर हाईकोर्ट ने सुनवाई से इंकार कर दिया।

पंजाब हरियाणा हाईकोर्ट ने शुक्रवार को पंजाबी सिंगर व एक्टर दिलजीत दोसांझ की फिल्म सतलुज को ओटीटी प्लेटफार्म पर दिखाने वाली एक जनहित याचिका पर विचार करने से मना कर दिया। वीरेश शांडिल्य ने कहा कि हाईकोर्ट की खंडपीठ का सतलुज फिल्म पर सुनवाई न करके और याचिकाकर्ता को किसी किस्म की राहत न देते हुए पंजाब को अमन और शांति की तरफ बढ़ाने का काम किया। वीरेश शांडिल्य ने कहा एंटी टेरोरिस्ट फ्रंट इंडिया लगातार जसवंत सिंह खालड़ा पर आधारित फिल्म सतलुज का विरोध कर रहा है और लगातार इस फिल्म को न चलने को लेकर मुहिम छेड़े हुए हैं।

वीरेश शांडिल्य ने कहा कि यदि दिलजीत दोसांझ की फिल्म सतलुज पंजाब में आतंकवाद फैलाने की साजिश है यदि केंद्र सरकार ने इस फिल्म पर लगाए रोक को हटाया तो उनका संगठन एंटी टेरोरिस्ट फ्रंट इंडिया पंजाब हरियाणा हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर करेंगा। वीरेश शांडिल्य ने कहा इससे पहले भी 2004 व 2008 में पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री बेअंत सिंह के हत्यारे जगतार सिंह हव्वारा व परमजीत सिंह भ्योरा के खिलाफ पंजाब हरियाणा हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर की थी। वीरेश शांडिल्य ने कहा सतलुज फिल्म की सुनवाई पर हाईकोर्ट ने इंकार कर पंजाब हरियाणा चंडीगढ़ की नहीं बल्कि पूरे देश की एकता और अखंडता को मजबूत किया और संविधान को संरक्षण दिया।

एंटी टेरोरिस्ट फ्रंट इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष वीरेश शांडिल्य ने कहा सतलुज फिल्म पंजाब मे आतंकवाद लाने की विदेशों ताकतों की और पाकिस्तान की सोची समझी साजिश है और पंजाब में हिन्दू सिख भाईचारे को लड़वाने के लिए इस फिल्म को खालीस्तानी व कट्टरपंथी पंजाब में सतलुज फिल्म चलवाना चाहते हैं लेकिन एंटी टेरोरिस्ट फ्रंट इंडिया खालीस्तानियों के मंसूबों को कामयाब नहीं होने देगा।

शिमला में करुणामूलक आश्रितों ने फिर उठाई आवाज, कहा- एक महीने में दी जाए नियुक्ति

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। प्रदेशभर के सैकड़ों करुणामूलक आश्रितों ने प्रदेश सचिव गुलशन कुमार की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री से मुलाकात कर लंबित नौकरी मामलों को जल्द निपटाने की मांग उठाई। इस दौरान जिला संगठन पदाधिकारी अनिल बलेनिया, अभिषेक, निखिल, शादी लाल सहित प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए करुणामूलक परिवारों के सदस्य मौजूद रहे।

गुलशन कुमार ने मुख्यमंत्री के समक्ष कहा कि प्रदेश के विभिन्न विभागों और विश्वविद्यालयों में करुणामूलक आधार पर नियुक्ति के कई मामले सचिव स्तर पर लंबित हैं। उन्होंने सभी विभागों को निर्देश जारी कर इन मामलों का शीघ्र निपटारा करने की मांग की।

उन्होंने कहा कि जिन पात्र आश्रितों के दस्तावेजों की जांच पूरी हो चुकी है और वे पात्र पाए गए हैं, उन्हें जल्द नियुक्ति प्रदान की जाए। लंबे समय से नौकरी का इंतजार कर रहे परिवारों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

करुणामूलक संघ ने मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपकर मांग की कि सरकार की 8 अक्टूबर 2025 की अधिसूचना के तहत आय सीमा में मिली छूट के बाद स्क्रीनिंग प्रक्रिया पूरी कर चुके करीब 1100 मामलों में जल्द कार्रवाई की जाए। संघ ने मांग रखी कि इन मामलों में टाइपिंग टेस्ट करवाकर श्रेणी-सी और श्रेणी-डी पदों पर एक माह के भीतर नियुक्तियां दी जाएं। इसके अलावा पूर्व में रिजेक्ट हुए मामलों को दोबारा विचार में लेने के लिए आय सीमा तीन लाख रुपये तय करने और संबंधित अधिसूचना को 31 दिसंबर 2026 तक बढ़ाने की मांग भी रखी गई।

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने करुणामूलक परिवारों की मांगों को ध्यान से सुनते हुए जल्द कार्रवाई का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि लंबित मामलों और रिजेक्ट केसों पर सरकार गंभीरता से विचार करेगी।

अंतरराज्यीय चिट्टा नेटवर्क का पर्दाफाश, दो सप्लायर गिरफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। शिमला पुलिस ने चिट्टा (हेरोइन) तस्करी के दो अलग-अलग मामलों की जांच में अंतरराज्यीय ड्रग सप्लाई नेटवर्क का खुलासा करते हुए राजस्थान और पंजाब से दो सप्लायरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने डिजिटल साक्ष्यों, मोबाइल कॉल डिटेल, व्हाट्सएप चैट और बैंक खातों की जांच के आधार पर सप्लाई चेन तक पहुंच बनाई। जांच में सामने आया कि यह नेटवर्क हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, पंजाब और चंडीगढ़ तक फैला हुआ था।

पहला मामला 15 मार्च का है। रोहड़ू पुलिस ने गश्त के दौरान एक संदिग्ध व्यक्ति से नौ ग्राम चिट्टा बरामद किया था। इस मामले में रोहड़ू निवासी 29 वर्षीय सार्थक सूद को गिरफ्तार किया गया। जांच के दौरान मोबाइल रिकॉर्ड, व्हाट्सएप चैट और बैंक लेन-देन की पड़ताल की गई, जिसके आधार पर उत्तर प्रदेश निवासी अमित गुप्ता को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में सामने आया कि वह चूरू (राजस्थान) निवासी वासु उर्फ हर्ष सिंघानिया के साथ मिलकर तस्करी नेटवर्क चला रहा था। पुलिस ने 15 जुलाई को वासु को चंडीगढ़ से गिरफ्तार किया। जांच में पता चला कि बरामद चिट्टे की सप्लाई के बदले वासु के खाते में 18 हजार रुपये जमा हुए थे। इसके अलावा उसके खाते में लाखों रुपये के अन्य संदिग्ध लेन-देन भी सामने आए हैं। पुलिस अब अन्य आरोपियों और अवैध संपत्तियों की जांच कर रही है।

दूसरे मामले में कोटखाई पुलिस ने तीन जुलाई को करीब 64 ग्राम चिट्टा बरामद कर तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया था। डिजिटल जांच के आधार पर पुलिस ने मोहाली निवासी अमित महेव को 18 जुलाई को गिरफ्तार किया।

एसएसपी शिमला गौरव सिंह ने बताया कि वर्ष 2026 में अब तक बैकवर्ड लिंकेज जांच के आधार पर 58 मुख्य सरगनाओं को गिरफ्तार किया गया है और 48 अंतरराज्यीय ड्रग नेटवर्क का खुलासा किया गया है। उन्होंने कहा कि नशा तस्करी के पूरे नेटवर्क और आर्थिक लेन-देन की जांच लगातार जारी है।

शिक्षा बोर्ड में जुब्बल-कोटखाई के 8 लोगों की बैकडोर भर्ती, पूरे हिमाचल के युवाओं के साथ अन्याय: विनोद

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं विधायक विनोद कुमार ने हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड में हुई कथित बैकडोर भर्ती को लेकर कांग्रेस सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि प्रदेश के बेरोजगार युवाओं के साथ खुला अन्याय किया गया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार ने चुनाव से पहले पांच लाख रोजगार और पहले वर्ष में एक लाख सरकारी नौकरियां देने का वादा किया था, लेकिन आज युवाओं को पारदर्शी भर्ती के बजाय भाई-भतीजावाद और बैकडोर नियुक्तियां देखने को मिल रही हैं।

◗ विधायक बोले- बैकडोर भर्ती की उच्चस्तरीय हो जांच

उन्होंने कहा कि धर्मशाला स्थित हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड में सेवा समिति के माध्यम से चार डाटा एंट्री ऑपरेटर और चार चपरासी के कुल आठ पद भरे गए, लेकिन न तो इन पदों का कोई सार्वजनिक विज्ञापन जारी किया गया और न ही योग्य अभ्यर्थियों से आवेदन मांगे गए। उन्होंने आरोप लगाया कि पूरी भर्ती प्रक्रिया को गुपचुप तरीके से पूरा कर दिया गया। विनोद कुमार ने कहा कि सबसे गंभीर तथ्य यह है कि आठों नियुक्तियां शिक्षा मंत्री के विधानसभा क्षेत्र जुब्बल-कोटखाई के लोगों को दी गई हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या पूरे हिमाचल प्रदेश में योग्य युवा केवल जुब्बल-कोटखाई में ही थे? क्या शिमला, मंडी, कांगड़ा, कुल्लू, चंबा, सिरमौर, ऊना, हमीरपुर, बिलासपुर, सोलन, किन्नौर और लाहौल-स्पीति के बेरोजगार युवा इन पदों के योग्य नहीं थे? उन्होंने कहा कि यह भर्ती पूरी तरह पक्षपातपूर्ण प्रतीत होती है और इससे प्रदेश के लाखों शिक्षित युवाओं का भर्ती प्रक्रिया से विश्वास उठ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि शिक्षा बोर्ड प्रशासन और आउटसोर्स एजेंसी की मिलीभगत से नियमों को ताक पर रखकर नियुक्तियां की गई हैं।

विनोद कुमार ने मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू से मांग की कि इस पूरे मामले की उच्चस्तरीय एवं निष्पक्ष जांच कराई जाए, दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए तथा सभी आठ पदों पर नियुक्तियों को निरस्त कर पारदर्शी प्रक्रिया के तहत पुनः भर्ती की जाए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार रोजगार देने के बजाय अपने मंत्रियों के विधानसभा क्षेत्रों तक ही अवसर सीमित कर रही है। प्रदेश का बेरोजगार युवा इस अन्याय को देख रहा है और आने वाले समय में इसका लोकतांत्रिक जवाब अवश्य देगा।

पहल पीडीएस को पारदर्शी बनाने की कवायद, उपायुक्त ने 10 दिन में दुकानों की रिपोर्ट तैयार करने के दिए आदेश

उपभोक्ताओं की पसंद के अनुसार बदलेगा राशन सिस्टम

भारतेन्दु संवाददाता, अनिल कुमार शर्मा, शिमला। सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और उपभोक्ता केंद्रित बनाने के उद्देश्य से जिला प्रशासन ने नई पहल शुरू की है। उपायुक्त अनुपम कश्यप की अध्यक्षता में जिला सार्वजनिक वितरण समिति और जिला स्तरीय सतर्कता समिति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में खाद्यान्न वितरण व्यवस्था को सुदृढ़ करने, उचित मूल्य की दुकानों की कार्यप्रणाली और उपभोक्ताओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करवाने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।

उपायुक्त ने सभी फूड इंस्पेक्टरों को निर्देश दिए कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में जाकर उचित मूल्य की दुकानों पर उपलब्ध खाद्य वस्तुओं की जानकारी जुटाएं और उपभोक्ताओं से फीडबैक लें। इसके लिए अगले दस दिनों के भीतर रिपोर्ट तैयार करने को कहा गया है। सभी रिपोर्टों को एकत्रित कर खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग को भेजा जाएगा, ताकि उपभोक्ताओं की वास्तविक जरूरतों के अनुसार राशन दुकानों में सामग्री उपलब्ध करवाई जा सके।

उपायुक्त अनुपम कश्यप ने कहा कि जिला के कुछ क्षेत्रों में कई प्रकार की दालों की मांग कम है, जबकि कुछ अन्य दालों की आवश्यकता अधिक है। ऐसे में उपभोक्ताओं की राय के आधार पर रिपोर्ट तैयार कर सरकार को भेजी जाएगी, जिससे उचित मूल्य की दुकानों में लोगों की पसंद और जरूरत के अनुसार खाद्य वस्तुओं की उपलब्धता सुनिश्चित हो सके।

बैठक में स्वयं सहायता समूहों द्वारा संचालित उचित मूल्य की दुकानों के कार्यों की भी समीक्षा की गई। उपायुक्त ने बताया कि जिला में दो उचित मूल्य की दुकानों का संचालन स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से सफलतापूर्वक किया जा रहा है। इनमें चिड़गांव के छआरा क्षेत्र और चौपाल तहसील के शिलावणी गांव की दुकानें शामिल हैं। उन्होंने अन्य स्वयं सहायता समूहों से भी इस क्षेत्र में आगे आने का आह्वान किया।

बैठक में नई उचित मूल्य दुकानों के संचालन संबंधी प्रस्तावों पर भी चर्चा की गई। जुब्बल, चौपाल, नारकंडा, चिड़गांव, बसंतपुर, सुन्नी, ननखड़ी, रामपुर, ठियोग, मशोबरा, कोटखाई, कुपवी और टूटू सहित कई क्षेत्रों में नई राशन दुकानों के प्रस्तावों की समीक्षा की गई।

इसके अलावा दिसंबर 2025 से फरवरी 2026 तक विभिन्न योजनाओं के तहत खाद्यान्न की उपलब्धता और वितरण की स्थिति का जायजा लिया गया। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम-2013 के लाभार्थियों को मिलने वाली सुविधाओं पर भी चर्चा हुई।

बैठक में एडीएम लॉ एंड ऑर्डर पंकज शर्मा, जिला नियंत्रक खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले नरेंद्र धीमान सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि सभी प्रक्रियाएं निर्धारित समय सीमा में पूरी कर पात्र उपभोक्ताओं को निर्बाध और पारदर्शी तरीके से खाद्यान्न उपलब्ध करवाना सुनिश्चित करें।

रामनगर–देहरादून एक्सप्रेस को मिली हरी झंडी

रामनगर–देहरादून एक्सप्रेस शुरू, कुमाऊं और गढ़वाल के बीच बढ़ेगा रेल संपर्क

नई रेल सेवा की शुरुआत के अवसर पर हरी झंडी दिखाते जनप्रतिनिधि।

रामनगर से देहरादून का सफर होगा आसान

यह ट्रेन रामनगर से चलकर काशीपुर, रोशनपुर, पिपलसाना, मुरादाबाद, नजीबाबाद और हरिद्वार होते हुए देहरादून पहुंचेगी। विशेष रूप से पर्यटन के क्षेत्र में इसका सकारात्मक प्रभाव देखने को मिलेगा क्योंकि रामनगर और देहरादून दोनों ही पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण स्थान हैं। मुख्यमंत्री धामी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि केंद्र सरकार के सहयोग से उत्तराखंड में रेलवे अवसंरचना का तेजी से विस्तार हो रहा है।

उत्तराखंड में रेलवे सुविधाओं के आधुनिकीकरण पर भी तेजी से काम किया जा रहा है। राज्य के 11 रेलवे स्टेशनों को आधुनिक सुविधाओं से विकसित किया जा रहा है। सरकार का लक्ष्य यात्रियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ ही पहाड़ी क्षेत्रों में रेल नेटवर्क को मजबूत करना है।

–केंद्रीय रेल मंत्री।

◆ **रामनगर-देहरादून रेल सेवा बनी विकास की नई जीवनरेखा**

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। उत्तराखंड को शनिवार को एक नई रेल सेवा की सौगात मिली। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने वर्चुअल माध्यम से रामनगर–देहरादून एक्सप्रेस रेल सेवा को संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस नई ट्रेन सेवा के शुरू होने से राज्य के कुमाऊं और गढ़वाल मंडलों के बीच संपर्क और अधिक मजबूत होगा। फिलहाल यह ट्रेन सप्ताह में दो दिन संचालित की जाएगी। यात्रियों की संख्या और मांग को देखते हुए भविष्य में इसके संचालन को प्रतिदिन करने पर विचार किया जाएगा।

केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि रामनगर–देहरादून एक्सप्रेस केवल एक यातायात सुविधा नहीं है बल्कि यह क्षेत्रीय विकास, पर्यटन और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देने वाली महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने कहा कि बेहतर रेल संपर्क से लोगों को आवागमन में आसानी होगी और राज्य के विभिन्न क्षेत्रों के बीच संबंध मजबूत होंगे। इस ट्रेन सेवा से विद्यार्थियों, व्यापारियों, कर्मचारियों और पर्यटकों को विशेष लाभ मिलेगा।

रेल मंत्री ने बताया कि वर्ष 2023 से अब तक उत्तराखंड को देश के विभिन्न हिस्सों से जोड़ने के लिए 20 नई अथवा विस्तारित रेल सेवाएं शुरू की जा चुकी हैं। इसके साथ ही राज्य के 11 रेलवे स्टेशनों का आधुनिकीकरण किया जा रहा है। सरकार का उद्देश्य यात्रियों को आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ ही पहाड़ी क्षेत्रों में रेल नेटवर्क को मजबूत करना है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि रामनगर–देहरादून एक्सप्रेस कुमाऊं और गढ़वाल मंडलों के बीच विकास, संपर्क और अवसरों की नई जीवनरेखा साबित होगी। उन्होंने कहा कि इस रेल सेवा से दोनों क्षेत्रों के बीच आवागमन आसान होगा और लोगों को समय की बचत के साथ बेहतर सुविधा मिलेगी।

पीएनबी बनेगा उत्तराखंड सरकार के कर्मचारियों का प्रमुख बैंकिंग सहयोगी

कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को मिलेगा करोड़ों के बीमा समेत कई बैंकिंग लाभ

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। उत्तराखंड सरकार और पंजाब नेशनल बैंक के बीच राज्य सरकार के नियमित कर्मचारियों के वेतन खातों के संचालन को लेकर महत्वपूर्ण समझौता हुआ है। दोनों संस्थानों ने वर्ष 2025 के एमओयू को और बेहतर बनाते हुए एक परिशिष्ट समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौते के तहत उत्तराखंड सरकार के स्थायी कर्मचारियों को पीएनबी की वही प्रीमियम सैलरी पैकेज सुविधाएं मिलेंगी, जो वर्तमान में केंद्र सरकार के कर्मचारियों को उपलब्ध कराई जा रही हैं।

इस समझौते के साथ पंजाब नेशनल बैंक उत्तराखंड सरकार के साथ इस तरह का एमओयू करने वाला पहला बैंक बन गया है। समझौता ज्ञापन का आदान–प्रदान उत्तराखंड सरकार की ओर से कोषागार, पेंशन एवं हकदारी विभाग की निदेशक अमिता जोशी और पीएनबी के उत्तराखंड जोनल हेड अनुपम के बीच किया गया।

प्रशासनिक सहयोग और बेहतर सेवाओं के लिए हुआ महत्वपूर्ण समझौता।

एमओयू के तहत राज्य कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को दुर्घटना बीमा, हवाई दुर्घटना बीमा, टर्म लाइफ बीमा, स्वास्थ्य जांच, टेली कंसल्टेशन, ओवरड्राफ्ट सुविधा, लॉकर किराये में छूट, प्रीमियम कार्ड और रियायती दरों पर ऋण जैसी कई सुविधाएं मिलेंगी। इसके अलावा परिवार के आश्रित सदस्यों के लिए भी विशेष बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

देहरादून–ऋषिकेश फोरलेन पर सहमति बनने तक नहीं होगा काम : सीएम

सीएम धामी का बड़ा फैसला, सहमति के बिना फोरलेन के लिए नहीं होगा पेड़ कटान

◆ **सर्वसम्मति बनने तक रुका देहरादून-ऋषिकेश फोरलेन का काम**

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। देहरादून–ऋषिकेश फोरलेन परियोजना को लेकर उठ रही पर्यावरणीय चिंताओं के बीच मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बड़ा फैसला लिया है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि जब तक सभी संबंधित पक्षों के बीच सहमति नहीं बन जाती, तब तक इस परियोजना के लिए पेड़ों का कटान नहीं किया जाएगा। सरकार के इस निर्णय के बाद पर्यावरण प्रेमियों, स्थानीय लोगों और सामाजिक संगठनों ने राहत की सांस ली है।

पेड़ों का कटान फिलहाल स्थगित

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि सभी हितधारकों के साथ दोबारा विस्तृत चर्चा की जाए। उन्होंने कहा कि उच्च न्यायालय के निर्देशों और फैसलों का पूरी तरह पालन किया जाएगा। सरकार का उद्देश्य विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन बनाना है। फिलहाल पेड़ों का कटान रोक दिया गया है और आगे की कार्रवाई सभी पक्षों के साथ बातचीत के बाद तय की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि देहरादून–ऋषिकेश फोरलेन परियोजना एक महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा योजना है, लेकिन विकास कार्यों के साथ पर्यावरण संरक्षण और जनभावनाओं का सम्मान भी जरूरी है। उन्होंने कहा कि किसी भी परियोजना को आगे बढ़ाने से पहले स्थानीय लोगों, विशेषज्ञों, जनप्रतिनिधियों और अन्य संबंधित पक्षों से संवाद किया जाएगा ताकि सभी की चिंताओं का समाधान निकाला जा सके।

यह परियोजना भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की महत्वपूर्ण योजनाओं में शामिल है। इसके निर्माण के लिए आवश्यक वैधानिक और पर्यावरणीय स्वीकृतियां पूरी करने की प्रक्रिया अपनाई जा रही थी। परियोजना में वन्यजीव संरक्षण को ध्यान में रखते हुए कई विशेष प्रावधान भी किए गए हैं। इसमें करीब साढ़े तीन किलोमीटर लंबे हाथी अंडरपास और छोटे वन्यजीवों के सुरक्षित आवागमन के लिए विशेष कलवर्ट बनाने की योजना शामिल है।

विकास के साथ पर्यावरण संरक्षण पर दिया जोर

सरकार का कहना है कि इन उपायों से मानव और वन्यजीवों के बीच संघर्ष की घटनाओं को कम करने में मदद मिलेगी। देहरादून–ऋषिकेश मार्ग पर अक्सर वन्यजीवों की आवाजाही देखी जाती है, जिससे सड़क दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है। ऐसे में परियोजना में सुरक्षा उपायों को शामिल किया गया है।

एनएसपी आवेदन प्रक्रिया शुरू 30 सितंबर तक भरने होंगे फॉर्म

भारतेंदु संवाददाता, पौड़ी गढ़वाल। छात्रवृत्ति योजनाओं की समीक्षा बैठक शनिवार को विकास भवन में मुख्य विकास अधिकारी अशोक जोशी की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में वर्ष 2026–27 के लिए नेशनल स्कॉलरशिप पोर्टल पर आवेदन प्रक्रिया और छात्रवृत्ति वितरण से जुड़े तकनीकी विषयों पर चर्चा की गई। जिला समाज कल्याण अधिकारी रोहित सिंह दुबड़िया ने बताया कि जिले के 840 पात्र विद्यार्थियों के बैंक खाते आधार से सीड नहीं होने के कारण छात्रवृत्ति की राशि उनके खातों में नहीं पहुंच सकी है। उन्होंने बताया कि छात्रवृत्ति राशि प्रत्यक्ष लाभ अंतरण के माध्यम से भेजी जाती है, इसलिए आधार सीडिंग जरूरी है। मुख्य विकास अधिकारी ने सभी खंड शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिए कि 15 दिनों के भीतर विद्यार्थियों के बैंक खातों की आधार सीडिंग पूरी कराई जाए। उन्होंने पात्र विद्यार्थियों के आवेदन समय पर एनएसपी पोर्टल पर भरवाने और आवश्यक प्रमाण पत्र तैयार कराने के भी निर्देश दिए।

भूमि रिकॉर्ड से आसान होगा किसानों के लिए डिजिटल ऋण

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। भूमि संसाधन विभाग ने ग्रामीण नागरिकों और किसानों को आसान तथा सुरक्षित ऋण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से डिजिटल भूमि प्रशासन और डिजिटल ऋण व्यवस्था को जोड़ने की दिशा में कदम बढ़ाया है। इसके लिए विभाग ने भारतीय रिजर्व बैंक के इनोवेशन हब के साथ उच्च स्तरीय बैठक कर दोनों क्षेत्रों के बीच समन्वय की संभावनाओं पर चर्चा की।

आरबीआई इनोवेशन हब संग भूमि संसाधन विभाग की अहम बैठक।

बैठक की अध्यक्षता भूमि संसाधन विभाग के सचिव नरेंद्र भूषण ने की। इसमें आरबीआई इनोवेशन हब के अधिकारियों ने भाग लिया। चर्चा का मुख्य उद्देश्य डिजिटल भूमि अभिलेखों और एकीकृत ऋण इंटरफेस के बीच बेहतर तालमेल स्थापित करना था ताकि किसानों और ग्रामीण नागरिकों को ऋण प्राप्त करने की प्रक्रिया को सरल बनाया जा सके।

बैठक में इस बात पर जोर दिया गया कि प्रमाणित डिजिटल भूमि रिकॉर्ड के माध्यम से बैंकों और वित्तीय संस्थानों को भरोसेमंद जानकारी उपलब्ध कराई जा सकती है। इससे कृषि ऋण और किसान क्रेडिट कार्ड जैसी योजनाओं की डिजिटल डिलीवरी तेज होगी और ऋण प्रक्रिया में लगने वाला समय भी कम होगा।

जनभावनाओं के अनुरूप जारी रहेगा विकास कार्य: अग्रवाल

एकजुटता, सहयोग और विश्वास का संदेश देती तस्वीर।

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। ऋषिकेश विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री डॉ. प्रेमचंद अग्रवाल के कैंप कार्यालय में छिद्रवाला क्षेत्र से पहुंचे जनप्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं ने क्षेत्र में हो रहे विकास कार्यों के लिए उनका आभार व्यक्त किया। इस दौरान उन्होंने विधायक को गुलदस्ता भेंट कर विकास कार्यों में सहयोग और प्रयासों के लिए धन्यवाद दिया।

कार्यक्रम में उप प्रधान कुंवर सिंह गुसाईं ने कहा कि डॉ. प्रेमचंद अग्रवाल के प्रयासों से छिद्रवाला क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण विकास कार्य पूरे हुए हैं। उन्होंने बताया कि क्षेत्र की आंतरिक सड़कों का सुदृढ़ीकरण, विभिन्न स्थानों पर स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था, किसानों की सुविधा के लिए नहरों का सुधार, विद्युत व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए बंचिंग केबल और लाइन शिफ्टिंग जैसे कार्य किए गए हैं।

उन्होंने कहा कि सिंचाई विभाग द्वारा चैनलाइजेशन सहित कई योजनाओं पर भी प्रभावी रूप से काम हुआ है। कई विकास कार्य पूरे हो चुके हैं जबकि कुछ कार्य अभी प्रगति पर हैं। इन कार्यों से क्षेत्र के लोगों को बेहतर सुविधाएं मिल रही हैं और जनप्रतिनिधियों ने इसके लिए विधायक का धन्यवाद किया।

डॉ. प्रेमचंद अग्रवाल ने जनप्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं का आभार जताते हुए कहा कि क्षेत्र का समग्र विकास उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि जनता की जरूरतों और जनभावनाओं के अनुरूप विकास योजनाओं को आगे बढ़ाया जा रहा है।

कांवड़ मेले में यातायात व्यवस्था मजबूत करने की कवायद शुरू

भारतेंदु संवाददाता, हरिद्वार। कांवड़ मेला–2026 के सफल, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित संचालन को लेकर हरिद्वार पुलिस ने तैयारियां तेज कर दी हैं। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर पुलिस कार्यालय रोशनाबाद में एसपी यातायात निशा यादव की अध्यक्षता में सिडकुल क्षेत्र की विभिन्न कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ एक महत्वपूर्ण समन्वय बैठक आयोजित की गई। बैठक में कांवड़ मेले के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आगमन को देखते हुए यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने पर विस्तृत चर्चा हुई। औद्योगिक क्षेत्र में मालवाहक वाहनों के संचालन, कर्मचारियों के आवागमन, आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति व औद्योगिक गतिविधियों के संचालन के संबंध में विभिन्न सुझावों और व्यवस्थाओं पर विचार–विमर्श किया। एसपी यातायात निशा यादव ने कहा कि कांवड़ मेले के दौरान यातायात व्यवस्था को सुरक्षित और व्यवस्थित बनाए रखने के लिए पुलिस और औद्योगिक संस्थानों के बीच बेहतर समन्वय आवश्यक है। उन्होंने सभी कंपनियों से पुलिस द्वारा जारी ट्रैफिक प्लान का पालन करने और किसी भी संभावित समस्या के त्वरित समाधान के लिए सक्रिय सहयोग करने की अपील की। बैठक में मौजूद सभी कंपनी प्रतिनिधियों ने हरिद्वार पुलिस को पूर्ण सहयोग का भरोसा दिलाते हुए कांवड़ मेले के दौरान निर्धारित यातायात योजना का पालन करने का आश्वासन दिया।

नई शिक्षा नीति में नैतिक शिक्षा जरूरी: राज्यपाल गुरमीत सिंह

पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए पौधरोपण अभियान को बढ़ावा देते गणमान्य अतिथि।

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने शनिवार को लोक भवन में राष्ट्रीय सैनिक संस्था द्वारा आयोजित 'नई शिक्षा नीति में नैतिक शिक्षा' विषयक संगोष्ठी में बतौर मुख्य अतिथि प्रतिभाग किया। इस अवसर राज्यपाल ने संस्था की ओर से विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले सदस्यों को भी सम्मानित किया।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति के तहत युवाओं को आधुनिक तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के साथ–साथ नैतिक शिक्षा और चरित्र निर्माण से भी जोड़ना जरूरी है। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर भारत और विश्व गुरु बनने के लक्ष्य को हासिल करने में संस्कारवान युवाओं की अहम भूमिका होगी। राज्यपाल ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा, वेद, उपनिषद और ऋषि–मुनियों की शिक्षाएं नई पीढ़ी को जीवन मूल्यों से जोड़ने का सशक्त माध्यम हैं।

उन्होंने कहा कि सत्य, ईमानदारी, निष्ठा और आत्मानुशासन जैसे मूल्य ही राष्ट्र को मजबूत बनाते हैं।

राज्यपाल ने कहा कि नैतिक शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि इसे जीवन में व्यवहार के रूप में अपनाना आवश्यक है। यह उपदेश से नहीं, बल्कि उदाहरण से सीखी जाती है। राज्यपाल ने राष्ट्रीय सैनिक संस्था के सदस्यों से विद्यालयों, महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों में जाकर विद्यार्थियों के चरित्र निर्माण, राष्ट्र प्रेम, अनुशासन और सेवा की भावना के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया।

शिक्षक समायोजन में अनियमितता का आरोप, मुख्यमंत्री से मिलेगी यूकेडी

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। उत्तराखंड क्रांति दल (यूकेडी) ने शिक्षा विभाग में शिक्षकों के समायोजन को लेकर गंभीर सवाल उठाते हुए नियम विरुद्ध किए गए समायोजन को तत्काल निरस्त करने की मांग की है। यूकेडी के केंद्रीय कार्यालय प्रभारी देव चंद उत्तराखंडी ने महानिदेशक शिक्षा को पत्र भेजकर आरोप लगाया कि कुछ शिक्षकों को नियमों की अनदेखी कर लाभ पहुंचाया गया है। उनका दावा है कि एक वरिष्ठ अधिकारी की पत्नी सहित कुछ चहेते लोगों के पक्ष में समायोजन कर शिक्षा व्यवस्था की पारदर्शिता पर प्रश्नचिह्न लगा दिया गया है। देव चंद उत्तराखंडी ने कहा कि शिक्षा विभाग में स्थानांतरण और समायोजन की प्रक्रिया पूरी तरह निष्पक्ष और पारदर्शी होनी चाहिए, लेकिन वर्तमान मामले में नियमों की अनदेखी की गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि स्थानांतरण प्रक्रिया को एक प्रकार का 'उद्योग' बना दिया गया है, जो अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने शिक्षा मंत्री से मांग की कि नियम विरुद्ध किए गए सभी समायोजन तत्काल प्रभाव से निरस्त किए जाएं। यूकेडी ने चेतावनी दी कि यदि मांग पर शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो पार्टी शिक्षा विभाग के खिलाफ व्यापक आंदोलन शुरू करेगी। साथ ही एक प्रतिनिधिमंडल मुख्यमंत्री से मिलकर पूरे मामले की जानकारी देगा। उन्होंने यह भी कहा कि कुछ अधिकारी नियमों के उल्लंघन को उचित ठहराने के लिए मुख्यमंत्री का नाम ले रहे हैं, जिसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। यूकेडी ने शिक्षक संगठनों से भी इस मुद्दे पर सहयोग की अपील करते हुए कहा कि दुर्गम क्षेत्रों में सेवा देने वाले शिक्षकों को स्थानांतरण का न्यायसंगत लाभ मिलना चाहिए।

◆ **यूकेडी ने शिक्षा मंत्री को लिखा पत्र, समायोजन रद्द करने की मांग**

कैलाश यात्रा मार्ग बाधित, 50 श्रद्धालु धारचूला में रोके गए

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। पिथौरागढ़ जिले के धारचूला क्षेत्र में कैलाश मानसरोवर यात्रा मार्ग पर पहाड़ी से भारी मलबा और बोल्डर गिरने के कारण यात्रा प्रभावित हो गई। तवाघाट–गुंजी मार्ग पर गर्बाधार और तंपा मंदिर के बीच सड़क बाधित होने से कैलाश मानसरोवर यात्रा के चौथे दल के 50 श्रद्धालुओं को आगे जाने से रोक दिया गया है। यात्रियों को फिलहाल धारचूला में सुरक्षित रखा गया है। जानकारी के अनुसार शनिवार सुबह करीब पांच बजे इस मार्ग पर अचानक पहाड़ी से मलबा गिर गया, जिससे यातायात पूरी तरह प्रभावित हो गया। यात्रियों का दल धारचूला से गुंजी के लिए रवाना होने वाला था, लेकिन सड़क बंद होने के कारण प्रशासन ने सुरक्षा के लिहाज से उन्हें वहीं रोक दिया। सड़क खोलने के लिए सीमा सड़क संगठन के कर्मचारी जेसीबी मशीनों की मदद से मलबा और बड़े पत्थर हटाने में जुटे हुए हैं। प्रशासन का कहना है कि मार्ग साफ होने के बाद यात्रियों को आगे भेजा जाएगा। वहीं पांगला पुलिस ने भी धारचूला से गुंजी जाने वाले वाहनों को रोक दिया है ।बारिश और पहाड़ी क्षेत्रों में भूस्खलन के कारण कैलाश यात्रा मार्ग पर लगातार चुनौतियां बनी रहती हैं। प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियां यात्रियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं।

केदारनाथ में ऑपरेशन कालनेमि : बिना सत्यापन रह रहे 15 बाबाओं पर हुई कार्रवाई

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। केदारनाथ धाम की सुरक्षा, पवित्रता और यात्रा व्यवस्थाओं को बेहतर बनाए रखने के लिए प्रशासन और पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। धाम क्षेत्र में बिना पुलिस सत्यापन और वैध पहचान दस्तावेजों के रह रहे बाबाओं के खिलाफ **ऑपरेशन कालनेमि** के तहत विशेष जांच अभियान चलाया गया। यह अभियान 18 जुलाई 2026 को यात्रा मजिस्ट्रेट और सेक्टर मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में पुलिस चौकी केदारनाथ द्वारा संचालित किया गया।

अभियान के दौरान केदारनाथ धाम में रह रहे बाबाओं और अन्य लोगों के पहचान पत्रों की जांच की गई। पुलिस टीम ने उनके पुलिस सत्यापन की स्थिति भी जांची। जांच में कुछ ऐसे लोग पाए गए जो बिना आवश्यक पुलिस सत्यापन के धाम क्षेत्र में रह रहे थे। सुरक्षा नियमों का उल्लंघन करने पर पुलिस ने उनके खिलाफ पुलिस एक्ट के तहत चालानी कार्रवाई की।

इसके अलावा जांच के दौरान कुछ बाबाओं के पास वैध आधार कार्ड भी नहीं पाए गए। प्रशासन ने इसे सुरक्षा के लिहाज से गंभीर मामला मानते हुए ऐसे लोगों के खिलाफ भी कार्रवाई की। पुलिस ने उनका चालान काटने के साथ ही उन्हें तत्काल केदारनाथ धाम से गौरीकुंड भेज दिया।

इस संयुक्त अभियान में कुल 15 लोगों के खिलाफ चालानी कार्रवाई की गई। प्रशासन और पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि केदारनाथ धाम की सुरक्षा और धार्मिक मर्यादा से किसी भी तरह का समझौता नहीं किया जाएगा। चारधाम यात्रा के दौरान यात्रियों की सुरक्षा और बेहतर व्यवस्था बनाए रखने के लिए ऐसे जांच अभियान आगे भी जारी रहेंगे।

अधिकारियों का कहना है कि धाम क्षेत्र में रहने वाले प्रत्येक व्यक्ति का सत्यापन और पहचान सुनिश्चित करना जरूरी है ताकि किसी भी तरह की सुरक्षा चुनौती से निपटा जा सके। प्रशासन ने श्रद्धालुओं से भी अपील की है कि वे यात्रा के दौरान नियमों का पालन करें और संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी तुरंत संबंधित विभागों को दें।

केदारनाथ धाम में सुरक्षा अभियान, 15 बाबाओं के काटे चालान।

हरिद्वार में नाबालिग से सामूहिक दुष्कर्म के छह आरोपी गिरफ्तार

भारतेंदु संवाददाता, हरिद्वार। पथरी थाना पुलिस ने सुल्तानपुर क्षेत्र में नाबालिग से कथित सामूहिक दुष्कर्म के मामले का महज पांच दिनों में खुलासा करते हुए छह आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने सभी आरोपियों को फुलगढ़ के जंगल क्षेत्र से दबोचा। आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं और पॉक्सो एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर न्यायालय में पेश किया गया। पुलिस के अनुसार, 12 जुलाई की रात नाबालिग अपने एक परिचित युवक के साथ फुलगढ़ के जंगल के पास मौजूद थी। इसी दौरान कुछ युवक वहां पहुंचे और दोनों को रोक लिया। आरोप है कि युवकों ने पहले परिचित युवक के साथ मारपीट कर उसे अलग कर दिया और इसके बाद नाबालिग को जंगल में ले जाकर सामूहिक दुष्कर्म किया। घटना के अगले दिन 13 जुलाई को पीड़िता के पिता की तहरीर पर थाना पथरी में मुकदमा दर्ज किया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर पुलिस, सीआईयू और एफएसएल की संयुक्त टीमों का गठन किया गया।

तीन माह में पूरे होंगे मॉडल डायट निर्माण कार्य : डॉ . धन सिंह रावत

कहा- सभी डायट को शैक्षणिक उत्कृष्टता केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। उत्तराखंड सरकार ने प्रदेश के सभी जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थानों (डायट) में शिक्षक प्रशिक्षण को अधिक प्रभावी और आधुनिक बनाने के लिए नवाचार पर विशेष जोर देने का निर्णय लिया है। शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने समीक्षा बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रशिक्षण कार्यक्रमों में पारंपरिक तरीकों के बजाय आधुनिक तकनीक और नवाचार आधारित शिक्षण पद्धतियों को अपनाया जाए। उन्होंने कहा कि इससे शिक्षक विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में अधिक प्रभावी भूमिका निभा सकेंगे।

शिक्षा मंत्री ने प्रत्येक डायट में शिक्षकों के लिए मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी ट्रेनिंग अनिवार्य करने के निर्देश भी दिए। साथ ही प्रशिक्षण कार्यक्रमों में नशामुक्ति, पर्यावरण संरक्षण, सोशल इमोशनल लर्निंग और नैतिक शिक्षा जैसे विषयों को भी शामिल किया जाएगा। बैठक में मॉडल डायट के निर्माण कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर अगले तीन माह में पूरा करने के निर्देश दिए गए। बैठक में विद्यालयी शिक्षा महानिदेशक आकांक्षा कोण्डे, निदेशक एससीईआरटी वंदना गर्ब्याल, निदेशक माध्यमिक शिक्षा विनोद कुमार सिमल्टी, निदेशक प्राथमिक शिक्षा के.एस. रावत, अपर निदेशक बेसिक शिक्षा पदमेन्द्र सकलानी व विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

आदमपुर फ्लाईओवर के लिए 257 करोड़ का भेजा प्रस्ताव

पंजाब सरकार ने केंद्र को विस्तृत अनुमान भेजा, मंजूरी मिलते ही वर्षों से रुका निर्माण कार्य दोबारा शुरू होने की उम्मीद

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

जालंधर-होशियारपुर राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-3) पर लंबे समय से रुकी आदमपुर फ्लाईओवर परियोजना को दोबारा गति देने की दिशा में पंजाब सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। राष्ट्रीय राजमार्ग के किलोमीटर 11.400 से 29.200 तक शेष चार-लेन सड़क और पक्के शोल्डर के निर्माण के लिए 257.32 करोड़ रुपये का विस्तृत अनुमान (डिटेल्ड एस्टीमेट) तैयार कर केंद्र सरकार को मंजूरी के लिए भेज दिया गया है। इस कदम से वर्षों से लंबित परियोजना के जल्द शुरू होने की उम्मीद जगी है।

जानकारी के अनुसार यह विस्तृत अनुमान राष्ट्रीय राजमार्ग सर्किल, अमृतसर के मुख्य अभियंता द्वारा तैयार किया गया है। इसके बाद पंजाब सरकार ने इसे केंद्र सरकार के पास स्वीकृति के लिए भेजा है। प्रस्ताव को मंजूरी मिलने के बाद शेष निर्माण कार्य दोबारा शुरू किया जा सकेगा, जिससे जालंधर और होशियारपुर के बीच आवागमन पहले की तुलना में अधिक सुरक्षित, तेज और सुविधाजनक होगा।

आम आदमी पार्टी के मुख्य प्रवक्ता एवं आदमपुर हलका इंचार्ज पवन टीनू ने इस पहल के लिए मुख्यमंत्री भगवंत मान का आभार व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री ने जून के पहले सप्ताह में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात के दौरान आदमपुर फ्लाईओवर परियोजना का मुद्दा प्रमुखता से उठाया था। मुख्यमंत्री ने इसे जनहित से जुड़ी महत्वपूर्ण परियोजना बताते हुए प्राथमिकता के आधार पर मंजूरी देकर निर्माण कार्य जल्द शुरू कराने का आग्रह किया था।

पवन टीनू ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि केंद्र सरकार इस प्रस्ताव को शीघ्र स्वीकृति देगी, जिससे लंबे समय से रुकी परियोजना का निर्माण कार्य फिर से

शुरू हो सकेगा। उनके अनुसार फ्लाईओवर बनने से न केवल यातायात व्यवस्था बेहतर होगी, बल्कि क्षेत्र में औद्योगिक, व्यापारिक और आर्थिक गतिविधियों को भी नया प्रोत्साहन मिलेगा। बेहतर सड़क संपर्क से माल परिवहन आसान होगा, यात्रा का समय कम होगा और दुर्घटनाओं की संभावना भी घटेगी। उन्होंने बताया कि आदमपुर फ्लाईओवर परियोजना का निर्माण वर्ष 2016 में शुरू हुआ था, लेकिन वर्ष 2020 में कार्य पूरी तरह बंद हो गया। निर्माण कार्य रुकने के बाद सीमेंट, स्टील और अन्य निर्माण सामग्री की कीमतों में भारी बढ़ोतरी हुई। लागत बढ़ने के कारण ठेकेदार ने पुराने दरों पर काम जारी रखने से इनकार कर दिया, जिसके चलते परियोजना अधर में लटक गई। इसका सबसे अधिक नुकसान क्षेत्र के लोगों को उठाना पड़ा, जिन्हें वर्षों तक अधूरी सड़क और यातायात संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ा।

आदमपुर की रणनीतिक दृष्टि से भी विशेष महत्ता है। यहां भारतीय वायुसेना का एक महत्वपूर्ण एयरबेस स्थित है, जहां से देश की सुरक्षा से जुड़े कई अहम अभियान संचालित किए जाते हैं। इसके अलावा आदमपुर में हवाई अड्डा भी संचालित है, जहां से बड़ी संख्या में यात्री नियमित रूप से हवाई यात्रा करते हैं। ऐसे में इस मार्ग का बेहतर और सुरक्षित होना राष्ट्रीय सुरक्षा तथा नागरिक सुविधाओं दोनों के लिए आवश्यक माना जा रहा है।

पवन टीनू ने यह भी बताया कि परियोजना बंद होने के बाद उन्होंने इस मुद्दे को लगातार विभिन्न स्तरों पर उठाया। उन्होंने कहा कि 30 जुलाई 2025 को वे तीन अन्य सांसदों के साथ केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से मिले थे और आदमपुर फ्लाईओवर का निर्माण कार्य दोबारा शुरू कराने की मांग रखी थी।

बहन के इलाज के लिए जुटाए एक लाख रुपए पीजीआई के बाहर चोरी

भारतेन्दु संवाददाता, मोहाली

शहर के पीजीआई परिसर के बाहर इंसानियत को शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है। ब्रेन हेमरेज से पीड़ित बहन की जान बचाने के लिए रिश्तेदारों और परिचितों से उधार लेकर इलाज का इंतजाम करने वाले एक युवक की जेब से एक लाख रुपये चोरी हो गए। वारदात उस समय हुई, जब वह पूरी रात की भागदौड़ और मानसिक तनाव के बाद पीजीआई के इमरजेंसी वार्ड के बाहर सो गया था। घटना के बाद परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा और बहन की सर्जरी भी फिलहाल टालनी पड़ी। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार पीड़ित गौरव अपनी 23 वर्षीय बहन पूजा को ब्रेन हेमरेज होने के बाद इलाज के लिए पीजीआई लेकर आया था। डॉक्टरों ने जांच के बाद तत्काल ऑपरेशन कराने की सलाह दी। आर्थिक रूप से कमजोर परिवार के लिए इलाज का खर्च जुटाना आसान नहीं था। गौरव ने रिश्तेदारों, दोस्तों और परिचितों से हाथ जोड़कर मदद मांगी और करीब डेढ़ लाख रुपये उधार लेकर किसी तरह इलाज की राशि का इंतजाम किया।

गौरव ने बताया कि दिनभर अस्पताल की औपचारिकताएं पूरी करने और बहन की देखभाल में व्यस्त रहने के बाद वह रात को इमरजेंसी वार्ड के बाहर ही सो गया। इलाज के लिए रखी गई नकदी उसने अपनी जेब में सुरक्षित रखी थी। सुबह जब उसकी आंख खुली तो जेब से एक लाख रुपये गायब थे। यह देखकर उसके होश उड़ गए। जिस रकम के सहारे बहन का ऑपरेशन होना था, वह चंद घंटों में चोरी हो चुकी थी। रुपये चोरी होने के कारण बहन की सर्जरी फिलहाल टालनी पड़ी है। परिवार का कहना है कि उन्होंने बड़ी मुश्किल से लोगों से उधार लेकर रकम जुटाई थी, लेकिन अब दोबारा इतनी बड़ी राशि का इंतजाम करना बेहद कठिन हो गया है। परिवार आर्थिक और मानसिक दोनों तरह के संकट से गुजर रहा है।

न्यूज ब्रीफ

तेज रफ्तार थार ने ली युवक की जान

भारतेन्दु संवाददाता, मोहाली। जुबली वॉक के पास शनिवार देर रात तेज रफ्तार थार ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि बाइक सवार एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल युवक को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है।

टक्कर के बाद थार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे लगी ग्रिल तोड़ते हुए पार्क में जा घुसी। दुर्घटना में थार भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। थार में चालक समेत चार लोग सवार थे, जिनमें शामिल दो युवतियां हादसे के बाद मौके से फरार हो गईं। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और कार्रवाई शुरू की। पुलिस ने थार चालक और उसके एक साथी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगालकर हादसे के कारणों और फरार युवतियों की भूमिका की जांच कर रही है। मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

धान को बौने वायरस से बचाने खेतों में उतरी टीम

भारतेन्दु संवाददाता, मोहाली। धान की फसल को बौने वायरस से बचाने के लिए फार्म एडवाइजरी सर्विस सेंटर मोहाली और पंजाब कृषि विश्वविद्यालय की संयुक्त टीम ने जिले के विभिन्न गांवों में खेतों का निरीक्षण किया। टीम में एफएएससी के आरएस घुम्मण और पीएयू की रूबलजोत कूनर शामिल रहे। विशेषज्ञों ने किसानों के साथ खेतों का दौरा कर धान के पौधों में बौनेपन, पत्तियों के पीले पड़ने और वृद्धि रुकने जैसे लक्षणों की जांच की। इस दौरान वायरस फैलाने वाले व्हाइट-बैक्ड प्लांट हॉपर की भी निगरानी की गई। कुछ खेतों में इस कीट की मौजूदगी पाई गई। वैज्ञानिकों ने किसानों को फसल की नियमित निगरानी करने और बीमारी के शुरुआती लक्षण दिखने पर तुरंत कृषि विभाग या फार्म एडवाइजरी सर्विस सेंटर से संपर्क करने की सलाह दी। टीम ने कीट नियंत्रण के लिए उचित दवाओं की जानकारी भी किसानों को दी। पूरे फसल सीजन में निगरानी अभियान जारी रहेगा।

बैंक गबन मामले में फरार आरोपी पर सीबीआई सख्त

भारतेन्दु संवाददाता, मोहाली। 30 साल पुराने 3.18 करोड़ रुपये के बैंक गबन मामले में फरार आरोपी विजय कुमार चड्ढा के खिलाफ मोहाली स्थित विशेष सीबीआई अदालत ने सख्त कार्रवाई की है। अदालत ने आरोपी की गिरफ्तारी सुनिश्चित करने के लिए ओपन डेटेड गैर-जमानती वारंट जारी करने के आदेश दिए हैं। यह कार्रवाई रेड कॉर्नर नोटिस जारी कराने की प्रक्रिया के तहत की गई है। सीबीआई एंटी करप्शन ब्रांच चंडीगढ़ के अनुसार, मामला 10 सितंबर 1996 का है। आरोपी उस समय कैनरा बैंक की बटाला शाखा में अधिकारी था।

स्कूल रसोई में कुकर फटने से कर्मचारी घायल

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़। सेक्टर-20बी स्थित सरकारी गर्ल्स मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल में मिड-डे मील तैयार करते समय प्रेशर कुकर फटने से एक महिला रसोई कर्मचारी घायल हो गई। हादसा उस समय हुआ जब विद्यार्थियों के लिए राजमा बनाया जा रहा था। कुकर में अचानक दबाव बढ़ने से जोरदार धमाका हुआ। आवाज सुनकर स्कूल स्टाफ मौके पर पहुंचा और घायल महिला को तुरंत अस्पताल पहुंचाया। घटना के समय रसोई में कोई छात्र मौजूद नहीं था, जिससे बड़ा हादसा टल गया। स्कूल प्रशासन ने रसोई खाली करवाकर सुरक्षा व्यवस्था की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में तकनीकी खराबी को हादसे का कारण माना जा रहा है।

हाई कोर्ट का बड़ा फैसला, जिला बोर्ड की सेवा भी पेंशन लाभ में होगी शामिल

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़।

पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने सेवानिवृत्त कर्मचारियों के पेंशन अधिकारों पर महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए कहा कि जिला बोर्ड के अधीन दी गई सेवा को केवल इस आधार पर पेंशन लाभ से बाहर नहीं किया जा सकता कि कर्मचारी ने उस अवधि में कान्ट्रिब्यूटरी प्रोविडेंट फंड (सीपीएफ) में अंशदान नहीं किया था। जस्टिस हरकेश मनुजा ने पंजाब सरकार की दूसरी अपील खारिज करते हुए निचली अदालतों के फैसलों को बरकरार रखा। मामला लुधियाना के हरदयाल सिंह का था, जिन्होंने 1953 से 1957 तक जिला बोर्ड के स्कूलों में सेवा दी और बाद में सरकारी स्कूल में हेडमास्टर के पद से सेवानिवृत्त हुए। सरकार ने उनकी पूर्व सेवा को पेंशन में नहीं जोड़ा था। हाई कोर्ट ने कहा कि 1961 के नियम इस मामले पर लागू नहीं होते और उस समय सीपीएफ अंशदान पेंशन की अनिवार्य शर्त नहीं था।

पेंशन अधिकारों पर हाई कोर्ट की स्पष्ट टिप्पणी

हाई कोर्ट ने अपने फैसले में यह भी स्पष्ट किया कि पेंशन एक कर्मचारी का वैधानिक और अर्जित अधिकार है, जिसे तकनीकी आधारों पर सीमित नहीं किया जा सकता। अदालत ने कहा कि यदि कोई कर्मचारी वर्षों तक नियमित रूप से सेवा देता है और बाद में उसकी सेवाएं सरकार में समाहित हो जाती हैं, तो उसकी पूर्व सेवा अवधि को भी उचित परिस्थितियों में पेंशन निर्धारण के लिए माना जाना चाहिए। केवल इस आधार पर कि उस समय कर्मचारी ने कान्ट्रिब्यूटरी प्रोविडेंट फंड (सीपीएफ) में अंशदान नहीं किया, उसे पेंशन लाभ से वंचित करना न्यायसंगत नहीं है। अदालत ने यह भी माना कि रिकॉर्ड में ऐसा कोई नियम या प्रावधान प्रस्तुत नहीं किया गया, जिससे यह सिद्ध हो सके कि संबंधित अवधि में सीपीएफ की सदस्यता पेंशन के लिए अनिवार्य थी। इस फैसले से उन कर्मचारियों को राहत मिलने की उम्मीद है, जिन्होंने जिला बोर्ड, पंचायत या अन्य स्थानीय निकायों में सेवा देने के बाद सरकारी विभागों में कार्य किया और सेवानिवृत्ति के समय उनकी पूर्व सेवा को नजरअंदाज कर दिया गया।

वीजा के नाम पर ठगी, इमिग्रेशन कंपनी पर धोखाधड़ी का मामला दर्ज

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

चंडीगढ़ के सेक्टर-34ए स्थित एक इमिग्रेशन कंपनी के खिलाफ वीजा दिलाने के नाम पर कथित धोखाधड़ी करने का मामला सामने आया है। एनआरआई थाना मोहाली ने अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एनआरआई विंग) पंजाब के आदेश पर दोबारा जांच करने के बाद कंपनी और उससे जुड़े आरोपितों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है। पुलिस का कहना है कि मामले में उपलब्ध दस्तावेजों और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

जानकारी के अनुसार शिकायतकर्ता गुरदीप सिंह ने आरोप लगाया कि अवोक वीजा कोर्ट नामक इमिग्रेशन कंपनी ने उन्हें ऑस्ट्रेलिया के सब क्लॉस-482 वीजा दिलाने का भरोसा दिया था। कंपनी ने वीजा प्रक्रिया पूरी कराने के नाम पर उनसे करीब ढाई लाख रुपये लिए, लेकिन तय सेवाएं उपलब्ध नहीं कराईं। शिकायतकर्ता

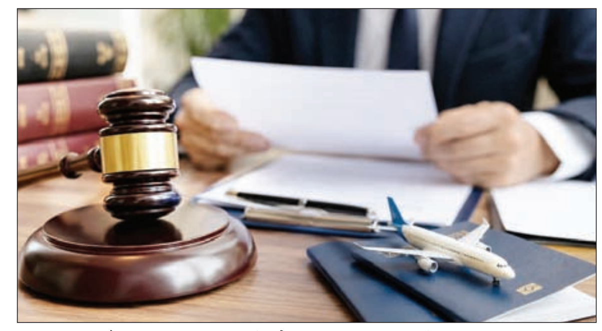

का कहना है कि भुगतान करने के बावजूद न तो वीजा प्रक्रिया आगे बढ़ाई गई और न ही आवेदन की स्थिति को लेकर कोई स्पष्ट जानकारी दी गई। इससे उन्हें आर्थिक नुकसान के साथ मानसिक परेशानी भी झेलनी पड़ी।

प्रारंभिक जांच के दौरान दोनों पक्षों के बीच समझौता हो गया था। समझौते के तहत कंपनी की ओर से शिकायतकर्ता को 1.70 लाख रुपये लौटाने के लिए यस बैंक का एक चेक दिया गया। हालांकि जब गुरदीप सिंह ने उक्त चेक बैंक में जमा कराया तो वह बाउंस हो गया। चेक अनादरित होने के बाद शिकायतकर्ता ने समझौते को समाप्त मानते हुए अपनी पहले बंद की गई शिकायत को दोबारा खोलने और आरोपितों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की।

इसके बाद अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, एनआरआई विंग, पंजाब के निर्देश पर मामले की दोबारा जांच कराई गई। जांच के दौरान उपलब्ध दस्तावेजों, बैंक रिकॉर्ड और अन्य साक्ष्यों का परीक्षण किया गया।

विकास कार्यों के समर्थन पर मनीष तिवारी बोले-राजनीति से ऊपर रखा जनहित

भारतेन्दु संवाददाता, मोहाली

सांसद मनीष तिवारी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हालिया कार्यक्रमों में अपनी उपस्थिति को लेकर उठ रहे सवालों पर विस्तृत प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उन्होंने हमेशा विकास को दलगत राजनीति से ऊपर रखा है। उनका कहना है कि किसी भी जनप्रतिनिधि का पहला दायित्व जनता के हितों की रक्षा करना और क्षेत्र के विकास से जुड़े कार्यों का समर्थन करना होता है। इसी सोच के तहत उन्होंने प्रधानमंत्री के विकास संबंधी कार्यक्रमों में भाग लिया।

इंटरनेट मीडिया पर जारी अपने बयान में मनीष तिवारी ने कहा कि 24 अगस्त 2022 को जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने न्यू चंडीगढ़ स्थित डॉ. होमी भाभा कैंसर अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र (टाटा मेमोरियल सेंटर) का उद्घाटन किया था, तब वह श्री आनंदपुर साहिब से सांसद थे। क्षेत्र के निर्वाचित प्रतिनिधि होने के नाते उन्होंने कार्यक्रम में भाग लिया था। उन्होंने कहा कि यह अस्पताल आज पंजाब, हरियाणा, हिमाचल

प्रदेश और चंडीगढ़ सहित आसपास के क्षेत्रों के हजारों कैंसर मरीजों के लिए आधुनिक उपचार का प्रमुख केंद्र बन चुका है। इससे मरीजों को बड़े शहरों में जाने की आवश्यकता कम हुई है और बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हो रही हैं।

मनीष तिवारी ने कहा कि 17 जुलाई 2026 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चंडीगढ़ और उनके पूर्व संसदीय क्षेत्र श्री आनंदपुर साहिब से जुड़ी कई महत्वपूर्ण विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इन परियोजनाओं से सड़क, स्वास्थ्य, बुनियादी ढांचे और अन्य सार्वजनिक सुविधाओं में सुधार होगा, जिसका सीधा लाभ आम लोगों को मिलेगा। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों में शामिल होना जनता के प्रति उनकी जिम्मेदारी का हिस्सा है, न कि किसी राजनीतिक संदेश का प्रतीक।

तिवारी ने अपने 45 वर्षों के राजनीतिक जीवन का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने देश की राजनीति को कई चरणों में बदलते देखा है। उनके अनुसार, वर्तमान समय में राजनीतिक वातावरण पहले की तुलना में अधिक कटु और विषाक्त होता जा रहा है, जहां विरोधी दलों के नेताओं को प्रतिद्वंद्वी के बजाय दुश्मन की तरह देखा जाने लगा है। उन्होंने कहा कि दिल्ली की राजनीति इसका सबसे बड़ा उदाहरण बन चुकी है।

उन्होंने कहा कि वह आज भी उस राजनीतिक संस्कृति में विश्वास रखते हैं, जहां शिष्टाचार, लोकतांत्रिक मर्यादा, प्रोटोकॉल और विकास को राजनीतिक मतभेदों से ऊपर रखा जाता था। उनका मानना है कि जनता के हित से जुड़े मुद्दों पर सभी दलों के प्रतिनिधियों को मिलकर काम करना चाहिए। मनीष तिवारी ने स्पष्ट किया कि विकास के कार्यों का समर्थन करना उनकी राजनीतिक सोच का हिस्सा है और भविष्य में भी वह इसी सिद्धांत पर चलते रहेंगे, चाहे उनकी इस सोच को लेकर कोई भी राय क्यों न रखे।

जीरकपुर गोशालाओं में लावारिस पशुओं के लिए जगह की कमी

भारतेन्दु संवाददाता, जीरकपुर। नगर परिषद की ओर से शहर को लावारिस पशुओं से मुक्त करने और सड़क हादसों पर रोक लगाने के उद्देश्य से चलाया जा रहा विशेष अभियान लगातार जारी है। अभियान के तहत बड़ी संख्या में लावारिस पशुओं को पकड़कर गोशालाओं में भेजा जा रहा है, लेकिन अब नगर परिषद के सामने पशुओं को रखने की व्यवस्था की चुनौती खड़ी हो गई है।

◆ **गोशालाओं में 800 पशुओं से बढ़ी जगह की समस्या**

नगर परिषद कार्यालय के पास स्थित गोशाला और मगरा क्षेत्र की गोशाला में पहले से ही करीब 800 लावारिस पशु मौजूद हैं। यह संख्या दोनों गोशालाओं की निर्धारित क्षमता के लगभग बराबर पहुंच चुकी है। ऐसे में रोजाना पकड़े जा रहे नए पशुओं को सुरक्षित रखने के लिए अतिरिक्त स्थान की जरूरत महसूस की जा रही है।

मानसून के मौसम में यह समस्या और बढ़ गई है। लगातार बारिश के कारण पशुओं को सुरक्षित और सूखा आश्रय उपलब्ध कराना नगर परिषद के लिए बड़ी चुनौती बन सकता है। गोशालाओं में अतिरिक्त शेड की कमी के चलते पशुओं की देखभाल प्रभावित होने की आशंका भी बनी हुई है। नगर परिषद अब गोशालाओं के विस्तार और अतिरिक्त सुविधाएं विकसित करने की योजना बना रही है।

हथगोला मामले में नाबालिग को जमानत हाईकोर्ट ने सुधार और पुनर्वास पर दिया जोर

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने गुरदासपुर में एक घर के बाहर हथगोला फेंकने के मामले में गिरफ्तार नाबालिग को जमानत देते हुए महत्वपूर्ण टिप्पणी की है। अदालत ने कहा कि कम उम्र के बच्चों पर इंटरनेट मीडिया और इंटरनेट पर उपलब्ध हिंसक व आपराधिक सामग्री का गहरा प्रभाव पड़ सकता है। ऐसे मामलों में केवल दंडात्मक दृष्टिकोण अपनाने के बजाय किशोर के सुधार और पुनर्वास की संभावना को भी प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

मामले के अनुसार, आरोप है कि नाबालिग ने अपने एक साथी के साथ मिलकर गुरदासपुर में एक मकान के बाहर हथगोला फेंका था। इस घटना में किसी व्यक्ति की जान नहीं गई, लेकिन विस्फोट से संपत्ति को नुकसान पहुंचा। पुलिस जांच के दौरान किशोर को हिरासत में लेकर बाल सुधार गृह भेज दिया गया था, जहां वह पिछले करीब छह महीने से रह रहा था।

जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने कहा कि किशोर न्याय

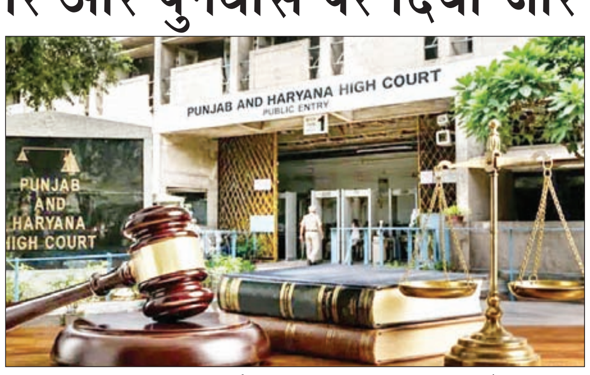

कानून का मूल उद्देश्य बच्चों को केवल दंडित करना नहीं, बल्कि उनका सुधार कर उन्हें समाज की मुख्यधारा में वापस लाना है। अदालत ने माना कि इंटरनेट मीडिया और डिजिटल मंचों पर उपलब्ध हिंसक तथा आपराधिक सामग्री कई बार कम उम्र के बच्चों को गलत दिशा में प्रभावित कर सकती है। ऐसे में प्रत्येक मामले का मूल्यांकन उसकी परिस्थितियों और तथ्यों के आधार पर किया जाना आवश्यक है।

अदालत ने अपने आदेश में कहा कि रिकॉर्ड पर ऐसा कोई ठोस साक्ष्य नहीं है जिससे यह प्रतीत हो कि जमानत मिलने के बाद किशोर न्याय प्रक्रिया से भाग सकता है, साक्ष्यों से छेड़छाड़ करेगा या दोबारा किसी आपराधिक गतिविधि में शामिल होगा। इसलिए उसे अनिश्चित अवधि तक बाल सुधार गृह में रखना न्यायसंगत नहीं माना जा सकता।

हाईकोर्ट ने नाबालिग को उसके अभिभावक की निगरानी में जमानत पर रिहा करने का निर्देश दिया। साथ ही अभिभावकों को यह सुनिश्चित करने के लिए कहा गया कि किशोर किसी भी आपराधिक गतिविधि में शामिल न हो तथा जांच और न्यायिक प्रक्रिया के दौरान अदालत के सभी निर्देशों का पालन करे।

न्यायिक व्यवस्था के लिए बेहतर बुनियादी सुविधाएं जरूरी

सेक्टर-43 मल्टी लेवल पार्किंग उद्‌घाटन में सीजेआई बोले, वकीलों और वादकारियों को बेहतर सुविधाएं मिलना अनिवार्य है

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

अदालतों में बेहतर बुनियादी सुविधाएं और पर्याप्त पार्किंग व्यवस्था न्यायिक प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बनाने के लिए आवश्यक हैं। देश के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि न्यायालय परिसर में आने वाले वकीलों, वादकारियों और आम नागरिकों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना किसी प्रकार की विलासिता नहीं, बल्कि न्याय व्यवस्था की अनिवार्य आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि यदि कोई अधिवक्ता अदालत पहुंचने से पहले ही पार्किंग की समस्या से जूझता रहे तो उसका ध्यान मुकदमे की तैयारी और प्रभावी पैरवी से भटक सकता है, जिसका असर न्यायिक प्रक्रिया पर भी पड़ता है।

शनिवार को सेक्टर-43 स्थित मल्टी लेवल पार्किंग के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे जस्टिस सूर्यकांत ने इस अवसर पर न्यायिक ढांचे को और

मजबूत बनाने की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम में चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाब चंद कटारिया सहित न्यायपालिका, प्रशासन और बार से जुड़े कई वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे।

सीजेआई ने कहा कि किसी महत्वपूर्ण मामले में बहस करने, गवाह से जिरह करने या कानूनी दलील तैयार करने वाले अधिवक्ता को मानसिक रूप से पूरी तरह एकाग्र होना चाहिए। यदि उसका समय और ऊर्जा वाहन खड़ा करने की चिंता में ही खर्च हो जाए तो वह अपने दायित्वों का सर्वोत्तम निर्वहन नहीं कर पाएगा। उन्होंने कहा कि न्यायालय में आने वाले वादकारी पहले से ही मानसिक तनाव और कानूनी चुनौतियों का सामना कर रहे होते हैं। ऐसे में यदि उन्हें पार्किंग, बैठने की पर्याप्त व्यवस्था, स्वच्छ पेयजल और अन्य बुनियादी सुविधाएं भी उपलब्ध न हों तो उनकी परेशानियां और बढ़ जाती हैं।

जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि चंडीगढ़ उनके जीवन की कर्मभूमि रहा है और उन्होंने अपने न्यायिक सफर की शुरुआत यहीं से की थी। उन्होंने प्रशासन द्वारा विकसित मल्टी लेवल पार्किंग की सराहना करते हुए इसे न्यायिक ढांचे को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। साथ ही उन्होंने सुझाव दिया कि पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट में भी पार्किंग क्षमता बढ़ाई जाए, अधिवक्ताओं के लिए नए चैंबर बनाए जाएं तथा आधुनिक सुविधाओं का विस्तार किया जाए।

न्यायिक ढांचे का विस्तार

जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि देशभर में बढ़ते मुकदमों की संख्या को देखते हुए न्यायिक आधारभूत ढांचे का लगातार विस्तार किया जाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि केवल नई अदालतों का निर्माण ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनके साथ आधुनिक सुविधाएं, डिजिटल संसाधन, पर्याप्त पार्किंग, प्रतीक्षालय, स्वच्छ शौचालय और दिव्यांगजनों के लिए सुगम पहुंच जैसी व्यवस्थाएं भी सुनिश्चित की जानी चाहिए। इससे न्यायालयों में आने वाले प्रत्येक व्यक्ति को सम्मानजनक और सुविधाजनक वातावरण मिल सकेगा। उन्होंने कहा कि तकनीक और आधुनिक सुविधाओं के बेहतर उपयोग से न्यायिक प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, तेज और प्रभावी बनाया जा सकता है। ई-कोर्ट, डिजिटल रिकॉर्ड और ऑनलाइन सेवाओं के विस्तार के साथ-साथ अदालत परिसरों में आवश्यक भौतिक सुविधाओं का विकास भी समान रूप से महत्वपूर्ण है। न्यायिक व्यवस्था का उद्देश्य केवल फैसले सुनाना नहीं, बल्कि लोगों को सहज, सुलभ और भरोसेमंद न्याय उपलब्ध कराना भी है।

पीएम मोदी ने जालंधर में विपक्षी दलों पर साधा निशाना

पीएम मोदी ने जालंधर जनसभा में कांग्रेस और अकाली दल पर निशाना साधकर भाजपा को मजबूत विकल्प बताया

भारतेंदु संवाददाता, जालंधर। जालंधर में आयोजित जनसभा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पंजाब की राजनीति को लेकर आम आदमी पार्टी, कांग्रेस और शिरोमणि अकाली दल पर निशाना साधा। प्रधानमंत्री के संबोधन के दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह देखने को मिला और उनके बयान के बाद सभा स्थल पर मौजूद लोगों ने जोरदार तरीके से 'मोदी-मोदी' के नारे लगाए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने भाषण में कहा कि पंजाब को मजबूत और स्थिर नेतृत्व की आवश्यकता है। उन्होंने आम आदमी पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि राज्य सरकार कर्ज और किए गए वादों के बोझ से दब गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि पंजाब में विकास के लिए जिस तरह की दूरदर्शी सोच और मजबूत निर्णय क्षमता की जरूरत है, वह वर्तमान सरकार में दिखाई नहीं दे रही है।

पीएम मोदी ने कांग्रेस पर भी हमला बोला। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी लंबे समय से अंदरूनी कलह से जूझ रही है और उसके पास राज्य के विकास के लिए स्पष्ट रणनीति नहीं है। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस की आपसी खींचतान का असर संगठन और जनता से जुड़े मुद्दों पर पड़ रहा है।

इसके अलावा प्रधानमंत्री ने शिरोमणि अकाली दल का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि अकाली दल भी अपनी राजनीतिक चुनौतियों और आंतरिक उलझनों से गुजर रहा है। पीएम मोदी के इस बयान को पंजाब की मौजूदा राजनीतिक परिस्थितियों पर भाजपा के नजरिये के तौर पर देखा जा रहा है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि पंजाब के लोगों ने हमेशा देश के विकास और सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि राज्य को ऐसा नेतृत्व चाहिए जो विकास, रोजगार, उद्योग और किसानों के हितों को प्राथमिकता दे सके। उन्होंने भाजपा को पंजाब के लिए एक मजबूत विकल्प के रूप में पेश किया।

प्रधानमंत्री के बयान के बाद सभा स्थल पर भाजपा कार्यकर्ताओं का जोश और बढ़ गया। कार्यकर्ताओं ने नारे लगाकर प्रधानमंत्री का समर्थन किया। भाजपा नेताओं और समर्थकों ने इसे पार्टी के लिए उत्साहजनक माहौल बताया। सभा में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और आम लोग मौजूद रहे।

राजनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि प्रधानमंत्री का यह संबोधन पंजाब की आगामी राजनीतिक रणनीति के संकेत के रूप में देखा जा सकता है। भाजपा लगातार राज्य में अपना संगठन मजबूत करने की कोशिश कर रही है और ऐसे में विपक्षी दलों पर हमला पार्टी की चुनावी रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है।

हालांकि, शिरोमणि अकाली दल के साथ भविष्य में किसी संभावित गठबंधन को लेकर भाजपा की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। पंजाब की राजनीति में भाजपा और अकाली दल का गठबंधन पहले भी रह चुका है, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में दोनों दल अलग-अलग राजनीतिक रास्तों पर आगे बढ़ रहे हैं।

राजनीतिक जानकारों का कहना है कि पंजाब में आने वाले समय में गठबंधन और चुनावी समीकरणों को लेकर कई बदलाव देखने को मिल सकते हैं। प्रधानमंत्री के बयान के बाद राज्य की सियासत में नई चर्चाएं शुरू हो गई हैं। अब सभी राजनीतिक दल अपनी-अपनी रणनीति के साथ जनता के बीच पहुंचने की तैयारी में जुटे हैं। आगामी दिनों में पंजाब की राजनीति में नए समीकरण बनने की संभावना है। सभी दल जनता के समर्थन के लिए अपनी नीतियों और विकास योजनाओं को प्रमुखता से सामने रखेंगे।

लुधियाना में धूमधाम से निकली जगन्नाथ रथयात्रा

हजारों श्रद्धालुओं ने लिया हिस्सा, भक्ति और आस्था का दिखा अद्भुत संगम

भगवान जगन्नाथ रथयात्रा ने लुधियाना में भक्ति और आस्था का संदेश दिया।

भारतेंदु संवाददाता, लुधियाना। इस्कॉन लुधियाना एवं कुरुक्षेत्र के संयोजन में भगवान जगन्नाथ रथयात्रा महोत्सव कमेटी की ओर से 30वीं विशाल भगवान जगन्नाथ रथयात्रा का आयोजन श्री दुर्गा माता मंदिर से किया गया। अंतरराष्ट्रीय स्तर की इस भव्य रथयात्रा में हजारों श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया। रथयात्रा मार्ग पर भगवान जगन्नाथ, भाई बलदेव और बहन सुभद्रा जी के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं में भारी उत्साह देखने को मिला।

रथ में विराजमान भगवान जगन्नाथ जी के दर्शन कर श्रद्धालुओं ने जयघोष किए। कार्यक्रम के दौरान श्रद्धेय साक्षी गोपाल दास और नरोत्तम नंद दास ने कहा कि लुधियानावासियों के लिए यह गर्व और सौभाग्य की बात है कि पिछले 29 वर्षों से यह भव्य आयोजन लगातार हो रहा है। देशभर से इस्कॉन के संत, संन्यासी और श्रद्धालु इस आयोजन में शामिल होते हैं।

रथयात्रा का शुभारंभ पंजाब केसरी समूह के निदेशक अभिजय चोपड़ा और पंजाब भाजपा प्रधान केवल सिंह ढिल्लों ने किया। इस अवसर पर कमेटी की ओर से दोनों अतिथियों को सम्मानित किया गया। अभिजय चोपड़ा ने कहा कि भगवान जगन्नाथ रथयात्रा लोगों को धर्म, सेवा और एकता के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है। वहीं केवल सिंह ढिल्लों ने कहा कि यह धार्मिक उत्सव समाज के हर वर्ग को जोड़ने का कार्य करता है।

रथयात्रा में विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने भगवान की आरती की। कमेटी चेयरमैन राजेश ढांडा ने कहा कि पंजाब केसरी समूह ने अपने प्रचार-प्रसार के माध्यम से रथयात्रा को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। उन्होंने बताया कि वर्ष 1996 में शुरू हुई यह यात्रा अब विशाल स्वरूप ले चुकी है।

प्रधान सतीश गुप्ता ने इसे सनातन संस्कृति, श्रद्धा, सेवा और सामाजिक समरसता का प्रतीक बताया। महासचिव एडवोकेट संजीव सूद बांका ने कहा कि यह आयोजन भगवान जगन्नाथ की कृपा और श्रद्धालुओं के सहयोग से सफल हुआ। समापन अवसर पर 1100 दीपों से भगवान जगन्नाथ जी की महाआरती की गई।

भाजपा पंजाब में संगठन विस्तार 16 जिलों को मिले नए जिला अध्यक्ष

भाजपा ने संगठन मजबूत करने के लिए जिलों में सौंपी जिम्मेदारियां

भारतेंदु संवाददाता, पंजाब। भारतीय जनता पार्टी पंजाब ने अपने संगठनात्मक ढांचे को और मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए प्रदेश के विभिन्न संगठनात्मक जिलों के लिए नए जिला अध्यक्षों की नियुक्ति की घोषणा की है। भाजपा पंजाब के प्रदेश अध्यक्ष सरदार केवल सिंह ढिल्लों ने इन नियुक्तियों का ऐलान किया। ये नियुक्तियां भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन की सहमति के बाद की गई हैं।

नियुक्तियों की घोषणा करते हुए केवल सिंह ढिल्लों ने कहा कि भाजपा पंजाब में अपने संगठन को बूथ स्तर से लेकर प्रत्येक क्षेत्र तक मजबूत बनाने के लिए लगातार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि नए जिला अध्यक्षों की जिम्मेदारी संगठन को सक्रिय करना, कार्यकर्ताओं को जोड़ना और जनता तक केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी पहुंचाना होगी।

उन्होंने विश्वास जताया कि सभी नवनियुक्त जिला अध्यक्ष अपने अनुभव, मेहनत और समर्पण के साथ पार्टी संगठन को नई मजबूती प्रदान करेंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा का उद्देश्य समाज के हर वर्ग तक पहुंच बनाना और जनता से सीधा संवाद स्थापित करना है।

भाजपा की ओर से जारी सूची के अनुसार अमृतसर ग्रामीण-2 (मजीठा) से कंवर बीर सिंह मंजिल, अमृतसर शहरी से सलील कपूर, बरनाला से नरेंद्र गर्ग नीटा, फरीदकोट से गौरव कक्कड़, फाजिल्का से सुखविंदर सिंह काका कंबोज, होशियारपुर ग्रामीण से योगेश सप्रा और होशियारपुर शहरी से सतीश ठाकुर बावा को जिला अध्यक्ष बनाया गया है।

इसके अलावा जालंधर शहरी से अशोक सरीन हिक्की, जालंधर ग्रामीण नॉर्थ से मनमीत सिंह विक्की, जालंधर ग्रामीण साउथ से जगबीर सिंह बराड़, कपूरथला से चेतन सूरी, लुधियाना शहरी से सुनील मौदगिल, श्री मुक्तसर साहिब से सतीश असीजा, रूपनगर से अजय वीर सिंह लालपुरा, संगरूर-1 से मतिंदर सिंह और तरनतारन से सतनाम सिंह भुल्लर को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

पंजाब पुलिस के 15 डीएसपी बने एसपी

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। पंजाब पुलिस में 15 डीएसपी अधिकारियों को सुपरिटेंडेंट ऑफ पुलिस (एसपी) के पद पर पदोन्नत किया गया है। पंजाब सरकार के गृह मामले और न्याय विभाग ने पंजाब पुलिस सेवा (पीपीएस) के इन अधिकारियों को ऑफिसिएटिंग आधार पर एसपी पद पर प्रमोट करने के आदेश जारी किए हैं।

प्रमोट किए गए अधिकारियों में सुखमृत सिंह रंधावा, हरसिमरत सिंह, दलजीत सिंह, सतिंदर कुमार, तेजिंदरपाल सिंह, संजीव गोयल, कुलदीप सिंह, राकेश कुमार, क्रमवीर सिंह, दलबीर सिंह, निरवैर सिंह, गगनदीप सिंह, संजीव कुमार, मुनीश कुमार और महेश कुमार शामिल हैं।

सरकार की ओर से जारी आदेशों में स्पष्ट किया गया है कि इन अधिकारियों की तैनाती खाली पदों की उपलब्धता के अनुसार की जाएगी। यदि किसी वरिष्ठ अधिकारी का प्रमोशन बाद में मंजूर होता है, तो उसे वरिष्ठता के आधार पर समायोजित किया जाएगा।

आदेश में यह भी कहा गया है कि आवश्यकता पड़ने पर वॉटरफॉल मैकेनिज्म के तहत जूनियर अधिकारियों की तैनाती में बदलाव किया जा सकता है। पंजाब पुलिस में इस प्रमोशन को अधिकारियों की जिम्मेदारियों और विभागीय व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

रंधावा ने पंजाब कांग्रेस नेतृत्व पर उठाए सवाल

बोले: कांग्रेस को मजबूत करने के लिए नेताओं को छोड़नी होगी ईगो

रंधावा ने कांग्रेस नेतृत्व से मतभेद छोड़ संगठन मजबूत करने की अपील की।

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। पंजाब कांग्रेस में चल रही अंदरूनी खींचतान एक बार फिर खुलकर सामने आ गई है। गुरदासपुर से कांग्रेस सांसद और वरिष्ठ नेता सुखजिंदर सिंह रंधावा ने एक इंटरव्यू के दौरान पार्टी की मौजूदा स्थिति, संगठन की कार्यशैली और पंजाब के राजनीतिक हालात को लेकर अपनी बेबाक राय रखी। उन्होंने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग और नेता प्रतिपक्ष प्रताप सिंह बाजवा के साथ अपने मतभेदों का भी खुलासा किया।

रंधावा ने कहा कि कांग्रेस को मजबूत बनाने के लिए नेताओं को अपनी व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाओं और ईगो से ऊपर उठकर काम करना होगा। उन्होंने आरोप लगाया कि पार्टी में वरिष्ठ नेताओं के अनुभव का सही इस्तेमाल नहीं हो रहा है और नेताओं के बीच संवाद की कमी बनी हुई है। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक मंचों पर दिए जाने वाले कुछ बयानों से संगठन के भीतर असहज स्थिति पैदा होती है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस को दोबारा मजबूत स्थिति में लाने के लिए सामूहिक नेतृत्व की भावना जरूरी है। सभी नेताओं को एक-दूसरे का सम्मान करते हुए संगठन के हित में काम करना होगा। राजा वड़िंग को लेकर रंधावा ने कहा कि वह उन्हें अपना छोटा भाई और नेता मानते हैं, लेकिन कई बार सार्वजनिक टिप्पणियों से उन्हें ठेस पहुंची और उन्होंने खुद को अपमानित महसूस किया।

कादियां में प्रताप सिंह बाजवा के साथ हुए विवाद का जिक्र करते हुए रंधावा ने कहा कि ऐसे मामलों में पार्टी नेताओं को एकजुट होकर खड़ा होना चाहिए था। उन्होंने इसे संगठन में तालमेल की कमी बताया।

राज्य की कानून-व्यवस्था पर चिंता जताते हुए रंधावा ने कहा कि सीमावर्ती जिलों में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि व्यापारियों और आम लोगों में डर का माहौल है तथा रंगदारी और गैंगस्टर गतिविधियां बड़ी चुनौती बन चुकी हैं। उन्होंने ड्रोन के माध्यम से हथियार और नशीले पदार्थ पहुंचने की घटनाओं पर भी चिंता जताई। रंधावा ने बताया कि सीमावर्ती सुरक्षा को लेकर उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री से मुलाकात भी की थी।

रंगदारी मामले में पंजाब पुलिस इंस्पेक्टर गिरफ्तार

भारतेंदु संवाददाता होशियारपुर। पंजाब पुलिस ने अंतरराष्ट्रीय रंगदारी मामले में होशियारपुर के टांडा थाने के पूर्व प्रभारी इंस्पेक्टर गुरिंदरजीत सिंह नागरा को गिरफ्तार किया है। नागरा का नाम अमेरिका की जांच एजेंसी फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (एफबीआई) की एक अंतरराष्ट्रीय आपराधिक नेटवर्क से जुड़ी जांच में सामने आया था।

एफबीआई की जांच के अनुसार, नागरा पर अमेरिका में रहने वाले भारतीय मूल के एक परिवार से 4 लाख डॉलर की रंगदारी वसूलने की साजिश में शामिल होने का आरोप है। आरोप है कि उन्होंने लॉरेंस बिश्नोई और जग्गू भगवानपुरिया गिरोह के सदस्यों के साथ मिलकर इस योजना में भूमिका निभाई।

मामले में नाम आने के बाद होशियारपुर के तत्कालीन वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने नागरा का तबादला कर उन्हें पुलिस लाइंस भेज दिया था। जांच में सामने आए तथ्यों के आधार पर अब उन्हें थाना टांडा में दर्ज एफआईआर में आरोपी बनाया गया है।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, नागरा पर अमेरिका में रह रहे परिवार से करीब 16 लाख रुपये की अवैध रकम मांगने और स्वीकार करने में संलिप्तता का आरोप है।

दोआबा में भाजपा ने दलितों पर बढ़ाया फोकस

भाजपा की दोआबा रणनीति, दलित वोट बैंक साधने के लिए चुनावी अभियान तेज

भारतेंदु संवाददाता, जालंधर। पंजाब में दलित वोट बैंक को लेकर राजनीतिक दलों की सक्रियता लगातार बढ़ रही है। प्रदेश में करीब 32 प्रतिशत दलित आबादी है, जिसे देखते हुए भाजपा ने भी इस वर्ग तक अपनी पहुंच मजबूत करने की रणनीति तैयार की है। डेरा बल्लां में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी, आदमपुर एयरपोर्ट का नाम गुरु रविदास महाराज के नाम पर रखना और पंजाब से बनारस के लिए संत रविदास एक्सप्रेस ट्रेन शुरू करना भाजपा की इसी रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है।

फरवरी महीने में श्री गुरु रविदास महाराज का 650वां प्रकाश पर्व मनाया जाएगा और इसी समय पंजाब में विधानसभा चुनाव होने प्रस्तावित हैं। ऐसे में भाजपा ने दलित बहुल दोआबा क्षेत्र को अपने राजनीतिक अभियान का केंद्र बनाया है। पार्टी की कोशिश है कि इस क्षेत्र में अपनी पकड़ मजबूत कर आगामी चुनाव में बेहतर प्रदर्शन किया जाए।

दोआबा क्षेत्र को पंजाब में दलित वोट बैंक का सबसे मजबूत गढ़ माना जाता है। यही कारण है कि भाजपा इसे वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव के लिए एक महत्वपूर्ण आधार क्षेत्र के रूप में देख रही है। राजनीतिक जानकारों के अनुसार, दोआबा भाजपा के लिए चुनावी तैयारियों का 'लांचिंग पैड' साबित हो सकता है।

राजस्थान जा रहे पांच बदमाश पुलिस मुठभेड़ में घायल

भारतेंदु संवाददाता, फाजिल्का। बल्लुआना हलके से राजस्थान में किसी बड़ी आपराधिक वारदात को अंजाम देने जा रहे पांच बदमाशों का पंजाब-राजस्थान बॉर्डर पर पुलिस से सामना हो गया। पुलिस की नाकाबंदी के दौरान हुई मुठभेड़ में सभी बदमाश घायल हो गए। जानकारी के अनुसार, बल्लुआना हलके के गांव कुलार से होकर धिंगतानिया पुल के रास्ते कुछ बदमाश राजस्थान की ओर जा रहे थे। राजस्थान पुलिस ने अपराधियों को पकड़ने के लिए बॉर्डर क्षेत्र में विशेष नाकाबंदी कर रखी थी।

जैसे ही बदमाश नाकाबंदी स्थल पर पहुंचे, पुलिस ने उन्हें रोकने का प्रयास किया। इस दौरान दोनों तरफ से फायरिंग शुरू हो गई। पुलिस से बचने की कोशिश में पांचों बदमाश धिंगतानिया पुल से नीचे गिर गए, जिससे वे घायल हो गए।

किसानों का ऐलान, 22 जुलाई को पंजाब-हरियाणा टोल प्लाजा रहेंगे फ्री

भारतेंदु संवाददाता, पंजाब। पंजाब में किसानों ने केंद्र सरकार की नीतियों और अपनी मांगों को लेकर आंदोलन को और तेज करने का फैसला किया है। संयुक्त किसान मोर्चा ने 22 जुलाई को पंजाब और हरियाणा के टोल प्लाजा फ्री करने का ऐलान किया है। यह फैसला लुधियाना स्थित शहीद करनैल सिंह इसड़ू भवन में हुई किसान संगठनों की अहम बैठक में लिया गया।

किसान नेताओं ने बताया कि 22 जुलाई को दोपहर 12 बजे से लेकर 3 बजे तक प्रदेश के टोल प्लाजा वाहन चालकों के लिए निशुल्क रहेंगे। इस दौरान किसी भी वाहन से टोल शुल्क नहीं लिया जाएगा। लुधियाना जिले के तीन प्रमुख टोल प्लाजा लाडोवाल, घुलाल और चौकीमान को इस प्रदर्शन का मुख्य केंद्र बनाया गया है। यहां बड़ी संख्या में किसान पहुंचकर सरकार के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद करेंगे।

बैठक में किसान नेताओं ने कहा कि उनका संघर्ष भारत-अमेरिका फ्री ट्रेड एग्रीमेंट और केंद्र सरकार की कथित कॉर्पोरेट समर्थक नीतियों के विरोध में है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार की नीतियां किसानों, मजदूरों और कर्मचारियों के हितों के खिलाफ हैं। किसान नेताओं का कहना है कि बड़े कॉर्पोरेट घरानों को फायदा पहुंचाने के लिए फैसले लिए जा रहे हैं, जिससे आम लोगों पर असर पड़ रहा है।

किसान संगठनों ने केंद्र सरकार से अपनी नीतियों में बदलाव करने और किसानों से जुड़े मुद्दों का समाधान करने की मांग की है। नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने उनकी मांगों पर गंभीरता नहीं दिखाई तो आने वाले दिनों में आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा।

मार्शल आर्ट क्लास में घुसकर चार वर्षीय बच्चे को ले गए, सीसीटीवी से खुलासा

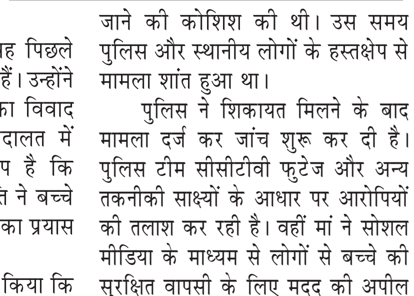

भारतेंदु संवाददाता, लुधियाना। शहर के सुंदर नगर इलाके में चार वर्षीय बच्चे को मार्शल आर्ट क्लास से जबरन ले जाने का मामला सामने आया है। बच्चे की मां मोनालिका ने अपने पति और उसके साथ आए कुछ लोगों पर बच्चे को किडनैप करने का आरोप लगाया है। घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसके आधार पर थाना दरेसी पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

मोनालिका, निवासी महावीर जैन कॉलोनी, सुंदर नगर ने बताया कि 16 जुलाई की शाम वह अपने बेटे सुवास को रोज की तरह मार्शल आर्ट प्रशिक्षण के लिए छोड़कर गई थी। कुछ देर बाद उन्हें सूचना मिली कि कुछ लोग क्लास में पहुंचे और बच्चे को अपने साथ लेकर चले गए।

सीसीटीवी फुटेज में एक सिल्वर रंग की कार क्लास के बाहर रुकती दिखाई दे रही है। इसके बाद दो व्यक्ति कार से उतरकर अंदर जाते हैं और कुछ ही समय बाद बच्चे को गोद में उठाकर बाहर आते हैं। फुटेज में बच्चा विरोध करता हुआ भी नजर आ रहा है। इसके बाद सभी लोग कार में बैठकर वहां से चले जाते हैं।

मोनालिका ने आरोप लगाया कि उनकी शादी वर्ष 2020 में हुई थी, लेकिन वैवाहिक विवाद के कारण वह पिछले कुछ समय से मायके में रह रही हैं। उन्होंने बताया कि पति के साथ उनका विवाद चल रहा है और मामला अदालत में विचाराधीन है। उनका आरोप है कि कानूनी प्रक्रिया के बावजूद पति ने बच्चे को जबरन अपने साथ ले जाने का प्रयास किया।

मोनालिका ने यह भी दावा किया कि जून महीने में भी उनके पति और कुछ अन्य लोग घर पहुंचे थे और बच्चे को ले जाने की कोशिश की थी। उस समय पुलिस और स्थानीय लोगों के हस्तक्षेप से मामला शांत हुआ था।

पुलिस ने शिकायत मिलने के बाद मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस टीम सीसीटीवी फुटेज और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की तलाश कर रही है। वहीं मां ने सोशल मीडिया के माध्यम से लोगों से बच्चे की सुरक्षित वापसी के लिए मदद की अपील की है। उन्होंने प्रशासन से जल्द कार्रवाई कर बच्चे को बरामद करने की मांग की है।

गौरव | पीएम मोदी ने सिख इतिहास, पंजाब की संस्कृति और महान शख्सियतों को दिया सम्मान

जालंधर रैली में पीएम मोदी ने सिख विरासत को किया याद

पीएम ने सिख विरासत और महान शख्सियतों को सम्मान देकर दिया संदेश

भारतेंदु संवाददाता, जालंधर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जालंधर आगमन के दौरान पंजाब की संस्कृति और सिख विरासत की झलक देखने को मिली। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन की शुरुआत पंजाबी अंदाज में करते हुए लोगों से पूछा, 'किवें ओ पंजाबियो'। उन्होंने कहा कि गुरुओं और पीरों की पवित्र धरती पंजाब में आकर उन्हें गर्व और सम्मान महसूस होता है।

इससे पहले मार्च महीने में पंजाब आए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने महाराणा रणजीत सिंह को नमन करते हुए अपनी रैली की शुरुआत की थी। उस दौरान उन्होंने पंजाब को महाराणा रणजीत सिंह के समय की तरह मजबूत और विकसित बनाने का संदेश दिया था। अब प्रधानमंत्री मोदी के कार्यक्रम में भी इसी तरह पंजाब के गौरवशाली इतिहास और महान शख्सियतों को याद किया गया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन में सिख समुदाय के सम्मानित व्यक्तित्व सरदार तेजा सिंह समुद्री का भी उल्लेख किया। उन्होंने उनके योगदान को याद करते हुए कहा कि देश की आजादी और समाज सेवा के लिए उन्होंने अपना जीवन समर्पित कर दिया। प्रधानमंत्री ने उनके 100वें शहादत दिवस का जिक्र करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी।

सरदार तेजा सिंह समुद्री सिख समुदाय में विशेष सम्मान रखते हैं। उन्होंने सिख समाज के हितों के लिए कई महत्वपूर्ण कार्य किए। सेना से सेवानिवृत्ति के बाद उन्होंने चीफ खालसा दीवान से जुड़कर सामाजिक और धार्मिक क्षेत्र में योगदान दिया। उनके कार्यों को आज भी सिख समुदाय में याद किया जाता है।

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि भाजपा पंजाब में अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए राज्य की धार्मिक और ऐतिहासिक विरासत को प्रमुखता से सामने रख रही है। महाराणा रणजीत सिंह और तेजा सिंह समुद्री जैसी शख्सियतों का जिक्र कर पार्टी सिख समुदाय तक अपनी पहुंच बढ़ाने का प्रयास कर रही है। प्रधानमंत्री के पंजाबी अंदाज और सिख इतिहास से जुड़े संदर्भों ने रैली में मौजूद लोगों का ध्यान आकर्षित किया। भाजपा नेताओं का कहना है कि पंजाब की संस्कृति, वीरता और देश सेवा की परंपरा को सम्मान देना पार्टी की प्राथमिकता है। वहीं राजनीतिक विशेषज्ञ इसे पंजाब की आगामी राजनीति और चुनावी रणनीति से जोड़कर देख रहे हैं।

प्रधानमंत्री के संबोधन के दौरान पंजाब के विकास, किसानों, युवाओं और राज्य की समृद्ध परंपराओं का भी जिक्र किया गया। उन्होंने कहा कि पंजाब ने हमेशा देश को नई दिशा देने में अहम भूमिका निभाई है। रैली के बाद भाजपा कार्यकर्ताओं में उत्साह बढ़ा और राजनीतिक गतिविधियां तेज होने की संभावना जताई जा रही है।

धार्मिक स्थलों की सुरक्षा केवल प्रशासन नहीं पूरे समाज की साझा जिम्मेदारी

भारत की सांस्कृतिक पहचान केवल उसके इतिहास, भाषाओं और परंपराओं से नहीं, बल्कि उन मंदिरों से भी निर्मित होती है जो सदियों से समाज को नैतिकता, सहअस्तित्व और सामुदायिक एकता का संदेश देते आए हैं। मंदिर केवल पूजा-अर्चना के स्थान नहीं, बल्कि विश्वास, संस्कृति और सामाजिक जीवन के केंद्र हैं। इसलिए जब किसी मंदिर में चोरी होती है, तो उसका प्रभाव केवल आर्थिक नुकसान तक सीमित नहीं रहता, बल्कि करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था और सामाजिक विश्वास पर भी गहरा आघात पहुंचता है।

हाल के वर्षों में देश के विभिन्न हिस्सों से मंदिरों में दानपेटियां तोड़ने, नकदी और आभूषण चोरी करने तथा प्राचीन मूर्तियों की तस्करी जैसी घटनाएं लगातार सामने आई हैं। कई मामलों में आधुनिक तकनीक और अंदरूनी मिलीभगत की आशंका भी सामने आई। यह केवल कानून-व्यवस्था का विषय नहीं, बल्कि धार्मिक संस्थाओं की सुरक्षा और समाज के नैतिक मूल्यों पर गंभीर प्रश्नचिन्ह है। जिस स्थान को सबसे सुरक्षित माना जाता है, यदि वही अपराधियों का आसान लक्ष्य बन जाए, तो यह पूरे समाज के लिए चिंता का विषय है।

सुखदेव सिंह
स्वतंत्र लेखक, नूरपुर (कांगड़ा)

मंदिरों में चोरी सामान्य संपत्ति अपराध नहीं है। श्रद्धालु अपनी श्रद्धा और सेवा-भाव से दान करते हैं। उनका विश्वास होता है कि यह धन धर्मार्थ कार्यों और मंदिर व्यवस्था में उपयोग होगा। जब वही धन चोरी हो जाता है, तो दानपेटी ही नहीं, श्रद्धालुओं का विश्वास भी टूटता है। यही कारण है कि ऐसी घटनाएं सामान्य चोरी की तुलना में कहीं अधिक भावनात्मक प्रतिक्रिया उत्पन्न करती हैं। इन घटनाओं के पीछे कई कारण हैं। अधिकांश मंदिरों में आज भी बड़ी मात्रा में नकद दान आता है, लेकिन उसकी सुरक्षित गणना, भंडारण और बैंक में जमा करने की वैज्ञानिक व्यवस्था नहीं होती। कई स्थानों पर दानपेटियां लंबे समय तक नहीं खोली जातीं, जिससे अपराधियों के लिए अवसर बढ़ जाता है। इसके साथ ही अधिकांश छोटे और मध्यम मंदिरों में सीसीटीवी कैमरे, अलार्म सिस्टम, प्रशिक्षित सुरक्षा कर्मी और नियमित निगरानी जैसी व्यवस्थाएं भी पर्याप्त नहीं हैं। कई जगह प्रबंधन में पारदर्शिता और जवाबदेही की कमी के कारण अंदरूनी गड़बड़ियों की संभावना भी बनी रहती है। बेरोजगारी, नशे की लत, त्वरित धन कमाने की मानसिकता और नैतिक मूल्यों का ह्रास भी अपराध को बढ़ावा देते हैं। वहीं प्राचीन मूर्तियों और धार्मिक कलाकृतियों की अंतरराष्ट्रीय तस्करी ने संगठित गिरोहों को सक्रिय बनाया है। मंदिर में चोरी का सबसे बड़ा प्रभाव श्रद्धालुओं की भावनाओं पर पड़ता है। इससे दान देने में हिचक, मंदिर प्रबंधन पर अविश्वास और सामाजिक तनाव की स्थिति उत्पन्न हो सकती है।

समाधान केवल पुलिस कार्रवाई तक सीमित नहीं होना चाहिए। मंदिरों के लिए न्यूनतम सुरक्षा मानक निर्धारित किए जाएं। बड़े मंदिरों में आधुनिक निगरानी प्रणाली, नियंत्रित प्रवेश, प्रशिक्षित सुरक्षा कर्मी और डिजिटल प्रबंधन अनिवार्य हों, जबकि छोटे मंदिरों में स्थानीय पुलिस, ग्राम समितियों और नागरिकों के सहयोग से प्रभावी सुरक्षा तंत्र विकसित किया जाए। सीसीटीवी, क्लाउड रिकॉर्डिंग, स्मार्ट लॉक, अलार्म सिस्टम और बायोमेट्रिक व्यवस्था जैसी तकनीक सुरक्षा को मजबूत बना सकती है। दानपेटियों की पारदर्शी गणना, वीडियो रिकॉर्डिंग और बैंक में तत्काल जमा की व्यवस्था भी आवश्यक है। डिजिटल दान प्रणाली, जैसे यूपीआई, क्यूआर कोड और ऑनलाइन भुगतान, नकदी पर निर्भरता कम कर सकती है। साथ ही मंदिर समितियों को नियमित ऑडिट, संपत्तियों का डिजिटलीकरण और आय-व्यय का सार्वजनिक विवरण जारी करना चाहिए।

पारदर्शिता से श्रद्धालुओं का विश्वास भी मजबूत होगा। मंदिरों की सुरक्षा केवल सरकार या पुलिस की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि पूरे समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। मंदिरों में चोरी केवल ताले टूटने की घटना नहीं, बल्कि समाज के विश्वास में दरार का संकेत है। इस दरार को भरने के लिए आधुनिक सुरक्षा, पारदर्शी प्रबंधन, प्रभावी कानून, नैतिक शिक्षा और सामाजिक सहभागिता-सभी का संयुक्त प्रयास आवश्यक है।

मंदिर केवल धार्मिक आस्था के केंद्र नहीं बल्कि हमारी सांस्कृतिक धरोहर के जीवंत प्रतीक भी हैं। इनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना केवल चोरी रोकने का उपाय नहीं बल्कि हमारी परंपराओं और सामाजिक विश्वास की रक्षा करना भी है। समय की मांग है कि मंदिर प्रबंधन आधुनिक तकनीक और पारदर्शी व्यवस्था को अपनाए तथा स्थानीय समाज भी सतर्क प्रहरी की भूमिका निभाए। यदि प्रशासन, मंदिर समितियां और नागरिक मिलकर सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करें तो ऐसी घटनाओं पर प्रभावी रोक लगाई जा सकती है। आस्था के इन पवित्र स्थलों की गरिमा और सुरक्षा बनाए रखना हम सभी का साझा दायित्व है ताकि आने वाली पीढ़ियां भी अपनी सांस्कृतिक विरासत पर गर्व कर सकें और श्रद्धा का यह अटूट विश्वास सदैव बना रहे।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

शिक्षा का बढ़ता निजीकरण और बेरोजगारी युवाओं के भविष्य पर सबसे बड़ा संकट

बेरोजगारों की लंबी कतार खड़ी करने वाली शिक्षा सार्थक नहीं कहलाती है। शिक्षित बनकर चंद सिक्कों में परिवार का जीवन-यापन करना आज बहुत बड़ी चुनौती बन चुका है। कहने को हिमाचल प्रदेश को शिक्षा क्षेत्र में अग्रणी राज्यों में गिना जाता है, लेकिन इसकी वास्तविकता प्रदेश की जनता भली-भांति जानती है।

राज्य सरकार ने सैकड़ों शिक्षा मंदिरों पर ताला जड़ दिया है। वर्तमान शिक्षा अपने उद्देश्यों पर खरी उतरकर समाज और राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाए, इसलिए शिक्षा क्षेत्र में सुधार की आवश्यकता लगातार महसूस की जा रही है। छात्रों को नैतिक शिक्षा, योग शिक्षा तथा जीवन मूल्यों से जोड़ने पर विशेष जोर दिया जाना चाहिए। केवल किताबी ज्ञान ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों के व्यक्तित्व के समग्र विकास के लिए सांस्कृतिक गतिविधियों, खेलकूद और अन्य रचनात्मक प्रतियोगिताओं में उनकी भागीदारी भी आवश्यक है। साथ ही, छात्रों को स्मार्टफोन से दूरी बनाकर अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

ठाकुर हेमराज राणा
स्वतंत्र लेखक, सिरमौर

आज एक दंपति को अपने घरेलू बजट से कहीं अधिक खर्च बच्चों की शिक्षा पर करना पड़ रहा है। शिक्षा के बढ़ते निजीकरण और महंगी होती पढ़ाई ने अभिभावकों की आर्थिक स्थिति पर भारी बोझ डाल दिया है।

शिक्षा क्षेत्र में हिमाचल प्रदेश को कभी केरल के बाद दूसरा स्थान प्राप्त था, लेकिन प्रदेश में बढ़ती बेरोजगारी यह संकेत देती है कि शिक्षित युवा रोजगार के क्षेत्र में अपेक्षित सफलता हासिल नहीं कर पा रहे हैं।

मंदिर के पास शराब का ठेका खोलने पर रोक है, लेकिन सरकारी स्कूलों के आसपास निजी स्कूलों को अनुमति देना क्या उचित है? सरकारों ने निजी स्कूलों को रेवड़ियों की तरह मान्यताएं देकर शिक्षा का व्यापारीकरण बढ़ावा दिया है। निजी स्कूलों के लिए बनाए गए नियम केवल कागजों तक सीमित दिखाई देते हैं। अधिकांश स्कूल अपनी मनमर्जी से फीस और अन्य शुल्क वसूल रहे हैं, जबकि सरकारें मूकदर्शक बनी हुई हैं। परिणामस्वरूप शिक्षा अपने मूल उद्देश्यों-रोजगार उपलब्ध कराना तथा समाज और राष्ट्र का निर्माण करना-में पूरी तरह सफल नहीं हो पा रही है। शिक्षित युवा समय पर रोजगार नहीं पा रहे हैं और सामाजिक बुराइयों के विरुद्ध आवाज उठाने के बजाय निराशा और हताशा का शिकार हो रहे हैं।

रोजगार के अभाव में अनेक शिक्षित युवा न तो परिवार के कार्यों में सहयोग करना चाहते हैं और न ही अपनी योग्यता के अनुरूप अवसर प्राप्त कर पा रहे हैं। ऐसे हालात में कुछ युवा नशे और अन्य गलत आदतों की ओर बढ़ रहे हैं, जबकि कई बेरोजगारी से तंग आकर आत्महत्या जैसे कदम उठाने तक को मजबूर हो जाते हैं। बेरोजगारी किसी घातक बीमारी से कम नहीं है, जो युवा पीढ़ी के भविष्य को प्रभावित कर रही है। अभिभावक अपनी जिम्मेदारियां निभाकर बच्चों को उच्च शिक्षा दिला रहे हैं, लेकिन रोजगार के बिना वही बच्चे भविष्य में उनका सहारा कैसे बनेंगे, यह एक गंभीर प्रश्न है। शिक्षा का राजनीतिकरण और व्यापारीकरण युवाओं के भविष्य के लिए गंभीर चुनौती बन चुका है। सरकारी स्कूलों में घटती विद्यार्थियों की संख्या, निजी स्कूलों की मनमानी फीस, री-एडमिशन शुल्क और परिवहन व्यवस्था की खामियां अभिभावकों पर अतिरिक्त बोझ डाल रही हैं। सरकारी नौकरियों में उच्च मेरिट के बावजूद रोजगार मिलना कठिन होता जा रहा है। सरकार को सरकारी स्कूलों में कंप्यूटर शिक्षा, आधुनिक सुविधाएं और गुणवत्तापूर्ण शिक्षण सुनिश्चित करना चाहिए, साथ ही निजी स्कूलों पर प्रभावी निगरानी और नियमों का सख्ती से पालन कराना चाहिए, ताकि शिक्षा वास्तव में समाज, राष्ट्र और युवाओं के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत आधारशिला बन सके।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

> अच्छी योजना बनाना बुद्धिमानी का काम है पर उसको ठीक से पूरा करना धैर्य और परिश्रम का।
> -डॉ. तपेश चतुर्वेदी

संपादकीय

शिक्षा में गुणवत्ता हो प्राथमिकता

शिक्षा किसी भी राष्ट्र की प्रगति का सबसे मजबूत आधार होती है। इसका उद्देश्य केवल विद्यार्थियों को परीक्षा में अच्छे अंक दिलाना या उन्हें रोजगार के योग्य बनाना नहीं है, बल्कि उनके व्यक्तित्व, सोचने की क्षमता, रचनात्मकता, नैतिक मूल्यों और सामाजिक जिम्मेदारियों का विकास करना भी है। आधुनिक शिक्षा प्रणाली का मूल सिद्धांत यह है कि बच्चे सीखने की प्रक्रिया का आनंद लें और उनके भीतर जिज्ञासा तथा नवाचार की भावना विकसित हो। ऐसे में यदि पाठ्यक्रम या विषयों का चयन विद्यार्थियों की आयु, मानसिक क्षमता और शैक्षणिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर न किया जाए, तो शिक्षा का उद्देश्य प्रभावित हो सकता है। इसी संदर्भ में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा नौवीं कक्षा में तीसरी भाषा लागू करने के विषय में व्यक्त की गई चिंता अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जा रही है। न्यायालय ने कहा कि तीसरी भाषा की शुरुआत छठी कक्षा से होनी चाहिए और उसका अध्ययन नौवीं कक्षा से पहले पूरा हो जाना चाहिए। यह सुझाव केवल पाठ्यक्रम की व्यवस्था से जुड़ा नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य, सीखने की क्षमता और शिक्षा की गुणवत्ता से भी संबंधित है।

भारत एक बहुभाषी और बहुसांस्कृतिक देश है, जहां सैकड़ों भाषाएं और बोलियां बोली जाती हैं। यही विविधता भारत की सबसे बड़ी शक्ति है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 भी इसी विविधता को ध्यान में रखते हुए बहुभाषिक शिक्षा को बढ़ावा देने पर बल देती है। शोध बताते हैं कि एक से अधिक भाषाओं का ज्ञान बच्चों की स्मरण शक्ति, तार्किक सोच, समस्या समाधान क्षमता और संचार कौशल को बेहतर बनाता है। विभिन्न भाषाओं का अध्ययन उन्हें अलग-अलग संस्कृतियों, परंपराओं और समाजों को समझने का अवसर देता है। इससे राष्ट्रीय एकता भी मजबूत होती है और विभिन्न राज्यों के लोगों के बीच बेहतर संवाद स्थापित होता है। इसलिए तीसरी भाषा का विचार शिक्षा के दृष्टिकोण से सकारात्मक माना जा सकता है। किंतु इसका अर्थ यह नहीं कि किसी भी स्तर पर अतिरिक्त विषय जोड़ दिए जाएं। सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि तीसरी भाषा किस आयु में और किस कक्षा से पढ़ाई जाए ताकि उसका लाभ विद्यार्थियों को मिले और वह उनके लिए बोझ न बने।

बाल मनोविज्ञान के विशेषज्ञों का मानना है कि बचपन और किशोरावस्था के शुरुआती वर्षों में बच्चों का मस्तिष्क नई भाषाओं को सीखने के लिए सबसे अधिक अनुकूल होता है। प्राथमिक और माध्यमिक स्तर तक बच्चे नई ध्वनियों, शब्दों और व्याकरण को सहज रूप से ग्रहण कर लेते हैं। इस अवस्था में भाषा सीखना उनके लिए कठिन कार्य नहीं होता, बल्कि यह एक स्वाभाविक प्रक्रिया का हिस्सा बन जाता है। यदि तीसरी भाषा की शुरुआत छठी कक्षा से की जाए तो विद्यार्थियों के पास उसे सीखने और समझने के लिए पर्याप्त समय रहेगा। वे धीरे-धीरे उस भाषा में दक्षता प्राप्त कर सकेंगे और आगे की कक्षाओं में अन्य विषयों पर अधिक ध्यान दे पाएंगे। इसके विपरीत यदि नौवीं कक्षा में नई भाषा को अनिवार्य किया जाए तो विद्यार्थियों को पहले से ही कठिन हो चुके विषयों के साथ एक अतिरिक्त चुनौती का सामना करना पड़ेगा।

नौवीं कक्षा शिक्षा का अत्यंत महत्वपूर्ण चरण होती है। इसी स्तर से विद्यार्थियों की तैयारी बोर्ड परीक्षाओं की दिशा में शुरू होती है। विज्ञान, गणित, सामाजिक विज्ञान, अंग्रेजी और अन्य विषयों का स्तर पहले की तुलना में काफी कठिन हो जाता है। विद्यार्थियों पर अच्छे अंक प्राप्त करने का दबाव बढ़ने लगता है। कई छात्र प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी भी इसी समय से प्रारंभ कर देते हैं। ऐसे में यदि उन्हें एक नई भाषा सीखने की जिम्मेदारी भी दी जाए तो उनका मानसिक तनाव बढ़ सकता है। सभी विद्यार्थियों की सीखने की क्षमता समान नहीं होती। कुछ बच्चे नई भाषा आसानी से सीख लेते हैं, जबकि कुछ को अधिक समय और अभ्यास की आवश्यकता होती है। इसलिए शिक्षा व्यवस्था बनाते समय औसत विद्यार्थी की क्षमता और आवश्यकताओं को ध्यान में रखना आवश्यक है।

हालांकि यह भी सच है कि केवल कक्षा बदल देने से समस्या का समाधान नहीं होगा। यदि सरकार बहुभाषिक शिक्षा को सफल बनाना चाहती है तो उसके लिए पर्याप्त तैयारी भी करनी होगी। सबसे पहले प्रशिक्षित भाषा शिक्षकों की उपलब्धता सुनिश्चित करनी होगी। देश के अनेक विद्यालयों में आज भी विषय विशेषज्ञ शिक्षकों की कमी बनी हुई है। यदि तीसरी भाषा लागू कर दी जाए लेकिन उसे पढ़ाने के लिए योग्य शिक्षक ही उपलब्ध न हों तो पूरी व्यवस्था प्रभावित होगी। इसके अलावा गुणवत्तापूर्ण पाठ्यपुस्तकों, आधुनिक शिक्षण सामग्री, डिजिटल संसाधनों और स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप पाठ्यक्रम की भी आवश्यकता होगी। ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में इन सुविधाओं का अभाव अक्सर देखा जाता है। इसलिए किसी भी नई शिक्षा नीति को लागू करने से पहले आवश्यक संसाधनों की व्यवस्था करना सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी होनी चाहिए।

भाषा शिक्षा को प्रभावी बनाने के लिए शिक्षण पद्धति में भी बदलाव आवश्यक है। केवल रटने और परीक्षा पास करने के उद्देश्य से भाषा पढ़ाना पर्याप्त नहीं है। भाषा का वास्तविक उद्देश्य संवाद करना, विचारों को व्यक्त करना और संस्कृति को समझना है। यदि भाषा शिक्षण को गतिविधियों, कहानियों, नाटकों, खेलों और तकनीक आधारित तरीकों से जोड़ा जाए तो विद्यार्थी उसे अधिक रुचि के साथ सीख सकते हैं। आज डिजिटल शिक्षा के युग में मोबाइल एप, ऑनलाइन सामग्री और इंटरैक्टिव प्लेटफॉर्म के माध्यम से भाषा सीखना पहले की तुलना में कहीं अधिक आसान हो गया है। इन संसाधनों का उपयोग करके भाषा शिक्षा को अधिक प्रभावी और रोचक बनाया जा सकता है।

-शिवांश धाकड़

विकास की राह में पर्यावरण की पुकार: क्या केवल चौड़ी सड़कों के लिए पेड़ों की बलि उचित है?

विकास किसी भी समाज की प्रगति का आधार होता है। बेहतर सड़कें, तेज यातायात व्यवस्था और आधुनिक आधारभूत ढांचा किसी भी राज्य और देश की आर्थिक मजबूती के लिए आवश्यक माने जाते हैं। सड़कें केवल आवागमन का माध्यम नहीं होतीं, बल्कि वे व्यापार, पर्यटन, शिक्षा और रोजगार के अवसरों को भी बढ़ावा देती हैं। लेकिन जब विकास की कीमत प्रकृति के नुकसान के रूप में सामने आती है, तब यह विचार करना जरूरी हो जाता है कि क्या विकास का रास्ता पर्यावरण को नजरअंदाज करके तय किया जा सकता है।

विकास बलोनी
उत्तराखंड

देहरादून-ऋषिकेश राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित सात मोड़ क्षेत्र के जंगलों में सड़क चौड़ीकरण और फ्लाईओवर निर्माण के लिए बड़ी संख्या में हरे-भरे पेड़ों की कटाई का मामला इसी बहस को जन्म देता है। सड़क निर्माण और यातायात सुविधाओं के विस्तार की आवश्यकता से इनकार नहीं किया जा सकता, लेकिन हजारों पेड़ों की कटाई ने विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

पेड़ केवल लकड़ी का स्रोत नहीं होते। वे प्रकृति के ऐसे प्रहरी हैं जो मानव जीवन को सुरक्षित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। एक बड़ा वृक्ष वर्षों तक वातावरण से कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित करता है और ऑक्सीजन प्रदान करता है। इसके अलावा पेड़ तापमान को नियंत्रित करने, वर्षा चक्र को बनाए रखने, मिट्टी के कटाव को रोकने और जैव विविधता को संरक्षित करने में अहम योगदान देते हैं। जंगल केवल पेड़ों का समूह नहीं होते, बल्कि वे असंख्य जीव-जंतुओं, पक्षियों और छोटे जीवों का घर होते हैं।

विशेष रूप से हिमालयी क्षेत्रों में पेड़ों का महत्व और भी अधिक बढ़ जाता है। पहाड़ी क्षेत्रों में वृक्ष मिट्टी को बांधकर रखते हैं और भूस्खलन जैसी प्राकृतिक आपदाओं के खतरे को कम करते हैं। ऐसे में किसी भी बड़े निर्माण कार्य के दौरान पर्यावरणीय प्रभावों का गंभीर अध्ययन आवश्यक हो जाता है। यदि विकास परियोजनाओं के कारण बड़े पैमाने पर वन क्षेत्र प्रभावित होते हैं, तो इसका असर आने वाले वर्षों में जलवायु और स्थानीय पारिस्थितिकी पर दिखाई दे सकता है।

अक्सर सड़क निर्माण या अन्य परियोजनाओं के दौरान यह तर्क दिया जाता है कि जितने पेड़ काटे जाएंगे, उतने ही नए पौधे लगाए जाएंगे। पौधरोपण निश्चित रूप से आवश्यक और सराहनीय कदम है, लेकिन यह समझना भी जरूरी है कि एक पुराने और विशाल वृक्ष की भरपाई कुछ नए पौधों से तुरंत नहीं हो सकती। एक परिपक्व पेड़ को तैयार होने में कई दशक लगते हैं। इतने लंबे समय तक वह जो पर्यावरणीय सेवाएं देता है, उन्हें नए पौधे तुरंत पूरा नहीं कर सकते।

विकास और पर्यावरण को आमतौर पर एक-दूसरे के विरोधी के रूप में देखा जाता है, जबकि वास्तविकता यह है कि दोनों के बीच संतुलन बनाना संभव है। आवश्यकता केवल सोच और योजना में बदलाव की है। किसी भी बड़ी परियोजना को शुरू करने से पहले यह देखना जरूरी है कि क्या पेड़ों की कटाई को कम किया जा सकता है। क्या सड़क की डिजाइन में बदलाव कर कम नुकसान के साथ काम किया जा सकता है। क्या वैकल्पिक मार्ग या आधुनिक तकनीक का उपयोग करके पर्यावरणीय क्षति को सीमित किया जा सकता है।

सड़क चौड़ीकरण जैसी परियोजनाओं में पारदर्शिता भी बेहद जरूरी है। आम लोगों को यह जानकारी मिलनी चाहिए कि परियोजना की वास्तविक आवश्यकता क्या है। इससे कितने लोगों को लाभ मिलेगा। पर्यावरण पर इसका कितना प्रभाव पड़ेगा और नुकसान की भरपाई के लिए क्या ठोस कदम उठाए जाएंगे। जनता की भागीदारी से विकास योजनाएं अधिक प्रभावी और स्वीकार्य बन सकती हैं।

यह भी जरूरी है कि पर्यावरण संरक्षण को केवल विरोध के रूप में न देखा जाए। प्रकृति की रक्षा करना विकास में बाधा नहीं है, बल्कि भविष्य को सुरक्षित करने का प्रयास है। यदि आज हम जंगलों और पेड़ों की अनदेखी करते हैं, तो आने वाली पीढ़ियों को इसका खामियाजा भुगतना पड़ सकता है। बढ़ता तापमान, जल संकट, अनियमित मौसम और प्राकृतिक आपदाएं पहले ही संकेत दे रही हैं कि पर्यावरण संतुलन बनाए रखना कितना आवश्यक है।

उत्तराखंड जैसे राज्य के लिए यह चुनौती और भी महत्वपूर्ण है। एक ओर यहां पर्यटन, उद्योग और बेहतर संपर्क के लिए मजबूत आधारभूत ढांचे की जरूरत है, वहीं दूसरी ओर राज्य की पहचान ही इसके प्राकृतिक संसाधनों और हरियाली से जुड़ी है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

व्यक्तित्व विशेष

1857 की क्रांति के महानायक

मंगल पांडे

भारत के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के महानायक और अमर क्रांतिकारी मंगल पांडे का जन्म 19 जुलाई 1827 को उत्तर प्रदेश के बलिया जिले के नगवा गांव में हुआ था। उन्हें भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन का पहला वीर सेनानी माना जाता है जिन्होंने अंग्रेजी शासन के खिलाफ खुले विद्रोह का बिगुल बजाया। उनके साहस, देशभक्ति और बलिदान ने पूरे देश में आजादी की भावना को मजबूत किया और आगे चलकर 1857 की क्रांति की नींव रखी।

मंगल पांडे बचपन से ही निर्भीक और साहसी स्वभाव के थे। युवावस्था में वे ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी की बंगाल नेटिव इन्फैंट्री की 34वीं रेजीमेंट में सैनिक के रूप में भर्ती हुए। उस समय भारतीय सैनिकों के साथ अंग्रेज अधिकारियों द्वारा भेदभाव किया जाता था और उन्हें कई प्रकार की परेशानियों का सामना करना पड़ता था। सैनिकों के बीच अंग्रेजी शासन के प्रति असंतोष लगातार बढ़ रहा था।

कविता

चिट्टे को मिटाना है

स्वामी राणा, गांव चौक, डाकघर महादेव, तहसील सुंदरनगर, जिला मंडी (हि.प्र.)

ये हाल हुआ है दो-चार सालों में
लाशें मिल रही खेतों में, कभी नालों में
ये हाल हुआ है दो-चार सालों में
सबको आगे आना होगा, डंडे मार जगाना होगा
काम करेंगे मिलकर नेक, आ जाओ हो जाएं एक
चिट्टे को मिटाना होगा, हो न जाएं लेट, काम करेंगे मिलकर नेक
बेचने वालो शर्म करो, अच्छा कोई कर्म करो
आपके भी बच्चे हैं, उनका भी ध्यान करो
बेचने वालो शर्म करो, अच्छा कोई कर्म करो
नस-नस में ये घुल चुका है, चिट्टा काम कर चुका है
मर रहे हैं मां के लाल, चिट्टा हो गया विकराल
आओ, मिलकर मिटाएं, चिट्टे का जो बिछा है जाल
राणे ने जब उठाई, सबको बुरी लगी थी
किसी ने पकड़ी नहीं कलाई

स्वस्थ दांत और आत्मविश्वास भरी मुस्कान के लिए रेटेनर है जरूरी

हर वर्ष **19 जुलाई** को **अंतरराष्ट्रीय रेटेनर दिवस** मनाया जाता है। इस दिवस का उद्देश्य लोगों को दांतों के उपचार के बाद रेटेनर के महत्व के बारे में जागरूक करना है। आज के समय में सुंदर मुस्कान और स्वस्थ दांत केवल आकर्षण का विषय नहीं हैं बल्कि यह अच्छे स्वास्थ्य और आत्मविश्वास का भी प्रतीक हैं। बहुत से लोग टेढ़े मेढ़े दांतों को सीधा करने के लिए ऑर्थोडॉन्टिक उपचार करवाते हैं। इस उपचार में ब्रेसेस या एलाइनर का उपयोग किया जाता है। उपचार पूरा होने के बाद दांतों को उनकी नई स्थिति में बनाए रखने के लिए रेटेनर का उपयोग आवश्यक होता है। यदि उपचार के बाद रेटेनर का सही तरीके से उपयोग नहीं किया जाए तो दांत धीरे धीरे अपनी पुरानी स्थिति में लौट सकते हैं और पूरे उपचार का परिणाम प्रभावित हो सकता है। इसी महत्वपूर्ण संदेश को जन जन तक पहुंचाने के लिए अंतरराष्ट्रीय रेटेनर दिवस मनाया जाता है।

प्रताप सिंह पटियाल
स्वतंत्र लेखक

रेटेनर एक विशेष प्रकार का दंत उपकरण होता है जिसे ऑर्थोडॉन्टिक उपचार पूरा होने के बाद पहनने की सलाह दी जाती है। इसका मुख्य उद्देश्य दांतों को उनकी नई और सही स्थिति में स्थिर बनाए रखना है। दांतों के आसपास की हड्डियां और मसूड़े उपचार के बाद नई स्थिति के अनुसार स्वयं को ढालने में समय लेते हैं। इस दौरान यदि रेटेनर का उपयोग नहीं किया जाए तो दांतों में फिर से बदलाव आ सकता है। इसलिए दंत चिकित्सक उपचार समाप्त होने के बाद भी कुछ महीनों या कई मामलों में वर्षों तक रेटेनर पहनने की सलाह देते हैं।

आधुनिक दंत चिकित्सा में रेटेनर कई प्रकार के होते हैं। पहला हटाने योग्य रेटेनर होता है जिसे मरीज आवश्यकता के अनुसार निकाल और पहन सकता है। दूसरा स्थायी रेटेनर होता है जिसे दांतों के पीछे पतले तार के रूप में लगाया जाता है और यह लंबे समय तक दांतों को स्थिर बनाए रखता है। कुछ रेटेनर पारदर्शी होते हैं जो सामान्य रूप से दिखाई नहीं देते जबकि कुछ ऐक्रेलिक और तार से बने होते हैं। किस प्रकार का रेटेनर किसी व्यक्ति के लिए उपयुक्त होगा यह उसके दांतों की स्थिति और उपचार के आधार पर दंत चिकित्सक तय करते हैं।

आज के समय में बड़ी संख्या में बच्चे किशोर और वयस्क दांतों की अनियमितता को ठीक कराने के लिए ऑर्थोडॉन्टिक उपचार का सहारा लेते हैं। इस उपचार में समय और धन दोनों का निवेश होता है। यदि उपचार के बाद रेटेनर का उपयोग नहीं किया जाए तो दांतों के दोबारा टेढ़े होने की संभावना बढ़ जाती है। इससे दोबारा उपचार की आवश्यकता पड़ सकती है। इसलिए रेटेनर केवल उपचार का अंतिम चरण नहीं बल्कि उसकी सफलता की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी है।

अंतरराष्ट्रीय रेटेनर दिवस लोगों को यह समझाने का अवसर भी देता है कि दंत स्वास्थ्य केवल उपचार कराने तक सीमित नहीं है बल्कि उसकी देखभाल भी उतनी ही आवश्यक है। बहुत से लोग ब्रेसेस हटने के बाद यह मान लेते हैं कि अब उपचार पूरी तरह समाप्त हो गया है और उन्हें किसी अतिरिक्त सावधानी की आवश्यकता नहीं है। यही सबसे बड़ी भूल होती है। विशेषज्ञों का मानना है कि उपचार के बाद रेटेनर पहनना उतना ही जरूरी है जितना उपचार के दौरान ब्रेसेस या एलाइनर पहनना।

रेटेनर का सही उपयोग करने के लिए कुछ महत्वपूर्ण बातों का ध्यान रखना चाहिए। यदि रेटेनर हटाने योग्य है तो उसे चिकित्सक द्वारा बताए गए समय तक नियमित रूप से पहनना चाहिए। खाने के समय उसे निकाल देना चाहिए और बाद में अच्छी तरह साफ करके दोबारा पहनना चाहिए। रेटेनर को गर्म पानी में नहीं रखना चाहिए क्योंकि इससे उसका आकार बदल सकता है। उसे हमेशा उसके सुरक्षित डिब्बे में रखना चाहिए ताकि वह टूटे या खोए नहीं। यदि रेटेनर में किसी प्रकार की दरार या टूट फूट दिखाई दे तो तुरंत दंत चिकित्सक से संपर्क करना चाहिए।

दंत स्वच्छता बनाए रखना भी रेटेनर के उपयोग का महत्वपूर्ण हिस्सा है। रेटेनर को प्रतिदिन साफ करना चाहिए ताकि उस पर बैक्टीरिया और प्लाक जमा न हो। दांतों की नियमित ब्रशिंग और फ्लॉसिंग के साथ साथ समय समय पर दंत चिकित्सक से जांच कराना भी आवश्यक है। इससे किसी भी समस्या का समय रहते पता चल जाता है और उपचार आसान हो जाता है।

बच्चों और किशोरों में रेटेनर के महत्व को समझाना विशेष रूप से आवश्यक है क्योंकि इस आयु वर्ग में उपचार के बाद लापरवाही अधिक देखने को मिलती है। माता पिता और शिक्षक बच्चों को यह समझा सकते हैं कि रेटेनर पहनना उनके सुंदर और स्वस्थ दांतों की सुरक्षा के लिए जरूरी है। यदि बच्चों में प्रारंभ से ही दंत स्वच्छता की अच्छी आदतें विकसित कर दी जाएं तो भविष्य में उन्हें गंभीर दंत समस्याओं का सामना नहीं करना पड़ेगा।

आज डिजिटल तकनीक ने दंत चिकित्सा को भी काफी आधुनिक बना दिया है। अब थ्री डी स्कैनिंग और डिजिटल इम्प्रेशन की सहायता से अधिक सटीक और आरामदायक रेटेनर तैयार किए जा रहे हैं। पारदर्शी रेटेनर देखने में लगभग अदृश्य होते हैं जिससे लोग उन्हें बिना किसी झिझक के पहन सकते हैं। इन नई तकनीकों ने मरीजों के लिए उपचार को अधिक सुविधाजनक और प्रभावी बना दिया है।

अंतरराष्ट्रीय रेटेनर दिवस यह संदेश भी देता है कि मौखिक स्वास्थ्य को कभी नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। दांतों की अनदेखी केवल मुस्कान को प्रभावित नहीं करती बल्कि पाचन तंत्र और समग्र स्वास्थ्य पर भी असर डाल सकती है। स्वस्थ दांत भोजन को अच्छी तरह चबाने में मदद करते हैं और आत्मविश्वास बढ़ाते हैं। इसलिए दांतों की नियमित जांच और चिकित्सकीय सलाह का पालन करना प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी है। इस अवसर पर दंत चिकित्सालयों विद्यालयों और स्वास्थ्य संस्थानों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इनमें लोगों को रेटेनर के सही उपयोग दांतों की स्वच्छता नियमित जांच और संतुलित आहार के महत्व के बारे में जानकारी दी जाती है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

'भारतेन्दु शिखर

प्रकाशक, मुद्रक, संपादक एवं स्वामी शिवांश धाकड़ द्वारा शर्मा भवन, न्यू रणजीत नगर, एप्पल फ्रूट मंडी, नजदीक ढली टनल, शिमला (हि.प्र.) 171006 से प्रकाशित एवं बायोसर्ट इंटरनेशनल प्रा. लि. प्लॉट नंबर 8, फेज-2 इंडस्ट्रियल एरिया, नगरोटा बगवां, जिला कांगड़ा (हि.प्र.), पिन नंबर-176047 से मुद्रित। समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद शिमला न्यायालय के अधीन होंगे।

आरएनआई संदर्भ संख्या-HPHIN/2000/02437
ई-मेल : bhartendunewsmedia@gmail.com, फोन नंबर : 88946-77702

न्यूज ब्रीफ

हत्या मामले में फरार 25 हजार का इनामी बदमाश देवरिया में गिरफ्तार

एजेंसी, देवरिया। उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले में लार थाना पुलिस ने हत्या के मामले में फरार चल रहे 25 हजार रुपये के इनामी बदमाश को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी की पहचान बरडीहा दलपत टोला पिपराडीह निवासी अभिषेक यादव उर्फ टोनी (31) के रूप में हुई है। अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) सुनील सिंह ने बताया कि आरोपी के खिलाफ वर्ष 2024 में लार थाने में हत्या से संबंधित मुकदमा दर्ज किया गया था। घटना के बाद से वह लगातार फरार चल रहा था, जिसके चलते उस पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। इस मामले में एक अन्य आरोपी दीपक यादव उर्फ सोकन को पहले ही जेल भेजा जा चुका है।

जौनपुर में 68 हजार की फर्जी लूट का खुलासा, कर्मचारी गिरफ्तार

एजेंसी, जौनपुर। नगर कोतवाली थाना क्षेत्र में 68,840 रुपये की कथित लूट का मामला पुलिस जांच में फर्जी निकला है। पुलिस ने शराब कारोबारी के कर्मचारी विकास यादव को गबन और विश्वासघात के आरोप में गिरफ्तार किया है। सीओ सिटी गोल्डी गुप्ता ने बताया कि शुक्रवार शाम डायल 112 पर भंडारी अंडरपास के पास तमंचे की नोक पर लूट की सूचना मिली थी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर सीसीटीवी फुटेज और आसपास के लोगों से पूछताछ की। जांच में लूट की घटना के कोई प्रमाण नहीं मिले। पूछताछ में सामने आया कि विकास यादव ने अपने दोस्त के साथ मिलकर रुपये हड़पने के लिए झूठी लूट की कहानी बनाई थी। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर न्यायालय में पेश किया है।

योगी सरकार की शिक्षक सुरक्षा योजना में 37.81 लाख के उपचार स्वीकृत

एजेंसी, लखनऊ। मुख्यमंत्री शिक्षक सुरक्षा कैशलेस चिकित्सा योजना शुरू होने के 10 दिन में ही शिक्षकों और उनके परिवारों को इसका लाभ मिलना शुरू हो गया है। प्रदेशभर में अब तक 142 प्री-ऑथराइजेशन स्वीकृत किए गए हैं, जिनकी अनुमानित उपचार लागत 37.81 लाख रुपये है। योजना के तहत बेसिक शिक्षा विभाग के 128 और माध्यमिक शिक्षा विभाग के 14 मामलों को मंजूरी मिली है। जनरल मेडिसिन, सर्जरी, हड्डी रोग, हृदय रोग समेत कई बीमारियों के उपचार को स्वीकृति दी गई है। अब तक 47 जिलों के शिक्षक परिवारों को योजना का लाभ मिला है। गोरखपुर से सबसे अधिक मामले सामने आए हैं, जबकि उपचार राशि के मामले में वाराणसी आगे है। अधिकारियों के अनुसार योजना शिक्षकों के लिए स्वास्थ्य सुरक्षा का मजबूत माध्यम बन रही है।

यूपी चुनाव में कांग्रेस का महिला दांव, टिकट पैनल में एक नाम अनिवार्य

एजेंसी, लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुटी कांग्रेस ने महिला मतदाताओं को साधने के लिए नई रणनीति बनाई है। पार्टी टिकट वितरण में महिला प्रत्याशियों को प्राथमिकता देने की तैयारी कर रही है। कांग्रेस ने सभी विधानसभा क्षेत्रों के लिए तैयार किए जाने वाले प्रत्याशियों के तीन नामों के पैनल में कम से कम एक महिला उम्मीदवार का नाम शामिल करने के निर्देश दिए हैं। पार्टी का उद्देश्य चुनाव में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के साथ ही महिला आरक्षण के मुद्दे पर भाजपा को घेरना है। कांग्रेस नेतृत्व का मानना है कि अधिक संख्या में महिला प्रत्याशियों को मैदान में उतारने से पार्टी को चुनावी लाभ मिल सकता है। विधानसभा चुनाव को देखते हुए संगठन स्तर पर तैयारियां तेज कर दी गई हैं और संभावित उम्मीदवारों के चयन की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है।

कसया रेलवे ढाले पर अगस्त से शुरू होगा 72 करोड़ का आरओबी कार्य

एजेंसी, देवरिया। देवरिया शहर के व्यस्त कसया रेलवे ढाले पर प्रस्तावित रेलवे उपरिगामी सेतु (आरओबी) निर्माण को रेलवे की मंजूरी मिल गई है। परियोजना की ड्राइंग स्वीकृत होने के बाद अब अगस्त के पहले सप्ताह से निर्माण कार्य शुरू होने की उम्मीद है। करीब 72.03 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाला 613.89 मीटर लंबा आरओबी शहर में जाम की समस्या को कम करेगा। निर्माण पूरा होने के बाद रेलवे ढाले पर बार-बार लगने वाले जाम से लोगों को राहत मिलेगी।

धान की रोपाई को लेकर दो पक्षों के विवाद में चली गोली, मां-बेटे घायल

एजेंसी, मथुरा

मगोर्रा थाना क्षेत्र के शाहपुर गांव में धान की रोपाई को लेकर हुए विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। शुक्रवार देर रात खेत में काम को लेकर दो पक्षों के बीच कहासुनी हो गई। विवाद बढ़ने पर एक युवक ने तमंचे से फायरिंग कर दी, जिसमें मां-बेटे घायल हो गए। दोनों घायलों का इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है।

क्षेत्राधिकारी गोवर्धन अनिल कुमार सिंह ने शनिवार को घटना की जानकारी देते हुए बताया कि शाहपुर गांव में धान की पौध लगाने को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद हुआ था। शुरुआत में मामूली कहासुनी हुई, लेकिन कुछ ही देर में मामला बढ़ गया। आरोप है कि इसी दौरान एक युवक ने तमंचा निकालकर गोली चला दी। फायरिंग में महेश सिंह की पत्नी सरोज देवी और उनके बेटे गोपाल सिंह गोली लगने से घायल हो गए। घटना के बाद गांव में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सूचना मिलने पर मगोर्रा थाना पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल भेजा। डॉक्टरों की निगरानी में उनका इलाज जारी है।

घटना के बाद आरोपी युवक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने उसकी तलाश शुरू कर दी है। पुलिस टीम संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है और मामले से जुड़े लोगों से पूछताछ की जा रही है।

फायरिंग की घटना के बाद गांव में तनाव की स्थिति को देखते हुए पुलिस ने निगरानी बढ़ा दी है। अधिकारियों का कहना है कि आरोपी को जल्द गिरफ्तार कर उसके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि घटना के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है और आरोपी की गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं।

अब उत्तर प्रदेश बीमारू नहीं, प्रगति में देश के टॉप थ्री में से एक राज्य है : योगी आदित्यनाथ

बुलंदशहर में 574 करोड़ की 57 परियोजनाओं का किया लोकार्पण और शिलान्यास

एजेंसी, बुलंदशहर

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को बुलंदशहर में 574 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली 57 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। नुमाइश मैदान में आयोजित कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों को विभिन्न सहायता सामग्री और प्रमाण पत्र भी वितरित किए। इस दौरान बड़ी संख्या में मौजूद लोगों ने मुख्यमंत्री का जोरदार स्वागत किया और योगी-योगी के नारे लगाए।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश अब बीमारू राज्य की पहचान से बाहर निकलकर देश के अग्रणी राज्यों में शामिल हो चुका है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में एक्सप्रेसवे, मेडिकल कॉलेज, एमएसएमई, उद्योग और बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में तेजी से विकास हुआ है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2017 से पहले प्रदेश में अपराध और भय का माहौल था, लेकिन अब कानून व्यवस्था में बड़ा बदलाव आया है।

उन्होंने पूर्ववर्ती सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि पहले अपराधियों और माफियाओं का दबदबा था, जिससे आम लोगों, व्यापारियों और महिलाओं को परेशानियों का सामना करना पड़ता था। आज अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि अब अपराधियों के लिए कानून का डर है और प्रदेश में बहू-बेटियां सुरक्षित माहौल में बाहर निकल सकती हैं। मुख्यमंत्री ने अपनी सरकार की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए कहा कि आयुष्मान योजना, गंगा एक्सप्रेसवे, जेवर एयरपोर्ट और मेडिकल कॉलेज जैसे बड़े प्रोजेक्ट प्रदेश की तस्वीर बदल रहे हैं। उन्होंने कहा कि बुलंदशहर में बाबू कल्याण सिंह मेडिकल कॉलेज सहित कई परियोजनाओं से जनपद के लोगों को बेहतर सुविधाएं मिल रही हैं।

उन्होंने किसानों और उद्यमियों के हित में किए गए कार्यों का भी उल्लेख किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों को उनकी जमीन का उचित मुआवजा दिया गया है और खुर्जा की पॉटरी को वैश्विक पहचान दिलाने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में अब निवेश का माहौल बना है और 50 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव आए हैं।

योगी आदित्यनाथ ने गंगा एक्सप्रेसवे को प्रदेश की समृद्धि का प्रतीक बताते हुए कहा कि यह केवल सड़क परियोजना नहीं, बल्कि विकास और रोजगार के नए अवसरों का माध्यम है। उन्होंने कहा कि पहले उत्तर प्रदेश की पहचान खराब सड़कों और अंधेरे से होती थी, लेकिन अब प्रदेश में आधुनिक सुविधाओं का विस्तार हो रहा है। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने बुलंदशहर और सिकंदराबाद विधानसभा क्षेत्रों की 57 परियोजनाओं का शुभारंभ किया। इसके साथ ही उन्होंने लाभार्थियों को लैपटॉप, चेक, आयुष्मान कार्ड, छात्रवृत्ति, सब्सिडी, टूल किट, प्रमाण पत्र और अन्य सहायता सामग्री वितरित की।

रालोद उत्तर प्रदेश के कार्यवाहक प्रदेश अध्यक्ष बने अनुपम मिश्रा

एजेंसी, लखनऊ

राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) ने संगठन को मजबूत करने और आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारियों को गति देने के लिए बड़ा फैसला लिया है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जयंत चौधरी के निर्देश पर राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) त्रिलोक त्यागी ने राष्ट्रीय सचिव अनुपम मिश्रा को उत्तर प्रदेश का कार्यवाहक प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया है।

चुनावी रणनीति को धार देने में जुटा रालोद संगठन

रालोद के मीडिया प्रभारी मयंक त्रिवेदी ने बताया कि यह नियुक्ति संगठन को और अधिक सक्रिय बनाने की रणनीति के तहत की गई है। उन्होंने कहा कि पार्टी में मेहनत, निष्ठा और कार्यकुशलता के आधार पर जिम्मेदारियां दी जाती हैं। अनुपम मिश्रा लंबे समय से पार्टी की केंद्रीय टीम में सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं। उन्होंने राष्ट्रीय सचिव, राष्ट्रीय प्रवक्ता, टीम आरएलडी के राष्ट्रीय संयोजक, झारखंड प्रभारी सहित कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है। इसके अलावा युवाओं को राजनीति से जोड़ने के लिए चलाए गए 'सारथी' कार्यक्रम में भी उन्होंने अहम जिम्मेदारी निभाई है। पार्टी नेताओं का कहना है कि अनुपम मिश्रा के नेतृत्व में प्रदेश संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत किया जाएगा और चुनावी तैयारियों को नई दिशा मिलेगी। जल्द ही प्रदेश कार्यकारिणी के पुनर्गठन की प्रक्रिया भी शुरू होगी।

उनके मनोनयन पर रालोद के कई वरिष्ठ नेताओं, सांसदों, विधायकों और पदाधिकारियों ने शुभकामनाएं देते हुए उम्मीद जताई कि उनके नेतृत्व में पार्टी संगठन को मजबूती मिलेगी। रालोद ने आगामी विधानसभा चुनावों को देखते हुए संगठन को मजबूत करने की रणनीति तेज कर दी है। अनुपम मिश्रा के नेतृत्व में प्रदेश इकाई को बूथ स्तर तक सक्रिय करने और कार्यकर्ताओं को जोड़ने की तैयारी की जाएगी।

यूपी के 75 शहरों में बारिश का अलर्ट

एजेंसी, लखनऊ

उत्तर प्रदेश के कई जिलों में भारी बारिश ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। गोरखपुर समेत 10 शहरों में बारिश के बाद सड़कें तालाब में बदल गईं। कई इलाकों में पानी भरने से आवागमन प्रभावित हुआ। अस्पतालों और घरों में भी बारिश का पानी घुस गया, जिससे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। एक कॉम्प्लेक्स की करीब 200 दुकानें जलमग्न हो गईं। प्रशासन ने हालात पर नजर बनाए रखी है।

बारिश ने शहरों की व्यवस्था बिगाड़ी, घरों-अस्पतालों में घुसा पानी और प्रशासन ने राहत कार्य किए तेज

मौसम विभाग ने प्रदेश के 75 शहरों में बारिश को लेकर अलर्ट जारी किया है। लोगों से सतर्क रहने की अपील की गई है। बारिश के कारण कई जिलों में जलभराव की स्थिति बनी हुई है। निचले इलाकों में पानी भरने से लोगों को परेशानी उठानी पड़ रही है। प्रशासन की टीमें राहत और निगरानी कार्य में जुटी हैं। मौसम विभाग ने आगामी दिनों में भी बारिश की संभावना जताते हुए लोगों को सावधानी बरतने की सलाह दी है।

बागपत में निजी वाहनों के लिए नई पंजीयन सीरीज लागू

एजेंसी, बागपत। जनपद में निजी वाहनों के पंजीकरण के लिए नई सीरीज यूपी-17 एई लागू कर दी गई है। इससे पहले चल रही यूपी-17 एडी सीरीज 16 जुलाई को समाप्त हो चुकी है। शासन के निर्देश पर अब सभी नए वाहनों का पंजीकरण नई सीरीज के तहत किया जाएगा। सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी विपिन कुमार ने बताया कि यूपी-17 एई सीरीज 17 जुलाई से प्रभावी हो गई है। फैंसी नंबर लेने के इच्छुक वाहन स्वामी परिवहन विभाग की वेबसाइट के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया 18 जुलाई सुबह 10 बजे से 20 जुलाई तक चलेगी।फैंसी नंबरों के आवंटन के लिए 21 जुलाई दोपहर 12 बजे से 23 जुलाई शाम 6 बजे तक ई-नीलामी आयोजित होगी। एआरटीओ ने वाहन स्वामियों से समय पर आवेदन करने और ई-ऑक्शन प्रक्रिया में भाग लेने की अपील की है। वाहन डीलरों को भी नई सीरीज के अनुसार पंजीकरण करने के निर्देश दिए गए हैं।

काम और संघर्ष से मिली पहचान, समाज के विश्वास का सम्मान : डॉ. संजय निषाद

एजेंसी, प्रयागराज

निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश सरकार के मत्स्य विभाग के कैबिनेट मंत्री डॉ. संजय निषाद ने कहा कि निषाद समाज में उन्हें मिला सम्मान और स्वीकार्यता वर्षों के संघर्ष, संगठन निर्माण और समाजहित में किए गए कार्यों का परिणाम है। उन्होंने कहा कि नेतृत्व केवल दावों से नहीं, बल्कि जनसेवा और निरंतर प्रयासों से स्थापित होता है।

शनिवार को जॉर्जटाउन स्थित एक होटल में आयोजित प्रेसवार्ता में डॉ. संजय निषाद ने कहा कि निषाद पार्टी ने समाज को राजनीतिक पहचान दिलाने का कार्य किया है। भाजपा के साथ गठबंधन के बाद निषाद समाज की भागीदारी शासन और सत्ता में मजबूत हुई है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में समाज के कल्याण के लिए कई योजनाएं संचालित की जा रही हैं।

उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना, मुख्यमंत्री मत्स्य संपदा योजना, शिक्षा, आवास, विवाह अनुदान और रोजगार से जुड़ी योजनाओं का लाभ मछुआरा, मल्लाह, बिंद समेत समाज के विभिन्न वर्गों को मिल रहा है।

संत रविदास अमृत भारत एक्सप्रेस का जौनपुर स्टेशन पर किया भव्य स्वागत

एजेंसी, जौनपुर

संत रविदास की तपोस्थली छेराहटा (अमृतसर) से जन्मस्थली वाराणसी के बीच चलने वाली संत रविदास अमृत भारत एक्सप्रेस का शनिवार को जौनपुर सिटी रेलवे स्टेशन पर भव्य स्वागत किया गया। ट्रेन के पहुंचने पर पहली बार राजनीतिक प्रतिनिधियों के बजाय संत रविदास पंथ के अनुयायियों ने पारंपरिक तरीके से इसकी अगवानी की और नई परंपरा की शुरुआत की।

रविदासिया समाज के लोगों ने लोको पायलट और गार्ड का माल्यार्पण कर किया अभिनंदन।

ट्रेन निर्धारित समय से करीब 20 मिनट पहले सुबह 11 बजे जौनपुर स्टेशन पहुंची। वरिष्ठ समाजसेवी रमेश बौद्ध और रमेश चंद्र गौतम के नेतृत्व में बड़ी संख्या में रविदासिया समाज के श्रद्धालु स्टेशन पहुंचे। उन्होंने लोको पायलट और गार्ड का माल्यार्पण कर स्वागत किया। साथ ही ट्रेन में सवार संत रविदास पंथ के अनुयायियों का भी अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत प्रजापति और जिला महामंत्री पीयूष गुप्ता के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने श्रद्धालुओं पर पुष्पवर्षा की। पूरे स्टेशन परिसर में भक्ति और उत्साह का माहौल दिखाई दिया।

समाजसेवी पलटू राम ने कहा कि संत रविदास के नाम से शुरू हुई यह रेल सेवा समाज की लंबे समय से चली आ रही मांग थी। इससे श्रद्धालुओं के साथ आम यात्रियों को भी सुविधा मिलेगी और सामाजिक व आध्यात्मिक संबंध मजबूत होंगे। रेलवे प्रशासन की ओर से अनुराग तिवारी ने सभी अतिथियों और संत रविदास पंथ के अनुयायियों का स्वागत किया।

सगाई के दो माह बाद युवती ने फांसी लगाकर दी जान

एजेंसी, उरई। उरई जिले के गोहन थाना क्षेत्र के बिजदुवा गांव में शनिवार को एक युवती ने अज्ञात कारणों के चलते घर के अंदर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी मिलते ही गांव में सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस और फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर जरूरी साक्ष्य एकत्र किए। थाना प्रभारी सतीश ने बताया कि बिजदुवा गांव निवासी साक्षी कुशवाहा (18) का शव शनिवार सुबह उसके कमरे में फंदे से लटका मिला। परिजनों के अनुसार देर रात तक जब साक्षी कमरे से बाहर नहीं आई तो उन्होंने उसे जगाने का प्रयास किया। दरवाजा खोलने पर अंदर का दृश्य देखकर उनके होश उड़ गए। उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचना दी।

मौके पर पहुंची गोहन थाना पुलिस और फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल की जांच की और आसपास के लोगों से पूछताछ की। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि करीब दो माह पहले ही साक्षी की सगाई हुई थी और अगले वर्ष उसकी शादी होनी तय थी। युवती के अचानक उठाए गए इस कदम से परिवार के लोग सदमे में हैं। फिलहाल आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चल सका है। पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर मामले की जांच कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए आगे की कार्रवाई की जाएगी। गोहन थाना क्षेत्र के बिजदुवा गांव में 18 वर्षीय साक्षी कुशवाहा की फांसी लगाकर मौत से परिवार में मातम पसरा है। सगाई के बाद युवती के इस कदम से परिजन सदमे में हैं। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर आत्महत्या के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

तीर्थ यात्रा पर वाराणसी पहुंचीं रेखा गुप्ता, नेताओं ने किया स्वागत

एजेंसी, वाराणसी

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता शनिवार को वाराणसी पहुंचीं। वाराणसी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचने पर भारतीय जनता पार्टी के क्षेत्रीय अध्यक्ष अशोक चौरसिया ने पुष्प गुच्छ देकर उनका स्वागत किया। इस दौरान मंत्री रविंद्र जायसवाल और भाजपा महिला मोर्चा की महानगर पदाधिकारी महिलाएं भी मौजूद रहीं।

हवाई अड्डे से निकलने के बाद मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता मीरजापुर जिले के लिए रवाना हुईं, जहां उन्होंने मां विंध्यवासिनी मंदिर पहुंचकर दर्शन पूजन किया। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि वाराणसी और मीरजापुर की यह उनकी धार्मिक यात्रा है। इस दौरान मंदिरों में दर्शन, पूजन और गंगा आरती में शामिल होने का कार्यक्रम है। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनका कोई राजनीतिक कार्यक्रम तय नहीं है। मीरजापुर से लौटने के बाद मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में पहुंचकर विधि-विधान से पूजा अर्चना की। उन्होंने बाबा विश्वनाथ का आशीर्वाद लिया और मंदिर की व्यवस्थाओं का भी अवलोकन किया। मुख्यमंत्री के कार्यक्रम के अनुसार शनिवार शाम वह नमो घाट पहुंचेंगी। यहां से वह नाव के माध्यम से काशी के प्रसिद्ध घाटों की सुंदरता का आनंद लेते हुए दशाश्वमेध घाट तक जाएंगी। इसके बाद वह विश्व प्रसिद्ध गंगा आरती में शामिल होंगी।

भाजपा कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री के वाराणसी आगमन पर स्वागत किया। प्रशासन की ओर से भी उनके कार्यक्रम को लेकर सुरक्षा और अन्य व्यवस्थाएं पूरी की गई हैं। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की वाराणसी यात्रा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था कड़ी रही। प्रशासन ने घाटों और मंदिरों में व्यवस्थाओं को लेकर विशेष इंतजाम किए। भाजपा कार्यकर्ताओं ने उनके आगमन पर उत्साहपूर्वक स्वागत किया। यात्रा के दौरान धार्मिक स्थलों के दर्शन मुख्य केंद्र रहे।

सख्ती कानपुर दौरे पर पहुंचीं साध्वी निरंजन ज्योति ने स्वास्थ्य सुविधाओं को सराहा

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में होगी सख्त कार्रवाई : साध्वी निरंजन ज्योति

एजेंसी, कानपुर

अयोध्या स्थित राम मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी के मामले को लेकर राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग की अध्यक्ष एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति ने कहा कि यह घटना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जा रही है और जांच में जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

कानपुर दौरे के दौरान साध्वी निरंजन ज्योति ने कहा कि राम मंदिर देश के करोड़ों लोगों की आस्था और विश्वास का केंद्र है। किसी व्यक्ति की कथित गलती के कारण पूरे मंदिर और श्रद्धालुओं की भावनाओं पर सवाल नहीं उठाया जाना चाहिए। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे अफवाहों और भ्रामक सूचनाओं से बचें और जांच प्रक्रिया पर भरोसा रखें। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ स्वयं इस मामले पर नजर बनाए हुए हैं। प्रकरण की जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया है, जो सभी पहलुओं की जांच कर रहा है। उन्होंने कहा कि कानून अपना काम करेगा और दोषियों को किसी भी स्थिति में बख्शा नहीं जाएगा।

इस दौरान साध्वी निरंजन ज्योति ने केशवपुरम, आवास विकास स्थित लीला हॉस्पिटल का उद्घाटन भी किया। कार्यक्रम में महापौर प्रमिला पांडेय, विधायक सुरेंद्र मैथानी समेत कई चिकित्सक और सामाजिक कार्यकर्ता मौजूद रहे। अस्पताल प्रबंधन ने बताया कि लीला हॉस्पिटल आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं से लैस मल्टी स्पेशियलिटी अस्पताल है।

यहां जनरल मेडिसिन, सर्जरी, हड्डी रोग, स्त्री एवं प्रसूति रोग, बाल रोग, हृदय रोग, न्यूरोलॉजी और कैंसर उपचार जैसी सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। अस्पताल में 24 घंटे आपातकालीन सेवा, आधुनिक आईसीयू, जांच केंद्र और विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं की सुविधा भी उपलब्ध होगी। अस्पताल के उद्घाटन अवसर पर साध्वी निरंजन ज्योति ने कहा कि बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं आज के समय की बड़ी आवश्यकता हैं। आधुनिक तकनीक और विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता से मरीजों को अपने ही शहर में गुणवत्तापूर्ण उपचार मिल सकेगा। उन्होंने अस्पताल प्रबंधन को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ऐसे संस्थान आम लोगों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं को और मजबूत बनाते हैं।

लीला हॉस्पिटल के निदेशक डॉ. शिवम श्रीवास्तव और डॉ. नीलू श्रीवास्तव ने बताया कि अस्पताल में मरीजों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए अत्याधुनिक उपकरण लगाए गए हैं। यहां अनुभवी चिकित्सकों की टीम चौबीस घंटे स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराएगी। अस्पताल में गंभीर मरीजों के लिए आईसीयू, आपातकालीन सेवा और आधुनिक जांच सुविधाओं की व्यवस्था की गई है। उन्होंने बताया कि अस्पताल में विभिन्न स्वास्थ्य बीमा योजनाओं और टीपीए की सुविधा भी उपलब्ध रहेगी, जिससे मरीजों को उपचार के दौरान आर्थिक सहायता मिल सकेगी। अस्पताल प्रबंधन का उद्देश्य कानपुर और आसपास के क्षेत्रों के लोगों को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराना है।

बीएचयू ने अनुसंधान में नई उपलब्धि हासिल की उद्योगों को दिया दो प्रौद्योगिकियों का लाइसेंस

एजेंसी, वाराणसी

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय (बीएचयू) ने अपने अनुसंधान और नवाचार को समाज तक पहुंचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की है। विश्वविद्यालय ने अपनी विकसित दो अत्याधुनिक तकनीकों के लाइसेंस हस्तांतरण के लिए दो प्रमुख उद्योग संस्थानों के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। इनमें गेहूं की उन्नत किस्म और आयुर्वेद आधारित स्वास्थ्य आकलन उपकरण शामिल हैं।

गेहूं की रोग प्रतिरोधी किस्म और आयुर्वेद टूल का लाइसेंस हस्तांतरण

बीएचयू के कुलपति प्रो. अजित कुमार चतुर्वेदी की मौजूदगी में कुलसचिव राजन श्रीवास्तव ने मुंबई स्थित एमआरसी एग्रोटेक लिमिटेड और बेंगलुरु की इंडियन हेल्थ सिस्टम्स के प्रतिनिधियों के साथ समझौते पूरे किए। इस दौरान कृषि विज्ञान संस्थान और आयुर्वेद संकाय के वैज्ञानिक भी मौजूद रहे। विश्वविद्यालय के बौद्धिक संपदा अधिकार एवं प्रौद्योगिकी हस्तांतरण प्रकोष्ठ ने इस प्रक्रिया का समन्वय किया।

मालवीय 838 गेहूं किस्म से किसानों को मिलेगी नई उम्मीद

कुलपति प्रो. चतुर्वेदी ने कहा कि विश्वविद्यालय और उद्योगों के बीच सहयोग से अनुसंधान को जनहित में उपयोगी बनाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक खोजों का लाभ आम लोगों तक पहुंचना जरूरी है। बीएचयू में संचालित बायोनेस्ट और साथी जैसी पहलें नवाचार और तकनीकी हस्तांतरण को बढ़ावा दे रही हैं। कृषि विज्ञान संस्थान के आनुवंशिकी एवं पादप प्रजनन विभाग द्वारा विकसित गेहूं की उन्नत किस्म एचयूएम 838 (मालवीय 838) को एमआरसी एग्रोटेक लिमिटेड को हस्तांतरित किया गया है।

यह किस्म अधिक उत्पादन क्षमता, रोग प्रतिरोधक क्षमता और बेहतर गुणवत्ता के लिए जानी जाती है। इसमें गेहूं के ब्लास्ट, रतुआ, करनाल बंट और पाउडरी मिल्ड्यू जैसे रोगों के प्रति प्रतिरोध क्षमता पाई गई है। साथ ही इसमें प्रोटीन की मात्रा 11.8 प्रतिशत है और इसकी चपाती गुणवत्ता भी बेहतर है। दूसरी ओर, आयुर्वेद संकाय द्वारा विकसित 'अग्निबाला' स्व-मूल्यांकन उपकरण का लाइसेंस इंडियन हेल्थ सिस्टम्स को दिया गया है।

इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने के लिए हरियाणा में स्थापित होंगे 900 चार्जिंग स्टेशन

शहरी, औद्योगिक और व्यावसायिक क्षेत्रों में बढ़ेगा ईवी चार्जिंग ढांचा, यात्रियों को मिलेगी सुविधा

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

हरियाणा में इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने के लिए चार्जिंग नेटवर्क को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया जा रहा है। राज्य सरकार ने शहरी, औद्योगिक और व्यावसायिक क्षेत्रों में इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग सुविधाओं का व्यापक विस्तार करने की योजना तैयार की है। इसके तहत इस साल प्रदेशभर में 900 नए ईवी चार्जिंग स्टेशन स्थापित किए जाएंगे।

सरकार का उद्देश्य इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग को बढ़ावा देना और लोगों को चार्जिंग की बेहतर सुविधा उपलब्ध कराना है। अधिकारियों के अनुसार चार्जिंग स्टेशनों के विस्तार से इलेक्ट्रिक वाहन खरीदने वाले लोगों की सबसे बड़ी चिंता दूर होगी। वर्तमान में चार्जिंग सुविधाओं की सीमित उपलब्धता के कारण कई लोग

इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने में संकोच करते हैं। नए स्टेशन बनने से लोगों को लंबी दूरी की यात्रा के दौरान भी आसानी से चार्जिंग सुविधा मिल सकेगी।

नई चार्जिंग सुविधाएं प्रमुख शहरों, औद्योगिक क्षेत्रों, बाजारों और व्यावसायिक स्थानों पर विकसित की जाएंगी। इससे आम लोगों के साथ-साथ उद्योगों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को भी लाभ मिलेगा। सरकार की योजना है कि इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए एक मजबूत और भरोसेमंद आधारभूत ढांचा तैयार किया जाए, जिससे प्रदेश में ई-मोबिलिटी को गति मिल सके।

हरियाणा सरकार इलेक्ट्रिक वाहनों को पर्यावरण संरक्षण और प्रदूषण नियंत्रण के लिए महत्वपूर्ण विकल्प मान रही है। इलेक्ट्रिक वाहनों के बढ़ते उपयोग से पेट्रोल और डीजल पर निर्भरता कम होगी तथा कार्बन उत्सर्जन में भी कमी आएगी। सरकार का मानना है कि स्वच्छ परिवहन व्यवस्था विकसित करने से प्रदेश के पर्यावरण को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी।

ईवी चार्जिंग नेटवर्क के विस्तार से ऑटोमोबाइल क्षेत्र में भी नई संभावनाएं पैदा होंगी। चार्जिंग स्टेशन स्थापित होने से रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और इससे जुड़े व्यवसायों को प्रोत्साहन मिलेगा। इसके अलावा इलेक्ट्रिक वाहन चालकों को बेहतर सुविधा मिलने से लोगों का भरोसा भी बढ़ेगा। अधिकारियों के मुताबिक, चार्जिंग स्टेशनों की स्थापना के लिए उपयुक्त स्थानों का चयन किया जाएगा। इसमें यातायात की अधिकता वाले क्षेत्र, औद्योगिक केंद्र और सार्वजनिक स्थानों को प्राथमिकता दी जाएगी। इन स्टेशनों से इलेक्ट्रिक वाहन चालकों को बेहतर सुविधा उपलब्ध होगी।

हरियाणा में 650 निजी स्कूलों की 2300 बसों की फिटनेस जांच शुरू

भारतेन्दु संवाददाता, हिसार

मानवाधिकार आयोग के निर्देशों के बाद हिसार जिले में निजी स्कूलों की बसों की व्यापक फिटनेस जांच शुरू की जा रही है। जिले के करीब 650 निजी स्कूलों की लगभग 2300 बसों की जांच की जाएगी। इस अभियान का उद्देश्य स्कूली बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करना और परिवहन व्यवस्था को निर्धारित मानकों के अनुरूप बनाना है।

जानकारी के अनुसार यह कार्रवाई नूंह जिले के गांव छछेड़ा स्थित एक निजी स्कूल में सात वर्षीय बच्ची के साथ मारपीट के मामले के बाद मानवाधिकार आयोग द्वारा जारी निर्देशों के तहत की जा रही है। जांच अभियान के लिए जिले में छह अलग-अलग जांच केंद्र बनाए गए हैं। पहले चरण में हिसार शहर के निजी स्कूलों की बसों को पुलिस लाइन में बुलाया गया, जहां क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकरण (आरटीए) की विशेष टीमें बसों की फिटनेस, सुरक्षा उपकरणों, दस्तावेजों और अन्य आवश्यक मानकों की जांच कर रिपोर्ट तैयार करेंगी। अभियान के दौरान बसों की ब्रेक प्रणाली, अग्निशमन यंत्र, प्राथमिक उपचार किट, आपातकालीन निकास, गति नियंत्रक, सीसीटीवी कैमरे तथा अन्य सुरक्षा प्रबंधों की भी जांच की जाएगी।

नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित स्कूलों और वाहन संचालकों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। हालांकि कुछ स्कूल संचालकों ने सभी बसों को पुलिस लाइन तक बुलाने के निर्णय पर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि इससे अतिरिक्त ईंधन की खपत होगी, जबकि सरकार स्वयं ईंधन बचाने का संदेश देती है।

दिल्ली-जयपुर हाईवे पर ट्रक की टक्कर से बाइक सवार की मौत

भारतेन्दु संवाददाता, रेवाड़ी। दिल्ली-जयपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर शुक्रवार रात हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में राजस्थान के खैरथल-तिजारा जिले के निवासी एक युवक की जान चली गई। तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार युवक को पीछे से टक्कर मार दी। हादसे के बाद ट्रक चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की कार्रवाई शुरू की। घटना के बाद मृतक के परिवार में शोक का माहौल है। पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान राजस्थान के खैरथल-तिजारा जिले के निवासी श्रीभगवान के रूप में हुई है। शुक्रवार शाम वह अपनी बाइक से किसी काम से धारूहेड़ा की ओर जा रहा था। जब वह गांव सालावास के समीप दिल्ली-जयपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर पहुंचा, तभी पीछे से तेज गति से आ रहे एक ट्रक ने उसकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि श्रीभगवान सड़क पर गिर पड़े और गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद ट्रक चालक बिना रुके मौके से फरार हो गया। घटना के बाद आसपास मौजूद लोगों और अन्य वाहन चालकों ने तुरंत पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घायल को तत्काल अस्पताल पहुंचाया। चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। हादसे की खबर मिलते ही मृतक के परिजन अस्पताल पहुंचे, जहां उनका रो-रोकर बुरा हाल हो गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी होने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस ने अज्ञात ट्रक चालक के खिलाफ लापरवाही से वाहन चलाने और दुर्घटना के बाद फरार होने के आरोप में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जांच के दौरान पुलिस दुर्घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है, ताकि ट्रक और उसके चालक की पहचान की जा सके। इसके अलावा हाईवे से गुजरने वाले अन्य वाहनों और प्रत्यक्षदर्शियों से भी जानकारी जुटाई जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि तकनीकी साक्ष्यों और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी चालक की जल्द पहचान कर उसे गिरफ्तार किया जाएगा। पुलिस ने वाहन चालकों से अपील की है कि राष्ट्रीय राजमार्गों पर निर्धारित गति सीमा का पालन करें और लापरवाही से वाहन चलाने से बचें।

न्यूज ब्रीफ

फरीदाबाद में फिल्म एक्टर अनिल कपूर के दामाद की कंपनी में प्रदर्शन

भारतेन्दु संवाददाता, फरीदाबाद। सेक्टर-28 स्थित शाही एक्सपोर्ट कंपनी के सैकड़ों कर्मचारियों ने बोनस कटौती के विरोध में शनिवार को दूसरे दिन भी प्रदर्शन किया। कर्मचारियों का आरोप है कि पहले उन्हें 20 प्रतिशत बोनस मिलता था, जिसे अब घटाकर 8 प्रतिशत कर दिया गया है। उनका कहना है कि महंगाई के दौर में बोनस में कमी से परिवारों के बजट पर असर पड़ रहा है। कर्मचारियों ने पुरानी बोनस व्यवस्था बहाल करने की मांग की। सिलाई विभाग में काम करने वाली महिला कर्मचारियों ने बताया कि कोरोना के बाद से बोनस में लगातार कटौती की जा रही है। प्रदर्शन की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और कर्मचारियों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन उन्होंने मांग पूरी होने तक आंदोलन जारी रखने की बात कही।

हरियाणा में बिजली चोरी के मामलों में 56 करोड़ रुपए की वसूली के लिए 45 दिवसीय अभियान

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़। हरियाणा में बिजली चोरी के बकाया जुर्माने की वसूली के लिए 45 दिवसीय विशेष अभियान शुरू किया गया है। हरियाणा राज्य प्रवर्तन ब्यूरो के डीजीपी नवदीप सिंह विर्क ने सभी 22 जिलों के थाना प्रभारियों को लंबित मामलों की सूची तैयार कर जल्द कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। अभियान के तहत करीब 56 करोड़ रुपये की जुर्माना राशि वसूलने का लक्ष्य रखा गया है। अधिकारियों को एक लाख रुपये या उससे अधिक बकाया वाले मामलों की निगरानी करने को कहा गया है। डीजीपी ने बिजली चोरी को आर्थिक अपराध के साथ पर्यावरणीय नुकसान भी बताया और आम लोगों से ऊर्जा संरक्षण में सहयोग की अपील की।

हिसार में सीवरेज सफाई के दौरान युवक की मौत, जहाज पुल पर हादसा

भारतेन्दु संवाददाता, हिसार। जहाज पुल क्षेत्र में सीवरेज सफाई के दौरान एक दर्दनाक हादसा सामने आया, जिसमें एक युवक की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि युवक सीवरेज लाइन की सफाई के लिए अंदर उतरा था, जहां दम घुटने से उसकी जान चली गई। मृतक उत्तर प्रदेश का रहने वाला बताया जा रहा है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और संबंधित विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे। शव को बाहर निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और हादसे के कारणों का पता लगाया जा रहा है। घटना के बाद इलाके में शोक का माहौल है।

पानीपत में युवक ने जहर खाकर दी जान परिजनों ने महिला पर लगाए गंभीर आरोप

भारतेन्दु संवाददाता, पानीपत। पानीपत जिले में एक युवक द्वारा आत्महत्या किए जाने का मामला सामने आया है। परिजनों ने आरोप लगाया है कि युवक पिछले करीब दो साल से एक महिला की कथित प्रताड़ना से परेशान था। परिवार का कहना है कि महिला ने उसे जहर पिलाया, जिसके बाद उसकी हालत बिगड़ गई और उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। परिजनों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की पूरी जांच के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी। घटना से क्षेत्र में सनसनी फैल गई है।

हरियाणा में 135 जर्जर स्कूल भवन होंगे ध्वस्त, नई इमारतों का होगा निर्माण

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने प्रदेश के 135 जर्जर और असुरक्षित स्कूल भवनों को गिराकर नए भवन बनाने की तैयारी शुरू कर दी है। शिक्षा विभाग के सर्वे में इन इमारतों को कंडम घोषित किया गया है। मुख्यमंत्री नायब सैनी के निर्देशों के बाद आगामी सत्र में व्यवस्थीकरण की कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ ही जलभराव वाले स्कूलों की रिपोर्ट भी तैयार होगी। शिक्षा निदेशक जितेंद्र दहिया ने अधिकारियों को डिजिटल सुविधाओं की सही जानकारी अपडेट करने के निर्देश दिए हैं।

बिजली संकट से हरियाणा बेहाल तीन जिलों में सड़क पर उतरे लोग

भारतेन्दु संवाददाता, हिसार

हरियाणा में भीषण गर्मी और लगातार बढ़ती बिजली मांग के बीच बिजली संकट गहरा गया है। राज्य के कई हिस्सों में लंबे समय तक बिजली आपूर्ति बाधित रहने से लोगों का आक्रोश बढ़ गया। स्थिति इतनी गंभीर हो गई कि तीन जिलों में महिलाओं, बुजुर्गों और स्थानीय लोगों ने सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन किया और कई स्थानों पर जाम लगा दिया।

प्रदर्शनकारियों ने नियमित और निर्बाध बिजली आपूर्ति की मांग करते हुए प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी भी की। बिजली कटौती के कारण लोगों को गर्मी में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। घरों में पेयजल आपूर्ति प्रभावित होने के साथ ही छोटे कारोबार और दैनिक गतिविधियां भी प्रभावित हुई हैं। ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों से लगातार बिजली कटौती की शिकायतें सामने आ रही हैं। लोगों का कहना है कि कई घंटों तक बिजली नहीं मिलने से सामान्य जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है।

उधर, बिजली विभाग के अनुसार राज्य में बिजली की मांग ने नया रिकॉर्ड बना लिया है। अत्यधिक तापमान और उमस के कारण एयर कंडीशनर, कूलर तथा अन्य विद्युत उपकरणों के अधिक उपयोग से बिजली की खपत में अचानक वृद्धि हुई है। विभाग का कहना है कि मांग और आपूर्ति के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं और बिजली व्यवस्था को सामान्य करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। मौसम विभाग ने अगले दो दिनों के भीतर कुछ क्षेत्रों में बारिश की संभावना जताई है।

हरियाणा कांग्रेस को मजबूत करने निकले प्रभारी संजय दत्त, पंचकूला से दौरे की शुरुआत

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

हरियाणा कांग्रेस के संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करने और जमीनी स्तर पर पार्टी की स्थिति का आकलन करने के उद्देश्य से प्रदेश प्रभारी संजय सतीशचंद्र दत्त 19 से 23 जुलाई तक राज्य के पांच जिलों के दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वह 18 विधानसभा क्षेत्रों के कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों और जिला कांग्रेस कमेटियों के प्रतिनिधियों से सीधे संवाद करेंगे। उनके दूसरे चरण के इस दौरे की शुरुआत 19 जुलाई को पंचकूला से होगी।

दौरे के दौरान संजय दत्त पंचकूला के बाद यमुनानगर, अंबाला, कुरुक्षेत्र और करनाल का दौरा करेंगे। प्रत्येक जिले में जिला कांग्रेस कमेटियों, विधानसभा स्तर के पदाधिकारियों, ब्लॉक अध्यक्षों तथा सक्रिय कार्यकर्ताओं के साथ अलग-अलग बैठकें आयोजित की जाएंगी। इन बैठकों में संगठन की वर्तमान स्थिति, बूथ स्तर की तैयारियों, कार्यकर्ताओं की समस्याओं और आगामी राजनीतिक रणनीति पर विस्तार से चर्चा होगी।

पार्टी सूत्रों के अनुसार इस दौरे का मुख्य उद्देश्य संगठन में सक्रियता बढ़ाना, गुटबाजी को कम करना और कार्यकर्ताओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना है। कांग्रेस नेतृत्व चाहता है कि जिला और विधानसभा स्तर पर संगठन अधिक मजबूत और सक्रिय बने, ताकि भविष्य के चुनावों की तैयारियां प्रभावी ढंग से की जा सकें।

बताया गया है कि पहले चरण में संजय दत्त ने प्रदेश के वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात कर उनके सुझाव लिए थे। अब दूसरे चरण में उनका पूरा ध्यान जमीनी कार्यकर्ताओं और स्थानीय संगठन की मजबूती पर रहेगा।

रेवाड़ी में परिवार को कमरे में बंद कर लाखों की चोरी

भारतेन्दु संवाददाता, रेवाड़ी। रसूली गांव में शुक्रवार रात चोरों ने एक ट्रांसपोर्टर के घर में सेंध लगाकर लाखों रुपये के गहने, नकदी और जरूरी दस्तावेज चोरी कर लिए। बदमाश खिड़की की ग्रिल उखाड़कर घर में दाखिल हुए और जिस कमरे में परिवार सो रहा था, उसे बाहर से बंद कर वारदात को अंजाम दिया। पीड़ित ट्रांसपोर्टर आकाश यादव ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि सुबह उठने पर कमरे का दरवाजा बाहर से बंद मिला। पड़ोसियों की मदद से बाहर निकलने पर घर का सामान बिखरा हुआ था। जांच करने पर अलमारी और लॉकर से करीब 10 लाख रुपये से अधिक के सोने चांदी के आभूषण, नकदी, पासपोर्ट तथा लॉकर की चाबी गायब मिली। सूचना मिलते ही सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मानसून में झज्जर बनेगा हरा-भरा, 82 हजार पौधा रोपण और दो लाख पौधों का होगा वितरण

भारतेन्दु संवाददाता, झज्जर

झज्जर जिले को हराभरा बनाने और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से वन विभाग ने इस वर्ष मानसून के दौरान व्यापक पौधारोपण अभियान शुरू किया है। विभाग ने वर्षा ऋतु में जिले के विभिन्न क्षेत्रों में 82 हजार पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इसके साथ ही आमजन की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए करीब दो लाख पौधे निःशुल्क वितरित किए जाएंगे। इस अभियान के माध्यम से जिले में हरित क्षेत्र बढ़ाने के साथ-साथ लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करने का भी प्रयास किया जाएगा।

वन विभाग के अधिकारियों के अनुसार लगाए जाने वाले पौधों में छायादार, फलदार और औषधीय प्रजातियों को प्राथमिकता दी जाएगी। सड़क किनारे, सरकारी कार्यालयों, विद्यालयों, पंचायत भूमि, सार्वजनिक स्थानों तथा अन्य उपयुक्त क्षेत्रों में पौधारोपण किया जाएगा। इसके अलावा स्कूलों, सामाजिक संस्थाओं, ग्राम पंचायतों और विभिन्न सरकारी विभागों को भी

बड़ी संख्या में पौधे उपलब्ध कराए जाएंगे, ताकि अधिक से अधिक लोग इस अभियान से जुड़ सकें।

विभाग का कहना है कि केवल पौधे लगाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनका संरक्षण भी उतना ही महत्वपूर्ण है। इसलिए पौधों की नियमित देखभाल, सिंचाई और सुरक्षा के लिए विशेष व्यवस्था की गई है। अधिकारियों ने लोगों से अपील की है कि वे लगाए गए पौधों की देखरेख में सहयोग करें, ताकि उनका बेहतर विकास हो सके और अभियान सफल बने। वन विभाग ने बताया कि बढ़ते प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और लगातार घटते हरित क्षेत्र को देखते हुए बड़े स्तर पर पौधारोपण समय की आवश्यकता बन गया है। इसी उद्देश्य से यह अभियान चलाया जा रहा है। विभाग की ओर से जिले के 121 वृद्ध पेड़ों को 'प्राण वायु देवता' योजना के तहत संरक्षण दिया जा रहा है और उन्हें पेंशन योजना का लाभ भी मिल रहा है।

विभाग का मानना है कि जनसहभागिता से यह अभियान सफल होगा और आने वाले वर्षों में झज्जर अधिक हरा-भरा, स्वच्छ और पर्यावरण की दृष्टि से समृद्ध जिला बन सकेगा। वन विभाग ने नागरिकों से अपील की है कि प्रत्येक परिवार कम से कम एक पौधा अवश्य लगाए और उसकी नियमित देखभाल की जिम्मेदारी भी निभाए। विभाग का मानना है कि जनसहभागिता से ही हरित अभियान को स्थायी सफलता मिलेगी और आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ, सुरक्षित तथा संतुलित पर्यावरण उपलब्ध कराया जा सकेगा।

तेज रफ्तार कैंटर ने ली छात्र की जान, चालक मौके से फरार

भारतेन्दु संवाददाता, रेवाड़ी। साहबी पुल के पास देर शाम हुए सड़क हादसे में एक छात्र की मौत हो गई, जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद कैंटर चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया। सूचना मिलने पर धारूहेड़ा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया। पुलिस के अनुसार गांव कारोली निवासी धर्मवीर ने शिकायत में बताया कि उसका भतीजा शुभम अपने दोस्त रजत के साथ बाइक से कोसली कोर्ट गया था। शाम को दोनों भिवाड़ी लौट रहे थे। साहबी पुल के पास शनि देव मंदिर के निकट पीछे से आए तेज रफ्तार कैंटर ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। अस्पताल में चिकित्सकों ने शुभम को मृत घोषित कर दिया, जबकि रजत का उपचार जारी है। पुलिस ने अज्ञात कैंटर चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है।

स्वास्थ्य सेवाओं में कोताही पर सिविल सर्जन समेत आठ डॉक्टरों पर कार्रवाई

भारतेन्दु संवाददाता, हिसार

हरियाणा सरकार ने स्वास्थ्य सेवाओं में कथित लापरवाही के मामले में हिसार की सिविल सर्जन डॉ. सपना गहलावत समेत आठ डॉक्टरों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई शुरू कर दी है। स्वास्थ्य विभाग ने सभी संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध हरियाणा सिविल सेवा (दंड एवं अपील) नियम, 2016 के तहत चार्जशीट जारी करने की प्रक्रिया शुरू करने के निर्देश दिए हैं।

स्वास्थ्य विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव (एसीएस) ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि सभी संबंधित डॉक्टरों के खिलाफ 15 दिनों के भीतर चार्जशीट का मसौदा तैयार किया जाए। इसके बाद चार्जशीट का कानूनी परीक्षण विभाग के सरकारी वकील (एडीजी) से कराया जाएगा, ताकि आगे की कार्रवाई नियमों के अनुरूप और बिना किसी कानूनी बाधा के पूरी की जा सके। इसके साथ ही राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के निदेशक को भी निर्देश दिए गए हैं कि संबंधित अधिकारियों से जुड़े सभी दस्तावेज, फाइलें, सेवा अभिलेख और अन्य आवश्यक रिकॉर्ड शीघ्र महानिदेशक स्वास्थ्य सेवाएं कार्यालय को उपलब्ध कराए जाएं। इन अभिलेखों के आधार पर विभागीय जांच की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी।

सरकार का कहना है कि स्वास्थ्य सेवाओं में किसी भी स्तर पर लापरवाही या कर्तव्यों के निर्वहन में कोताही को गंभीरता से लिया जाएगा। विभागीय कार्रवाई का उद्देश्य जवाबदेही सुनिश्चित करना और सरकारी स्वास्थ्य व्यवस्था में अनुशासन बनाए रखना है। चार्जशीट का मसौदा तैयार होने और कानूनी जांच पूरी होने के बाद संबंधित अधिकारियों को नोटिस जारी किए जाएंगे। इसके पश्चात विभागीय जांच की अगली प्रक्रिया शुरू होगी और नियमों के अनुसार दोष तय होने पर आवश्यक अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। स्वास्थ्य विभाग ने स्पष्ट किया है कि पूरे मामले में नियमानुसार और पारदर्शी तरीके से कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

भट्टू रोड पर चलती कार में लगी भीषण आग, दो लोगों ने कूदकर बचाई जान

भारतेन्दु संवाददाता, फतेहाबाद

शहर के भट्टू रोड स्थित अग्रवाल कॉलोनी मोड़ के पास शुक्रवार देर रात एक बड़ा हादसा टल गया, जब एक इटियॉस कार में अचानक भीषण आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि कुछ ही मिनटों में पूरी कार धू-धूकर जलने लगी। राहत की बात यह रही कि कार में बैठे दोनों युवक समय रहते बाहर निकल गए, जिससे किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई।

जानकारी के अनुसार, कार मालिक अग्रवाल कॉलोनी में किराए के मकान में रहता है और एक निजी कंपनी में कार्यरत है। शुक्रवार रात करीब 11:30 बजे वह पंजाब नंबर की इटियॉस कार को मोड़ के पास खड़ी कर अपने एक साथी के साथ बातचीत कर रहा था। इसी दौरान कार के अगले हिस्से से अचानक धुआं उठने लगा। दोनों युवक तुरंत कार से बाहर निकले और कारण जानने का प्रयास करने लगे। तभी कार की एसी कंप्रेसर तेज धमाके के साथ फट गया और वाहन ने भीषण आग पकड़ ली। दोनों युवकों ने अपने स्तर पर आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन आग इतनी तेजी से फैल चुकी थी कि कुछ ही देर में पूरी कार आग के गोले में बदल गई। देखते ही देखते वाहन पूरी तरह जलकर कबाड़ बन गया। घटना के बाद आसपास के क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

शनिवार सुबह स्थानीय लोगों ने सड़क किनारे जली हुई कार देखी तो पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और कार के नंबर के आधार पर उसके मालिक का पता लगाया। पुलिस ने कार मालिक और उसके साथी से पूछताछ कर घटना की जानकारी जुटाई। इस हादसे का एक सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें कार में आग लगने की घटना कैद बताई जा रही है।

प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण एसी कंप्रेसर का फटना माना जा रहा है। हालांकि पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और तकनीकी कारणों की भी पड़ताल की जा रही है। समय रहते दोनों युवकों के कार से बाहर निकल जाने से एक बड़ा हादसा टल गया। पुलिस ने वाहन मालिक से कार की सर्विस हिस्ट्री और हाल ही में कराए गए मरम्मत कार्य की जानकारी भी जुटानी शुरू कर दी है। अधिकारियों ने वाहन चालकों से अपील की है कि किसी भी तरह का धुआं, जलने की गंध या तकनीकी खराबी महसूस होने पर तुरंत वाहन रोककर सुरक्षित स्थान पर पहुंचें और बिना देर किए संबंधित विशेषज्ञ से उसकी जांच कराएं।

प्रधानमंत्री आवास योजना में दो सगे भाइयों को मिली एक साथ नए घर की चाबी

पक्के घर की सौगात मिलने से कई जरूरतमंद परिवारों के चेहरे खिले, लाभार्थियों ने सरकार का जताया आभार

भारतेन्दु संवाददाता, अंबाला

प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत अंबाला में आयोजित एक कार्यक्रम कई परिवारों के लिए यादगार बन गया। पुलिस लाइन ऑडिटोरियम में आयोजित समारोह के दौरान पात्र लाभार्थियों को उनके नए घरों की चाबियां सौंपी गईं। कार्यक्रम में सबसे भावुक और प्रेरणादायक पल उस समय देखने को मिला, जब गांव जलबेहड़ा के दो सगे भाइयों विक्रम सिंह और गोपी चंद को एक ही मंच से उनके नए पक्के मकानों की चाबियां प्रदान की गईं।

वर्षों से अपने घर का सपना संजोए दोनों परिवारों के चेहरों पर खुशी और संतोष साफ दिखाई दे रहा था। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर और जरूरतमंद परिवारों को सुरक्षित एवं पक्का आवास उपलब्ध कराना है। इसी योजना के तहत अंबाला जिले के कई पात्र परिवारों को नए मकानों की सौगात मिली। कार्यक्रम में लाभार्थियों ने सरकार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वर्षों तक कच्चे मकानों और अस्थायी आश्रयों में रहने के बाद अब उन्हें अपना पक्का घर मिला है, जिससे उनका जीवन अधिक सुरक्षित और सम्मानजनक बनेगा।

गांव जलबेहड़ा के रहने वाले विक्रम सिंह और गोपी चंद के लिए यह दिन किसी त्योहार से कम नहीं था। दोनों भाइयों ने बताया कि वर्षों से वे अपने परिवार के साथ पक्के घर का सपना देख रहे थे। सीमित आय और आर्थिक परिस्थितियों के कारण वे अपना घर नहीं बना पा रहे थे। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मिली सहायता से उनका यह सपना साकार हो गया है। उन्होंने कहा कि अब उनका परिवार सुरक्षित और बेहतर वातावरण में रह सकेगा। समारोह के दौरान अन्य लाभार्थियों को भी मकानों की चाबियां सौंपी गईं। कई परिवारों ने इसे अपने जीवन का सबसे महत्वपूर्ण दिन बताया।

लोगों का कहना था कि अपना घर केवल रहने की जगह नहीं, बल्कि आत्मसम्मान, सुरक्षा और बेहतर भविष्य की पहचान भी है। योजना से महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों को विशेष लाभ मिलेगा तथा परिवारों के जीवन स्तर में सुधार आएगा। कार्यक्रम में मौजूद अधिकारियों ने कहा कि सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का उद्देश्य अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाना है।

प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से हजारों जरूरतमंद परिवारों को पक्का घर उपलब्ध कराया जा रहा है। अधिकारियों ने लाभार्थियों से मकानों का उचित रखरखाव करने और योजना का सही उपयोग करने की अपील भी की। अंबाला में आयोजित यह कार्यक्रम केवल चाबियां सौंपने का समारोह नहीं रहा, बल्कि अनेक परिवारों के सपनों के साकार होने का प्रतीक बन गया। विशेष रूप से एक ही मंच पर दो सगे भाइयों को अपने-अपने घर की चाबी मिलना पूरे कार्यक्रम का सबसे भावुक क्षण रहा। इस दृश्य ने उपस्थित लोगों को भावुक कर दिया और यह संदेश दिया कि सरकारी योजनाओं का लाभ सही पात्र लोगों तक पहुंचने पर उनके जीवन में वास्तविक बदलाव संभव है।

समारोह में मौजूद लाभार्थियों ने कहा कि पक्का घर मिलने से उनके परिवार को न केवल सुरक्षित आश्रय मिला है, बल्कि बच्चों की पढ़ाई और बुजुर्गों के रहने के लिए भी बेहतर वातावरण उपलब्ध होगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि सरकार की ऐसी जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ आगे भी पात्र परिवारों तक पहुंचता रहेगा। अधिकारियों ने बताया कि योजना के प्रभावी क्रियान्वयन से ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों के जीवन स्तर में निरंतर सुधार देखने को मिल रहा है और अधिक से अधिक पात्र परिवारों को इसका लाभ दिलाने के प्रयास जारी हैं।

एआईआईए और आईआईटी दिल्ली का समझौता पांच साल बढ़ा

शोधकर्ताओं और विद्यार्थियों को संयुक्त अनुसंधान व प्रशिक्षण का मिलेगा बेहतर अवसर

एजेंसी, नई दिल्ली

अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआईआईए) और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली (आईआईटी दिल्ली) के बीच अनुसंधान, नवाचार और शैक्षणिक सहयोग को लेकर हुआ समझौता ज्ञापन (एमओयू) अगले पांच वर्षों के लिए बढ़ा दिया गया है। इस निर्णय से आयुर्वेद और आधुनिक विज्ञान के बीच सहयोग को और मजबूती मिलने की उम्मीद है। दोनों संस्थान मिलकर स्वास्थ्य क्षेत्र में नए शोध, तकनीकी विकास और नवाचार को बढ़ावा देंगे।

इस समझौते के विस्तार की घोषणा एआईआईए में आयोजित तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी 'सौश्रुतम् 2026' के समापन समारोह में की गई। संस्थान के निदेशक प्रो. (वैद्य) पीके प्रजापति ने कहा कि यह पहल आयुर्वेद और आधुनिक विज्ञान के बीच अनुसंधान के नए अवसर तैयार करेगी। उन्होंने कहा कि दोनों संस्थानों की विशेषज्ञता के मेल से स्वास्थ्य क्षेत्र में बेहतर समाधान विकसित किए जा सकेंगे।

एआईआईए और आईआईटी दिल्ली के बीच यह सहयोग आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धतियों को वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इसके तहत आधुनिक तकनीकों, अनुसंधान विधियों और वैज्ञानिक उपकरणों की मदद से आयुर्वेद आधारित उपचार पद्धतियों का अध्ययन किया जाएगा। इससे आयुर्वेद की प्राचीन ज्ञान परंपरा को आधुनिक वैज्ञानिक प्रमाणों के साथ मजबूत आधार मिलेगा। सौश्रुतम् 2026 संगोष्ठी में देश-विदेश के विशेषज्ञों ने आयुर्वेद, चिकित्सा विज्ञान और स्वास्थ्य अनुसंधान से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की। कार्यक्रम में आयुर्वेद की संभावनाओं, नई तकनीकों के उपयोग और स्वास्थ्य

सेवाओं को बेहतर बनाने के उपायों पर विचारझ विमर्श किया गया।

एमओयू के विस्तार के बाद दोनों संस्थान संयुक्त परियोजनाओं पर काम करेंगे। इसमें अनुसंधान गतिविधियां, विद्यार्थियों और शोधकर्ताओं के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा नई तकनीकों का विकास शामिल होगा।

इससे छात्रों और वैज्ञानिकों को एक-दूसरे के अनुभवों से सीखने का अवसर भी मिलेगा। विशेषज्ञों का मानना है कि आयुर्वेद और इंजीनियरिंग विज्ञान के बीच सहयोग से दवाओं के विकास, चिकित्सा उपकरणों और स्वास्थ्य तकनीक के क्षेत्र में नई संभावनाएं पैदा होंगी। आधुनिक वैज्ञानिक तकनीकों के इस्तेमाल से आयुर्वेदिक उपचारों की प्रभावशीलता को समझने और प्रमाणित करने में सहायता मिलेगी।

ई20 पेट्रोल से कार में परेशानी के संकेत तुरंत जांच कराएं वरना बढ़ेगा खर्च

एजेंसी, नई दिल्ली

भारत में अब अधिकांश पेट्रोल पंपों पर ई20 पेट्रोल उपलब्ध होने लगा है और सरकार इसे देशभर में अनिवार्य करने की दिशा में आगे बढ़ रही है। एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल को पर्यावरण के लिए बेहतर विकल्प माना जा रहा है, क्योंकि इससे प्रदूषण कम करने और कच्चे तेल के आयात पर निर्भरता घटाने में मदद मिलने की उम्मीद है। हालांकि, ई20 पेट्रोल के इस्तेमाल को लेकर कई वाहन चालकों के मन में तकनीकी समस्याओं को लेकर चिंता भी बनी हुई है।

विशेषज्ञों के अनुसार, जिन वाहनों के इंजन ई20 पेट्रोल के अनुरूप तैयार नहीं किए गए हैं, उनमें लंबे समय तक इसका इस्तेमाल करने पर कुछ परेशानियां सामने आ सकती हैं। इसलिए वाहन चालकों को कार में आने वाले

ई20 पेट्रोल के बाद कार में बदलाव, इंजन खराबी से पहले रहें सतर्क।

बदलावों पर ध्यान देना जरूरी है।

सबसे आम समस्या इंजन के मिसफायर की हो सकती है। यदि कार स्टार्ट होने के बाद सही पिकअप नहीं ले रही है या चलते समय झटके दे रही है, तो यह संकेत हो सकता है कि इंजन ईंधन को पूरी तरह से जला नहीं पा रहा है। इससे स्पार्क प्लग और ईंधन इंजेक्टर पर अतिरिक्त दबाव पड़ सकता है।

इसके अलावा, माइलेज में अचानक कमी भी चिंता का कारण बन सकती है। एथेनॉल की ऊर्जा क्षमता पेट्रोल की तुलना में कम होती है, इसलिए सामान्य रूप से माइलेज में तीन से पांच प्रतिशत तक गिरावट आ सकती है। लेकिन यदि कार का माइलेज 20 से 30 प्रतिशत तक कम हो जाए, तो यह ईंधन पंप या इंजन ट्यूनिंग में खराबी का संकेत हो सकता है।

वाहन चालकों को ईंधन पंप से आने वाली असामान्य आवाजों पर भी ध्यान देना चाहिए।

न्यूज ब्रीफ

विश्व रिकॉर्ड के लक्ष्य के साथ दो अगस्त को होगा देश का सबसे बड़ा महा रक्तदान अभियान

एजेंसी, नई दिल्ली। लक्ष्मी तरु फाउंडेशन ने दो अगस्त को रोहिणी स्थित जापानी पार्क में महा रक्तदान अभियान आयोजित करने की घोषणा की है। अभियान का लक्ष्य करीब 3100 यूनिट रक्त एकत्र कर विश्व कीर्तिमान बनाना है। कार्यक्रम में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगी। आयोजकों ने बताया कि शिविर सुबह आठ बजे से शाम छह बजे तक आयोजित किया जाएगा। एकत्रित रक्त सशस्त्र बलों के जवानों, थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों और जरूरतमंद मरीजों के उपचार में उपयोग किया जाएगा। अभियान में स्वास्थ्य जांच, स्टेम सेल पंजीकरण, थैलेसीमिया जागरूकता और नेत्रदान संकल्प की सुविधा भी उपलब्ध रहेगी। फाउंडेशन ने युवाओं और आम नागरिकों से रक्तदान में भाग लेने की अपील की है।

कांग्रेस प्रवक्ता की टिप्पणी के विरोध में वाल्मीकि समाज का प्रदर्शन

एजेंसी, नई दिल्ली। संत महर्षि भगवान वाल्मीकि के खिलाफ कांग्रेस प्रवक्ता दीपक झा की कथित आपत्तिजनक टिप्पणी के विरोध में शनिवार को वाल्मीकि धर्म सम्मान रक्षा समिति ने राजघाट के सामने धरना प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में दिल्ली भाजपा अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा भी शामिल हुए। उन्होंने कांग्रेस और उसके प्रवक्ता पर वाल्मीकि समाज की भावनाओं को आहत करने का आरोप लगाया। महामंडलेश्वर कृष्ण शाह विद्यार्थी महाराज की अध्यक्षता में आयोजित धरने में वाल्मीकि और दलित समाज के कई प्रमुख लोग मौजूद रहे। हर्ष मल्होत्रा ने कहा कि डिबेट में की गई टिप्पणी केवल एक व्यक्ति का अपमान नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों की आस्था और सांस्कृतिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाला बयान है। उन्होंने मामले में विरोध दर्ज कराया।

पीएम ई-ड्राइव योजना के तहत दिल्ली को मिलेंगी 2,800 इलेक्ट्रिक बसें

एजेंसी, नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने पीएम ई-ड्राइव योजना के तहत राजधानी में 2800 नई एसी लो-फ्लोर इलेक्ट्रिक बसें शामिल करने का फैसला लिया है। ये बसें अगले साल से सड़कों पर चलने लगेंगी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बताया कि सरकार सार्वजनिक परिवहन को मजबूत करने और प्रदूषण कम करने की दिशा में यह कदम उठा रही है। इनमें 1400 बसें 12 मीटर लंबी और 1400 बसें 9 मीटर लंबी होंगी। छोटी बसों का संचालन संकरी सड़कों और ग्रामीण क्षेत्रों में किया जाएगा, जिससे अंतिम छोर तक परिवहन सुविधा बेहतर होगी। सभी बसों का संचालन दिल्ली परिवहन निगम करेगा। सरकार का लक्ष्य वर्ष 2028-29 तक सार्वजनिक परिवहन बेड़े को करीब 14 हजार बसों तक बढ़ाना है।

अभाविप ने दिल्ली विश्वविद्यालय के चुनाव संबंधी निर्णयों का किया स्वागत

एजेंसी, नई दिल्ली। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) ने दिल्ली विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा छात्रसंघ चुनाव-2026 के लिए जारी दिशा-निर्देशों का स्वागत किया है। संगठन ने कहा कि चुनाव प्रक्रिया को पारदर्शी, अनुशासित और गरिमापूर्ण बनाने के लिए उठाए गए कदम छात्र राजनीति में स्वस्थ लोकतांत्रिक परंपराओं को मजबूत करेंगे। अभाविप दिल्ली के प्रांत मंत्री सार्थक शर्मा ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा दिल्ली उच्च न्यायालय और लिंगदोह समिति की सिफारिशों के अनुरूप चुनाव व्यवस्था को बेहतर बनाने के प्रयास सराहनीय हैं। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक संपत्ति की सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण और चुनाव प्रचार के लिए आचार-संहिता का पालन जरूरी है। उन्होंने बताया कि अभाविप हमेशा सकारात्मक, मुद्दा आधारित और मूल्यनिष्ठ छात्र राजनीति की समर्थक रही है। सभी छात्र संगठनों को विश्वविद्यालय के नियमों का पालन करते हुए लोकतांत्रिक तरीके से चुनाव में भाग लेना चाहिए। डीयू प्रशासन ने 'नो पेंटिंग, नो प्रिंटिंग और नो पेस्टिंग' नियम लागू करने का फैसला लिया है।

भारत जल्द वैश्विक विकास में बढ़ाएगा योगदान युवाओं से उद्यमिता और जोखिम लेने की अपील

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को कहा कि भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था है और आने वाले वर्षों में वैश्विक विकास में देश का योगदान एक-छठे हिस्से से अधिक होने की संभावना है। उन्होंने युवाओं और उद्यमियों से नए अवसरों का लाभ उठाने तथा जोखिम लेकर आगे बढ़ने का आह्वान किया।

मदुरै में आयोजित यंग इंडियंस फाइनेंशियल इंडिपेंडेंस (वाईआईएफआई) समिट 2026 में संबोधन के दौरान वित्त मंत्री ने कहा कि भारत का स्टार्टअप इकोसिस्टम दुनिया में तीसरे स्थान पर पहुंच गया है। देश में डीपीआईआईटी से मान्यता प्राप्त 2.4 लाख से अधिक स्टार्टअप्स ने 23 लाख से ज्यादा प्रत्यक्ष रोजगार सृजित किए हैं। उन्होंने बताया कि भारत में 2,100

से अधिक वैश्विक क्षमता केंद्र कार्यरत हैं और डिजिटल सार्वजनिक ढांचा दुनिया के लिए उदाहरण बन चुका है।

यूपीआई के माध्यम से हर महीने 20 अरब से अधिक लेन-देन हो रहे हैं। सीतारमण ने कहा कि भारत की युवा शक्ति और उद्यमशीलता देश को वैश्विक आर्थिक नेतृत्व की ओर ले जा रही है। उन्होंने युवाओं से नवाचार और आत्मविश्वास के साथ देश के विकास में योगदान देने की अपील की।

66000 वोल्ट लाइन टूटने से हाईवे ठप, ढाई घंटे फंसे वाहन

एजेंसी, नई दिल्ली।

नरसिंहपुर के पास हाईवे पर शनिवार को 66000 वोल्ट की हाईटेंशन बिजली लाइन का तार गिरने से बड़ा हादसा टल गया। अचानक तार सड़क पर गिरने के बाद हाईवे पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सुरक्षा के लिहाज से वाहनों की आवाजाही प्रभावित हुई और दोनों तरफ लंबा जाम लग गया। देखते ही देखते हाईवे पर वाहनों की कई किलोमीटर लंबी कतार लग गई। सूचना मिलते ही बिजली निगम की टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद गिरे हुए तार को हटाया। इसके बाद यातायात व्यवस्था बहाल करने के लिए ट्रैफिक पुलिस ने मोर्चा संभाला और वाहनों को सुचारु रूप से निकलवाया। करीब ढाई घंटे तक वाहन चालक जाम में फंसे रहे। गर्मी और उमस के बीच यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। राहत की बात रही कि हादसे में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई।

सीबीआई ने दिल्ली में उप-पंजीयक समेत दो को 80 हजार की रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़ा

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने दिल्ली में रिश्वतखोरी के एक मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए उप-पंजीयक कार्यालय के एक अधिकारी और उसके सहयोगी को गिरफ्तार किया है। सीबीआई ने पंजाबी बाग, नांगलोई स्थित उप पंजीयक कार्यालय में तैनात नंद किशोर मीना और सुभाष गांधी नामक व्यक्ति को 80 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा है।

सीबीआई के अनुसार, दोनों आरोपियों पर आरोप है कि उन्होंने संपत्ति की गिफ्ट डीड दर्ज करने के लिए शिकायतकर्ता से रिश्वत की मांग की थी। शिकायत में बताया गया था कि उप-पंजीयक नंद किशोर मीना ने दस्तावेज दर्ज करने की प्रक्रिया पूरी करने के लिए एक लाख रुपये की रिश्वत मांगी थी। इसके बाद शिकायतकर्ता ने मामले

की जानकारी सीबीआई को दी। शिकायत मिलने के बाद सीबीआई ने मामले की प्रारंभिक जांच की और आरोपों की पुष्टि होने पर कार्रवाई की योजना बनाई।

एजेंसी ने शुक्रवार को जाल बिछाया और रिश्वत की रकम लेते समय दोनों आरोपियों को पकड़ लिया। सीबीआई अधिकारियों के मुताबिक, आरोपी शिकायतकर्ता से 80 हजार रुपये की रिश्वत ले रहे थे, तभी उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार किए गए नंद किशोर मीना पंजाबी बाग, नांगलोई उप-पंजीयक कार्यालय में कार्यरत थे। वहीं सुभाष गांधी पर आरोप है कि वह रिश्वत लेने में अधिकारी की मदद कर रहा था। सीबीआई ने दोनों आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

जांच एजेंसी ने दोनों के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है। सीबीआई अधिकारियों का कहना है कि मामले से जुड़े अन्य पहलुओं की भी जांच की जा रही है। एजेंसी यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि क्या आरोपी पहले भी इस तरह की गतिविधियों में शामिल रहे हैं और क्या इस मामले में अन्य लोगों की भूमिका भी है। सीबीआई ने कहा कि भ्रष्टाचार से जुड़े मामलों में उसकी कार्रवाई लगातार जारी है। सरकारी कार्यालयों में रिश्वतखोरी रोकने और आम लोगों को राहत देने के उद्देश्य से एजेंसी शिकायतों पर तेजी से कार्रवाई कर रही है।

डाक विभाग के शुभंकर के लिए केंद्र ने शुरू की डिजाइन प्रतियोगिता

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने भारतीय डाक विभाग (इंडिया पोस्ट) का आधिकारिक शुभंकर (मैस्कॉट) तैयार करने के लिए देशभर के नागरिकों से प्रविष्टियां आमंत्रित की हैं। इसके लिए 'इनोवेट इंडिया मायगव' मंच पर शुभंकर डिजाइन प्रतियोगिता शुरू की गई है। इस पहल का उद्देश्य ऐसा आकर्षक और प्रभावी शुभंकर तैयार करना है, जो इंडिया पोस्ट की विश्वसनीय सेवाओं, जनसंपर्क और डिजिटल नवाचार की पहचान को दर्शा सके।

केंद्रीय संचार मंत्रालय के अनुसार यह प्रतियोगिता 15 जुलाई से 15 अगस्त 2026 तक आयोजित की जाएगी। इसमें देश का कोई भी नागरिक भाग ले सकता है। प्रतियोगिता में हिस्सा लेने वाले प्रतिभागियों को अपना मौलिक शुभंकर डिजाइन, उसका उपयुक्त नाम और एक संक्षिप्त अवधारणा विवरण ऑनलाइन जमा करना होगा।

मंत्रालय ने बताया कि प्रतियोगिता में शुभंकर डिजाइन और नामकरण के लिए अलग-अलग पुरस्कार निर्धारित किए गए हैं। शुभंकर डिजाइन श्रेणी में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागी को 75 हजार रुपये, दूसरे स्थान पर रहने वाले को 50 हजार रुपये और तीसरे स्थान के लिए 25 हजार रुपये का नकद पुरस्कार दिया जाएगा।

वहीं शुभंकर के नाम चयन की श्रेणी में भी तीन पुरस्कार रखे गए हैं। इसमें सर्वश्रेष्ठ नाम के लिए 25 हजार रुपये, दूसरे स्थान के लिए 15 हजार रुपये और तीसरे स्थान के लिए 10 हजार रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा। सभी विजेताओं को प्रमाणपत्र भी प्रदान किए जाएंगे।

चयनित शुभंकर को इंडिया पोस्ट के आधिकारिक ब्रांड एंबेसडर के रूप में इस्तेमाल किया जाएगा। इसका उपयोग विभाग के प्रचार अभियानों, डाक टिकटों, जन-जागरूकता कार्यक्रमों, प्रदर्शनियों, सोशल मीडिया गतिविधियों और अन्य आधिकारिक संचार माध्यमों में किया जाएगा। डाक विभाग ने छात्रों, डिजाइनरों, कलाकारों और रचनात्मक क्षेत्र से जुड़े लोगों से प्रतियोगिता में भाग लेने की अपील की है।

दिल्ली हाई कोर्ट ने शनिवार को न्यायिक कार्य का आदेश लिया वापस

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली उच्च न्यायालय ने महीने के पहले और तीसरे शनिवार को न्यायिक कार्य जारी रखने के अपने पूर्व आदेश को वापस ले लिया है। यह निर्णय तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है। हाई कोर्ट प्रशासन की ओर से जारी आदेश के बाद अब पहले और तीसरे शनिवार को नियमित न्यायिक कार्य नहीं होगा।

इससे पहले 15 जनवरी को दिल्ली उच्च न्यायालय ने एक अधिसूचना जारी कर हर महीने के पहले और तीसरे शनिवार को अदालत में न्यायिक कार्य संचालित करने का फैसला लिया था। इस आदेश के तहत शनिवार को भी मामलों की सुनवाई और अन्य न्यायिक गतिविधियां आयोजित की जानी थीं। इससे पहले कुछ विशेष परिस्थितियों को छोड़कर शनिवार को अदालत में नियमित सुनवाई नहीं होती थी।

उच्च न्यायालय के इस फैसले का दिल्ली हाई कोर्ट बार एसोसिएशन ने विरोध किया था। बार एसोसिएशन का

वकीलों के विरोध के बाद दिल्ली हाई कोर्ट ने शनिवार कार्य व्यवस्था बदली

कहना था कि शनिवार को न्यायिक कार्य अनिवार्य किए जाने से वकीलों को कई व्यावहारिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

दिल्ली हाई कोर्ट बार एसोसिएशन ने 2 अप्रैल को एक नोटिस जारी कर पहले और तीसरे शनिवार को न्यायिक कार्यों के बहिष्कार का निर्णय लिया था। एसोसिएशन ने कहा था कि इस संबंध में हाई कोर्ट प्रशासन से कई बार अनुरोध किया गया कि शनिवार को अदालत लगाने के फैसले पर पुनर्विचार किया जाए, लेकिन कोई बदलाव नहीं किया गया।

बार एसोसिएशन के विरोध के बाद शनिवार को होने वाले न्यायिक कार्य प्रभावित रहे। कई मौकों पर वकील अदालतों में पेश नहीं हुए और मामलों में केवल अगली तारीखें दी गईं। इससे न्यायिक प्रक्रिया पर भी असर पड़ा।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने विंध्यवासिनी मंदिर में किए दर्शन

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर स्थित प्रसिद्ध मां विंध्यवासिनी मंदिर पहुंचकर पूजा-अर्चना की और मां का आशीर्वाद लिया। इस दौरान उनके साथ उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री आशीष पटेल और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के जिलाध्यक्ष लाल बहादुर सरोज भी मौजूद रहे।

पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार दिल्ली की मुख्यमंत्री दोपहर 1 बजकर 35 मिनट पर वाराणसी हवाईअड्डे पहुंचीं। इसके बाद वह सड़क मार्ग से मिर्जापुर के विंध्य धाम पहुंचीं। मंदिर परिसर में पहुंचने पर उन्होंने विधि-विधान के साथ मां विंध्यवासिनी की पूजा की और देश-प्रदेश की खुशहाली की कामना की।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के विंध्य धाम आगमन पर भाजपा महिला मोर्चा की सदस्यों ने उनका जोरदार स्वागत

किया। कार्यकर्ताओं ने पुष्पगुच्छ भेंट कर मुख्यमंत्री का अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री के दौरे को देखते हुए प्रशासन और पुलिस विभाग की ओर से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विशेष सतर्कता बरती गई। अधिकारियों ने पूरे कार्यक्रम के दौरान व्यवस्थाओं की निगरानी की। मां विंध्यवासिनी मंदिर उत्तर प्रदेश के प्रमुख धार्मिक स्थलों में शामिल है, जहां देशभर से श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता का यह धार्मिक दौरा आस्था और आध्यात्मिक जुड़ाव से जुड़ा माना जा रहा है।

नोएडा में शुरू हुआ अत्याधुनिक आदर्श परीक्षा केंद्र

सुरक्षित, पारदर्शी और तकनीक आधारित परीक्षा व्यवस्था को मिलेगा नया विस्तार

एजेंसी, नई दिल्ली

परीक्षा प्रौद्योगिकी और सुरक्षा समाधान उपलब्ध कराने वाली कंपनी इनोवेटिव्यू इंडिया लिमिटेड ने नोएडा के सेक्टर-80 में अत्याधुनिक आदर्श परीक्षा केंद्र का उद्घाटन किया है। कंपनी का उद्देश्य देशभर में ऐसी मानकीकृत परीक्षा अवसंरचना तैयार करना है, जहां प्रत्येक अभ्यर्थी को समान, सुरक्षित और पारदर्शी परीक्षा वातावरण मिल सके।

कंपनी अधिकारियों ने बताया कि यह आदर्श परीक्षा केंद्र स्वयं किसी परीक्षा का आयोजन नहीं करेगा, बल्कि विभिन्न परीक्षा एजेंसियों को सुरक्षित और तकनीक आधारित सुविधाएं उपलब्ध कराएगा। परीक्षा आयोजित करने वाली एजेंसियां अपने सर्वर और तकनीकी टीम के साथ केंद्र पर पहुंचेंगी, जबकि केंद्र की ओर से नेटवर्क व्यवस्था, कंप्यूटर सिस्टम और अन्य आवश्यक तकनीकी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। अधिकारियों के अनुसार देश

अत्याधुनिक आदर्श परीक्षा केंद्र का हुआ शुभारंभ, सुरक्षित परीक्षा पर जोर

में होने वाली परीक्षाओं को मुख्य रूप से दो श्रेणियों में बांटा जा सकता है। पहली श्रेणी में स्कूल स्तर की बोर्ड परीक्षाएं शामिल हैं, जिनमें कक्षा 10वीं और 12वीं की परीक्षाएं आती हैं। वहीं दूसरी श्रेणी में आईआईटी-जेईई, नीट, सीयूईटी और अन्य उच्चस्तरीय प्रतियोगी परीक्षाएं शामिल हैं। इन सभी परीक्षाओं के लिए सुरक्षित और एक समान मानकों वाले परीक्षा केंद्र विकसित करना कंपनी की प्राथमिकता है।

कंपनी ने बताया कि नोएडा स्थित आदर्श परीक्षा केंद्र को आधुनिक तकनीकी सुविधाओं और एकीकृत सुरक्षा प्रणाली से लैस किया गया है। केंद्र परिसर में खुली वायरिंग की व्यवस्था नहीं है, जिससे सुरक्षा और तकनीकी संचालन बेहतर बना रहे। इसके अलावा प्रत्येक 250 से 500 कंप्यूटरों के लिए अलग सर्वर की व्यवस्था की गई है, ताकि परीक्षा के दौरान किसी प्रकार की तकनीकी बाधा न आए और प्रक्रिया सुचारू रूप से संचालित हो सके।

अधिकारियों ने बताया कि वर्तमान में कंपनी के ऐसे परीक्षा केंद्र दिल्ली-एनसीआर, बिहार और छत्तीसगढ़ में संचालित किए जा रहे हैं।

यूएपीए मामले में खुर्रम और इरफान मेहराज को कोर्ट से मिली जमानत

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली के पटियाला हाउस कोर्ट ने गैरकानूनी गतिविधियां निरोधक अधिनियम (यूएपीए) से जुड़े मामले में कश्मीरी मानवाधिकार कार्यकर्ता खुर्रम परवेज और पत्रकार इरफान मेहराज को जमानत दे दी है। प्रिंसिपल एंड सेशंस जज पीतांबर दत्त ने दोनों को जमानत पर रिहा करने का आदेश जारी किया।

अदालत के इस फैसले के बाद खुर्रम परवेज की रिहाई का रास्ता साफ हो गया है। इससे पहले दिल्ली हाई कोर्ट ने टेरर फंडिंग से जुड़े मामले में भी खुर्रम परवेज को जमानत दी थी। हाई कोर्ट ने कहा था कि वह चार साल से अधिक समय से हिरासत में है और मुकदमे की सुनवाई जल्द पूरी होने की संभावना नहीं है।

हाई कोर्ट ने खुर्रम परवेज की शारीरिक स्थिति को देखते हुए भी राहत दी थी। वर्ष 2004 में लैंडमाइन विस्फोट में उनका एक पैर खराब हो गया था। अदालत ने

जमानत की शर्तों के तहत उन्हें पासपोर्ट जमा करने और बिना अनुमति दिल्ली से बाहर नहीं जाने का निर्देश दिया था। साथ ही मामले से संबंधित कोई सार्वजनिक बयान नहीं देने को कहा गया था।

खुर्रम परवेज जम्मू-कश्मीर कोलीशन ऑफ सिविल सोसायटी के कार्यक्रम समन्वयक और एशियन फेडरेशन अगेंस्ट इनवॉलंटरी डिसअपियरेंसेस के अध्यक्ष हैं। उन्हें राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने 22 नवंबर 2021 को गिरफ्तार किया था। एनआईए ने आरोप लगाया था कि खुर्रम परवेज और अन्य आरोपितों ने लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े नेटवर्क को सहयोग पहुंचाने की साजिश रची थी।

न्यूज ब्रीफ

एलओसी पर संदिग्ध गतिविधि से बढ़ी सतर्कता, राजौरी में सेना ने संभाला मोर्चा

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में नियंत्रण रेखा पर संदिग्ध गतिविधि दिखाई देने के बाद भारतीय सेना ने एहतियात के तौर पर फायरिंग की। इसके जवाब में सीमा पार से भी गोलीबारी हुई, जो करीब डेढ़ घंटे तक चली। घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। घुसपैठ की आशंका को देखते हुए शनिवार सुबह सेना ने तरकुंडी क्षेत्र में व्यापक सर्च ऑपरेशन शुरू किया। सुरक्षा बल पूरे इलाके में कड़ी निगरानी रखे हुए हैं और संदिग्ध गतिविधियों की जांच जारी है।

बेली ब्रिज से टकराया एसओजी का वाहन, एक जवान की मौत

भारतेंदु संवाददाता, बडगाम। बडगाम जिले के चाडूरा क्षेत्र में एक दर्दनाक सड़क हादसे में जम्मू-कश्मीर पुलिस के स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) के जवान तारिक अहमद की मौत हो गई, जबकि उनके साथी रियाज अहमद गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों जवान सरकारी वाहन से ड्यूटी पर जा रहे थे, तभी वाहन बेली ब्रिज के स्टील गर्डर से टकरा गया। हादसे के बाद दोनों को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने तारिक अहमद को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

डोडा में दूसरे दिन भी इंटरनेट बंद, युवक हत्याकांड की जांच जारी

भारतेंदु संवाददाता, डोडा। जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में भद्रवाह के एक युवक की हत्या के विरोध में सीरत कमेटी के बंद आह्वान का व्यापक असर देखने को मिला। एहतियात के तौर पर जिले में लगातार दूसरे दिन भी मोबाइल इंटरनेट सेवाएं निलंबित रहीं। सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है और पुलिस-प्रशासन पूरे क्षेत्र में सतर्क है। बंद के कारण अधिकांश दुकानें बंद रहीं तथा सड़कों पर सन्नाटा पसरा रहा। प्रशासन ने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की है, जबकि मामले की जांच जारी है।

बडगाम में दर्दनाक हादसा, ट्रैक्टर पलटने से चालक की मौत

भारतेंदु संवाददाता, बडगाम। मध्य कश्मीर के बडगाम जिले की चाडूरा तहसील के वाथोरा इलाके में शनिवार को एक दर्दनाक हादसा हुआ। बाटापोरा क्षेत्र में ट्रैक्टर पलटने से चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों की मदद से उसे तुरंत चाडूरा के उप जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान हंजीगुंड निवासी इश्फाक अहमद के रूप में हुई है। पुलिस ने घटना का संज्ञान लेते हुए मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। हादसे के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल है।

मौसम के हालात देखकर स्कूल छुट्टियों पर फैसला लेगी सरकार: शिक्षा मंत्री

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में बढ़ती गर्मी और बदलते मौसम के हालात को देखते हुए सरकार स्कूलों की गर्मी की छुट्टियां बढ़ाने पर विचार कर रही है। शिक्षा मंत्री सकीना इट्टू ने शनिवार को कहा कि सरकार रविवार को मौसम की स्थिति की समीक्षा करने के बाद इस संबंध में अंतिम फैसला लेगी। उन्होंने कहा कि छात्रों की सेहत और सुरक्षा सरकार की पहली प्राथमिकता है और मौसम को ध्यान में रखते हुए ही स्कूल खोलने का निर्णय लिया जाएगा। शिक्षा मंत्री ने बताया कि गर्मी की छुट्टियों में अभी एक दिन बाकी है और प्रशासन लगातार मौसम पर नजर बनाए हुए है। उन्होंने कहा कि कश्मीर में मौसम के हालात में बदलाव देखा जा रहा है इसलिए बच्चों के हितों को ध्यान में रखते हुए उचित कदम उठाए जाएंगे। गौरतलब है कि जम्मू-कश्मीर सरकार ने पहले कश्मीर डिवीजन और जम्मू डिवीजन के सर्दियों वाले क्षेत्रों के सभी स्कूलों में 6 जुलाई से 19 जुलाई तक गर्मी की छुट्टियों की घोषणा की थी। इस बीच मौसम विभाग ने 19 जुलाई तक लू का दौर जारी रहने का अनुमान जताया है। वहीं 20 से 23 जुलाई के बीच भारी बारिश और अचानक बाढ़ की संभावना को लेकर चेतावनी जारी की गई है।

लद्दाख की पुगा घाटी में देश के पहले दो जियोथर्मल कुएं शुरू

लद्दाख में जियोथर्मल परियोजना को मिली रफ्तार, ऊर्जा क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धि

भारतेंदु संवाददाता, लेह। लद्दाख की पुगा घाटी में भारत के पहले और सबसे गहरे दो जियोथर्मल (भू-तापीय) कुओं का सफलतापूर्वक शुभारंभ कर दिया गया है। उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने शुक्रवार को इन कुओं को राष्ट्र को समर्पित किया। ओएनजीसी एनर्जी सेंटर द्वारा विकसित इन दोनों कुओं को समुद्र तल से 14 हजार फीट से अधिक ऊंचाई पर एक-एक हजार मीटर की गहराई तक खोदा गया है। इस उपलब्धि के साथ लद्दाख में देश के पहले एक मेगावाट क्षमता वाले डेमो स्केल जियोथर्मल बिजली संयंत्र की स्थापना का मार्ग भी प्रशस्त हो गया है।

यह परियोजना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्बन न्यूट्रल लद्दाख के दृष्टिकोण को साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल मानी जा रही है। जियोथर्मल ऊर्जा पृथ्वी के भीतर मौजूद प्राकृतिक गर्मी से प्राप्त होने वाली स्वच्छ और नवीकरणीय ऊर्जा है। इससे बिना अधिक कार्बन उत्सर्जन के चौबीसों घंटे बिजली उत्पादन संभव है, इसलिए इसे भविष्य के सबसे भरोसेमंद ऊर्जा स्रोतों में शामिल किया जाता है। परियोजना के इंजीनियरों के अनुसार परीक्षण के दौरान लगभग 400 मीटर की गहराई पर 135 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया है।

पुगा घाटी से स्वच्छ ऊर्जा की नई शुरुआत

विशेषज्ञों को उम्मीद है कि आगे की जांच में इससे भी अधिक तापमान मिल सकता है, जिससे जियोथर्मल ऊर्जा का व्यावसायिक उपयोग और अधिक प्रभावी होगा। पहला कुआं 22 मई 2026 को और दूसरा कुआं 8 जुलाई 2026 को एक हजार मीटर की निर्धारित गहराई तक सफलतापूर्वक पूरा किया गया। बेहद कठिन मौसम और दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों के बावजूद इस परियोजना को सफलतापूर्वक पूरा करना एक बड़ी तकनीकी उपलब्धि माना जा रहा है। इसके माध्यम से लद्दाख में स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन को नई दिशा मिलेगी और भविष्य में क्षेत्र की ऊर्जा आवश्यकताओं को नवीकरणीय स्रोतों से पूरा करने में महत्वपूर्ण सहायता मिलेगी।

जेएंडके के नीट टॉपर्स ने दी मेहनत और अनुशासन की सीख

नीट में चमके जम्मू-कश्मीर के मेधावी

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। नीट-यूजी 2026 के परिणामों में जम्मू-कश्मीर के कई विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन कर यह साबित कर दिया कि कठिन परिस्थितियां भी मजबूत इरादों और निरंतर मेहनत के सामने टिक नहीं सकतीं। इन छात्रों की सफलता केवल अच्छे अंकों या रैंक तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उनके संघर्ष, अनुशासन, परिवार के सहयोग और आत्मविश्वास की कहानी भी है। अलग-अलग जिलों के विद्यार्थियों ने अपनी मेहनत के दम पर डॉक्टर बनने के सपने को साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया है।

जम्मू की कनिष्का ऋषि ने 92 प्रतिशताइल हासिल कर अपने परिवार की पहली डॉक्टर बनने का गौरव प्राप्त किया। उन्होंने नियमित रिवीजन, मॉक टेस्ट और हर विषय की गहन

◆ जम्मू की कनिष्का ऋषि ने 92 प्रतिशत अंक हासिल कर बढ़ाया परिवार का मान

तैयारी को अपनी सफलता का आधार बताया। वहीं प्राची ने 91.3 प्रतिशताइल प्राप्त करते हुए कहा कि उन्होंने कभी समय देखकर पढ़ाई नहीं की, बल्कि हर विषय को पूरी तरह समझने पर ध्यान दिया।

जम्मू में ड्रग तस्करों की 3 करोड़ की अवैध संपत्तियां ध्वस्त

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। जम्मू में ड्रग तस्करों के खिलाफ जिला प्रशासन और पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। संयुक्त टीमों ने जम्मू और बिश्नाह तहसीलों में नशे के कारोबार से कमाई गई अवैध संपत्तियों पर कार्रवाई करते हुए कई निर्माणों को ध्वस्त कर दिया। अधिकारियों के अनुसार इस अभियान में करीब 3 करोड़ रुपये की अवैध संपत्तियों को गिराया गया।बिश्नाह तहसील के इस्माइलपुर कोठे इलाके में टीम ने एक ड्रग तस्कर की लगभग 1.5 करोड़ रुपये कीमत वाली दो मंजिला इमारत को गिरा दिया। वहीं जम्मू खास तहसील के निक्की तवी क्षेत्र में दो अन्य आरोपियों की करीब 1.3 करोड़ रुपये की संपत्तियों पर कार्रवाई की गई। इसके साथ ही अवैध रूप से कब्जाई गई जमीन को भी खाली कराया गया। प्रशासन ने बताया कि यह कार्रवाई नशा तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान का हिस्सा है। पुलिस ने कार्रवाई के दौरान आरोपियों के कब्जे से हेरोइन और अवैध हथियार भी बरामद किए हैं।

कठुआ रेलवे स्टेशन का नाम अब शहीद कैप्टन सुनील कुमार चौधरी के नाम पर

वीर सपूत को सम्मान, कठुआ रेलवे स्टेशन का नाम बदला गया

भारतेंदु संवाददाता, कठुआ। जम्मू-कश्मीर के कठुआ रेलवे स्टेशन का नाम बदलकर शहीद कैप्टन सुनील कुमार चौधरी रेलवे स्टेशन, कठुआ कर दिया गया है। इस निर्णय की घोषणा केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने करते हुए बताया कि यह कदम स्थानीय लोगों और शहीद के परिजनों की लंबे समय से चली आ रही मांग को ध्यान में रखते हुए उठाया गया है। इस फैसले के बाद

◆ शहीद कैप्टन सुनील कुमार चौधरी की वीरता को मिला सम्मान

क्षेत्र में खुशी का माहौल है और लोगों ने इसे देश के वीर सपूत को सच्ची श्रद्धांजलि बताया है। इससे पहले ऊधमपुर रेलवे स्टेशन का नाम भी शहीद कैप्टन तुषार महाजन के नाम पर रखा गया था।

कैप्टन सुनील कुमार चौधरी का जन्म 22 जून 1980 को जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले के गोविंदसर गांव में एक सैन्य परिवार में हुआ था। उनके पिता लेफ्टिनेंट कर्नल पी. एल. चौधरी भारतीय सेना में अधिकारी थे।

असाधारण वीरता का दिया परिचय

सेना में मात्र तीन वर्षों की सेवा के दौरान कैप्टन सुनील कुमार चौधरी ने असाधारण वीरता का परिचय दिया और मातृभूमि की रक्षा करते हुए सर्वोच्च बलिदान दिया। उनके अद्वितीय साहस के लिए उन्हें मरणोपरांत कीर्ति चक्र तथा सेना मेडल से सम्मानित किया गया। कठुआ रेलवे स्टेशन का नाम उनके नाम पर रखा जाना केवल एक प्रशासनिक निर्णय नहीं, बल्कि राष्ट्र की ओर से एक वीर सैनिक के शौर्य, समर्पण और बलिदान को दी गई स्थायी श्रद्धांजलि है। यह निर्णय आने वाली पीढ़ियों को देशभक्ति और राष्ट्रसेवा की प्रेरणा देता रहेगा।

सुरक्षा के कड़े इंतजामों के बीच अमरनाथ यात्रा जारी

जम्मू से 3,632 अमरनाथ तीर्थयात्रियों का जत्था रवाना

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। जम्मू के भगवती नगर यात्री निवास आधार शिविर से शनिवार को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच श्री अमरनाथ यात्रा के लिए 3632 श्रद्धालुओं का एक और जत्था रवाना हुआ। अधिकारियों के अनुसार यह जत्था 148 वाहनों के काफिले में दक्षिण कश्मीर स्थित पवित्र अमरनाथ गुफा के दोनों आधार शिविरों बालटाल और पहलगाम के लिए भेजा गया। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पुलिस, अर्धसैनिक बलों, नागरिक प्रशासन और श्री अमरनाथ श्राइन बोर्ड ने व्यापक प्रबंध किए हैं।

रवाना हुए श्रद्धालुओं में 1008 यात्री बालटाल मार्ग से बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए जाएंगे, जबकि 2624 श्रद्धालु पारंपरिक पहलगाम मार्ग से यात्रा करेंगे। दोनों मार्गों पर सुरक्षा बलों की तैनाती बढ़ाई गई है और यात्रियों की सुविधा के लिए स्वास्थ्य, यातायात, संचार तथा आपातकालीन सेवाओं की भी समुचित व्यवस्था की गई है।

इस वर्ष अमरनाथ यात्रा में श्रद्धालुओं का उत्साह लगातार बढ़ता दिखाई दे रहा है। यात्रा शुरू होने के महज 15 दिनों के भीतर ही 3.5 लाख से अधिक श्रद्धालु पवित्र गुफा में बाबा बर्फानी के दर्शन कर चुके हैं, जो अपने आप में एक नया रिकॉर्ड है। प्रशासन का कहना है कि अनुकूल व्यवस्थाओं और बेहतर सुरक्षा प्रबंधों के कारण यात्रा सुचारु रूप से संचालित हो रही है।

चिनार बुक फेस्टिवल ने जोड़े भाषाएं पीढ़ियां और विचारों के पुल: एलजी

बोले- पुस्तकों से जुड़े युवा बनाएंगे विकसित जेएंडके की नई तस्वीर

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने शनिवार को कहा कि चिनार बुक फेस्टिवल जम्मू-कश्मीर में पढ़ने की संस्कृति, ज्ञान और युवाओं के सशक्तीकरण को बढ़ावा देने वाले एक आंदोलन के रूप में विकसित हुआ है। उन्होंने कहा कि यह पहल केंद्र शासित प्रदेश को शिक्षा, साहित्य और रचनात्मकता के मामले में देश का 'ताज' बनाने में मदद कर रही है।

श्रीनगर के एसकेआईसीसी में चिनार बुक फेस्टिवल को संबोधित करते हुए उपराज्यपाल सिन्हा ने कहा कि यह फेस्टिवल पारंपरिक पुस्तक प्रदर्शनी के दायरे से आगे बढ़कर विचारों, बातचीत और ज्ञान के आदान-प्रदान के लिए एक राष्ट्रीय मंच के रूप में उभरा है। उन्होंने कहा कि आज चिनार बुक फेस्टिवल केवल बुक स्टॉल और लॉन्च तक सीमित नहीं है। यह सोच, चर्चा और ज्ञान के आदान-प्रदान के लिए एक आंदोलन और जीवंत मंच बन गया है। यह नए विचारों को जन्म दे रहा है, बातचीत को प्रोत्साहित कर रहा है और हमारे छात्रों और युवाओं को सशक्त बना रहा है।

उन्होंने कहा कि यह पहल जम्मू-कश्मीर को शिक्षा, साहित्य, संस्कृति और युवाओं के सशक्तीकरण का प्रमुख केंद्र बनाने की सामूहिक प्रतिबद्धता को दर्शाती है। चिनार के पेड़ को कश्मीर के प्रतीक से कहीं अधिक बताते हुए सिन्हा ने कहा कि यह घाटी की सभ्यता, संस्कृति और प्राकृतिक सुंदरता का प्रतिनिधित्व करता है जबकि यह फेस्टिवल इसकी बौद्धिक और सांस्कृतिक पहचान की अभिव्यक्ति के रूप में उभरा है।

पुंछ में एलओसी के गांव से 5 किलो हेरोइन बरामद, एक गिरफ्तार

भारतेंदु संवाददाता, पुंछ। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में भारत-पाकिस्तान नियंत्रण रेखा (एलओसी) से सटे क्षेत्र में नशा तस्करी के खिलाफ सुरक्षा एजेंसियों ने बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब पांच किलोग्राम हेरोइन बरामद की है। इस संयुक्त अभियान में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी), जम्मू-कश्मीर पुलिस और भारतीय सेना ने मिलकर छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान एक आरोपी को भी गिरफ्तार कर लिया गया, जिसे आगे की पूछताछ के लिए अपने साथ ले जाया गया है।

जानकारी के अनुसार यह कार्रवाई पुंछ जिले के सीमावर्ती गांव कोसलियां में खुफिया सूचना के आधार पर की गई। संयुक्त टीम ने ग्रामीण मुनीर हुसैन, पुत्र साईं, के घर पर छापा मारा। तलाशी के दौरान घर से लगभग पांच किलोग्राम नशीला पदार्थ, जिसे प्रारंभिक जांच में हेरोइन बताया जा रहा है, बरामद किया गया। बरामद नशीले पदार्थ को जब्त कर जांच के लिए भेज दिया गया है।

कार्रवाई के बाद एनसीबी ने आरोपी मुनीर हुसैन को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। जांच एजेंसियां यह पता लगाने का प्रयास कर रही हैं कि बरामद हेरोइन कहां से लाई गई थी, इसका नेटवर्क किन लोगों से जुड़ा है और क्या इसके तार सीमा पार संचालित किसी तस्करी गिरोह से जुड़े हुए हैं। मामले में अन्य संदिग्धों की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

सीमावर्ती क्षेत्रों में नशा तस्करी की गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए सुरक्षा एजेंसियां लगातार संयुक्त अभियान चला रही हैं। अधिकारियों का कहना है कि सीमा पार से नशीले पदार्थों की तस्करी की कोशिशों को विफल करने के लिए निगरानी और तलाशी अभियान आगे भी जारी रहेंगे। इस कार्रवाई को सीमावर्ती क्षेत्र में नशे के कारोबार के खिलाफ एक बड़ी सफलता माना जा रहा है। मामले में संबंधित धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

सोनम वांगचुक के समर्थन में उतरीं महबूबा मुफ्ती, केंद्र पर साधा निशाना

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने सामाजिक कार्यकर्ता और जलवायु संरक्षण के लिए सक्रिय सोनम वांगचुक के अनिश्चितकालीन अनशन का समर्थन करते हुए केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि वांगचुक देश के युवाओं के भविष्य की सुरक्षा के लिए अपना स्वास्थ्य और जीवन दांव पर लगा रहे हैं, लेकिन केंद्र सरकार उनकी मांगों पर संवाद करने के बजाय चुप्पी साधे हुए है। महबूबा मुफ्ती ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट साझा करते हुए कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में युवाओं की आवाज सुनना सरकार की जिम्मेदारी है और उनसे संवाद न करना चिंताजनक है।

सोनम वांगचुक दिल्ली के जंतर-मंतर पर नीट परीक्षा में कथित अनियमितताओं के विरोध में चल रहे आंदोलन में शामिल हैं और 28 जून से अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठे हैं। प्रदर्शनकारी केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे, परीक्षा में गड़बड़ियों की निष्पक्ष जांच तथा प्रभावित छात्रों को न्याय दिलाने की मांग कर रहे हैं। आंदोलनकारी संगठन ने यह भी मांग की है कि परीक्षा अनियमितताओं से प्रभावित छात्रों के परिवारों को उचित मुआवजा दिया जाए।

लद्दाख की मुस्कान जहरा काल्बी ने नीट में लहराया परचम, सेना ने सराहा

भारतेंदु संवाददाता, लेह। केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख की छात्रा मुस्कान जहरा काल्बी ने नीट-2026 परीक्षा में शानदार प्रदर्शन कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। उनकी इस उपलब्धि पर भारतीय सेना की फायर एंड फ्यूरी कॉर्प्स ने उन्हें बधाई देते हुए उनकी सफलता को युवाओं के लिए प्रेरणादायक बताया है। सेना ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया मंच एक्स पर मुस्कान की तस्वीर साझा करते हुए लिखा कि उनकी उपलब्धि सपनों को नई उड़ान देने वाली है।

मुस्कान जहरा काल्बी आर्मी गुडविल स्कूल, हरका बहादुर की पूर्व छात्रा हैं। उन्होंने नीट-2026 में 720 में से 602 अंक प्राप्त किए। इसके साथ ही उन्होंने अनुसूचित जनजाति (एसटी) श्रेणी में 63वीं रैंक और अखिल भारतीय रैंक (एआईआर) 9221 हासिल की। उनकी इस सफलता ने लद्दाख के विद्यार्थियों के लिए नई प्रेरणा प्रस्तुत की है।

भारतीय सेना ने कहा कि सीमावर्ती क्षेत्र के छात्रों की ऐसी उपलब्धियां यह साबित करती हैं कि कठिन परिस्थितियां भी प्रतिभा और मेहनत का रास्ता नहीं रोक सकतीं। मुस्कान की सफलता में उनके परिवार, शिक्षकों और विद्यालय का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उनकी उपलब्धि से लद्दाख के युवाओं में प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रति नया उत्साह पैदा हुआ है और यह संदेश गया है कि दृढ़ संकल्प, अनुशासन और निरंतर मेहनत से बड़े लक्ष्य हासिल किए जा सकते हैं।

राजौरी में जर्जर सड़क पर चूजों से भरा ट्रक पलटा, बड़ा हादसा टला

खराब सड़क बनी हादसे की वजह।

भारतेंदु संवाददाता, राजौरी। राजौरी जिले से थन्नामंडी और बुढल की ओर जाने वाली सड़क की बदहाल स्थिति एक बार फिर गंभीर हादसे का कारण बन गई। शनिवार को इस मार्ग पर चूजों से भरा एक ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क से फिसल गया और पास के खेत में जाकर पलट गया। हादसे के बाद मौके पर अफरातफरी मच गई। राहत की बात यह रही कि ट्रक चालक सुरक्षित बच गया और किसी भी व्यक्ति के हताहत होने की सूचना नहीं है।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार ट्रक सड़क की खराब हालत के कारण नियंत्रण से बाहर हुआ। स्थानीय लोगों का कहना है कि सड़क पर जगह-जगह गड्ढे और खराब सतह के कारण वाहन चालकों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। खासकर भारी वाहनों के लिए यह मार्ग बेहद जोखिम भरा बन गया है। हादसे में ट्रक को काफी नुकसान पहुंचा है और उसमें लदे चूजों के भी प्रभावित होने की आशंका जताई जा रही है।

घटना के बाद बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और उन्होंने सड़क निर्माण कार्य की धीमी गति तथा रखरखाव की कमी को लेकर नाराजगी जताई। लोगों ने आरोप लगाया कि संबंधित विभाग की ओर से लंबे समय से सड़क सुधार को लेकर कोई प्रभावी कदम नहीं उठाया गया है। उनका कहना है कि इस मार्ग पर पहले भी कई सड़क हादसे हो चुके हैं जिनमें लोगों को जान और माल का नुकसान उठाना पड़ा है।

स्थानीय निवासियों ने ग्रामीण विकास और सड़क निर्माण से जुड़े विभागों से जल्द से जल्द सड़क की मरम्मत और चौड़ीकरण की मांग की है। उन्होंने कहा कि बेहतर सड़क सुविधा न होने से रोजाना यात्रा करने वाले लोगों के साथ-साथ व्यापारिक गतिविधियां भी प्रभावित हो रही हैं।

जम्मू-कश्मीर में मानसून और वेस्टर्न डिस्टर्बेंस से बढ़ेगा बारिश का कहर

जम्मू-कश्मीर में 24 जुलाई तक भारी बारिश का अलर्ट

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में आगामी दिनों में मौसम का मिजाज पूरी तरह बदलने वाला है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार 19 से 24 जुलाई के बीच प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में व्यापक और तेज बारिश होने की संभावना है। इसकी मुख्य वजह मानसून की नमी से भरी हवाओं का सक्रिय वेस्टर्न डिस्टर्बेंस से टकराना है। इस मौसमीय प्रणाली के प्रभाव से खासकर 20 से 22 जुलाई के दौरान भारी से बहुत भारी वर्षा होने की आशंका जताई गई है। प्रशासन और आपदा प्रबंधन एजेंसियों को सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं, जबकि लोगों से भी अनावश्यक यात्रा से बचने और मौसम संबंधी सलाह का पालन करने की अपील की गई है।

मौसम विभाग के अनुसार जम्मू डिवीजन और दक्षिण कश्मीर में सबसे अधिक बारिश होने की संभावना है। वहीं उत्तर और मध्य कश्मीर में हल्की से मध्यम वर्षा के साथ कुछ स्थानों पर भारी बारिश हो सकती है। लगातार होने वाली बारिश के कारण नदियों, झरनों और नालों का जलस्तर तेजी से बढ़ सकता है, जिससे निचले इलाकों में जलभराव और बाढ़ जैसी स्थिति बनने की आशंका है।

विशेष रूप से जम्मू क्षेत्र और पीर पंजाल पर्वत श्रृंखला के पहाड़ी इलाकों में 20 से 23 जुलाई के बीच फ्लैश फ्लड, बादल फटने, भूस्खलन और पहाड़ियों से पत्थर गिरने का खतरा अधिक बताया गया है। ऐसे क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को सतर्क रहने और प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करने की सलाह दी गई है। भारी बारिश के कारण जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग के संवेदनशील हिस्सों में भूस्खलन और मलबा आने से यातायात अस्थायी रूप से प्रभावित हो सकता है।

बारिश के इस दौर के दौरान तापमान में भी उल्लेखनीय गिरावट आने की संभावना है, जिससे पूरे प्रदेश में मौसम अपेक्षाकृत ठंडा और सुहावना रहेगा। हालांकि मौसम विभाग ने स्पष्ट किया है कि खराब मौसम के दौरान पर्यटकों, तीर्थयात्रियों और स्थानीय लोगों को नदी-नालों तथा भूस्खलन संभावित क्षेत्रों से दूर रहना चाहिए। प्रशासन स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए राहत एवं बचाव दलों को तैयार रखा गया है।

सेम्पोरा में इंडियन ऑयल के मैनेजर की संदिग्ध मौत, जांच शुरू

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर की राजधानी श्रीनगर के पंथा चौक क्षेत्र स्थित सेम्पोरा में शनिवार सुबह इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन (आईओसी) के एक वरिष्ठ अधिकारी का शव परिसर के भीतर फंदे से लटका मिला। मृतक की पहचान इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के मैनेजर यशपाल सिंह के रूप में हुई है। घटना की जानकारी मिलते ही क्षेत्र में सनसनी फैल गई और पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार सुबह सूचना मिली कि सेम्पोरा स्थित इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन परिसर के अंदर एक व्यक्ति का शव फंदे से लटका हुआ है। सूचना पर पंथा चौक थाना पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू की। प्रारंभिक तौर पर मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, हालांकि पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच कर रही है।

शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया गया है, जिसके बाद उसे परिजनों को सौंपा जाएगा। पुलिस ने घटनास्थल से आवश्यक साक्ष्य भी एकत्र किए हैं और मामले में कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि यशपाल सिंह की मौत किन परिस्थितियों में हुई, इसका पता लगाने के लिए विस्तृत जांच की जा रही है। फिलहाल पुलिस परिजनों और सहकर्मियों से भी पूछताछ कर रही है, ताकि घटना के कारणों का पता लगाया जा सके। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच पूरी होने के बाद ही मौत की वास्तविक वजह स्पष्ट हो सकेगी।

उधमपुर में अमरनाथ श्रद्धालुओं की गाड़ी हादसे का शिकार, छह घायल

भारतेंदु संवाददाता, उधमपुर। जम्मू-कश्मीर के उधमपुर जिले में शनिवार सुबह अमरनाथ यात्रा पर जा रहे श्रद्धालुओं की एक गाड़ी सड़क दुर्घटना का शिकार हो गई। हादसे में उत्तर प्रदेश के पांच श्रद्धालु और वाहन चालक सहित कुल छह लोग घायल हो गए। सभी घायलों को तत्काल उपचार के लिए सरकारी मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) उधमपुर में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है।

जानकारी के अनुसार यह दुर्घटना सुबह करीब पांच बजे जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर जखैनी चौक के पास हुई। अमरनाथ यात्रियों को लेकर जा रही टोयोटा इनोवा सड़क किनारे खड़े एक डंपर से पीछे से टकरा गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार चालक वाहन पर नियंत्रण खो बैठा, जिसके कारण यह हादसा हुआ। दुर्घटना की सूचना मिलते ही पुलिस, प्रशासन और राहत दल मौके पर पहुंचे तथा घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया।

बताया गया कि यह वाहन उस काफिले का हिस्सा था, जिसमें 3600 से अधिक श्रद्धालु जम्मू के भगवती नगर आधार शिविर से पवित्र अमरनाथ गुफा की यात्रा के लिए रवाना हुए थे। घटना के बाद उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने उधमपुर के उपायुक्त और स्वास्थ्य अधिकारियों से बात कर घायलों की स्थिति की जानकारी ली तथा सभी को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। पुलिस ने मामला दर्ज कर दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

न्यूज ब्रीफ

बाड़ी क्लस्टर में लगेंगे अमरूद के 7777 पौधे

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। हिमाचल प्रदेश को फल राज्य बनाने की दिशा में बागवानी विभाग ने एचपी शिवा परियोजना के तहत मंडी जिले के सदर विकासखंड के बाड़ी क्लस्टर में पौधरोपण अभियान और प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया। इस दौरान किसानों को अमरूद की वैज्ञानिक खेती की जानकारी दी गई। बागवानी विशेषज्ञों ने किसानों को गड्ढे तैयार करने, खाद प्रबंधन और पौधरोपण की आधुनिक तकनीकों का ऑन-फील्ड प्रशिक्षण दिया। किसानों को वीएनआर विही और जॉर्वी रेड किस्म के पौधे उपलब्ध करवाए गए। बागवानी उपनिदेशक डॉ. संजय गुप्ता ने बताया कि बाड़ी क्लस्टर में सात हेक्टेयर भूमि पर 7777 अमरूद के पौधे लगाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि यह परियोजना किसानों की आय बढ़ाने और आजीविका मजबूत करने में अहम भूमिका निभाएगी। उन्होंने बताया कि केवल दो माह में क्लस्टर को तैयार कर पौधरोपण शुरू किया गया है। इस अवसर पर विभागीय अधिकारी और किसान मौजूद रहे।

अधीक्षक-2 पद समाप्त करने के फैसले पर जताई चिंता

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। हिमाचल प्रदेश मिनिस्ट्रियल स्टाफ एसोसिएशन का प्रतिनिधिमंडल ने लोक निर्माण एवं शहरी विकास मंत्री विक्रमादित्य सिंह के साथ विस्तृत एवं अत्यंत सकारात्मक बैठक की। बैठक में कर्मचारियों की विभिन्न लंबित मांगों, विशेषकर अधीक्षक-2 के पदों को समाप्त किए जाने तथा इन रिक्त पदों पर शीघ्र पदोन्नति आयोजित करने का विषय प्रमुखता से उठाया गया। बैठक में बताया गया कि जिन पदों को समाप्त करने का प्रयास किया जा रहा है, वे वर्ष 2007-08 में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत बढ़ते कार्यभार एवं योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए सृजित किए गए थे। उस समय 56 लिपिकीय पदों को समाप्त कर अधीक्षक-2 के पद बनाए गए थे। इस अवसर पर राज्य महासचिव लेखराज शर्मा, स्टेट कोऑर्डिनेटर आशा किमटा, जिला शिमला इकाई के अध्यक्ष बलवान सिंह, मुख्यालय इकाई अध्यक्ष बलवंत ठाकुर, महासचिव सुनील कुमार सहित विभिन्न जिलों के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

नशे के खिलाफ जागरूक करने का लिया संकल्प

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। नशा मुक्त भारत अभियान के तहत जिला कल्याण कार्यालय बिलासपुर में भांग उखाड़ो अभियान आयोजित किया गया। जिला कल्याण अधिकारी रमेश बंसल ने बताया कि कार्यालय परिसर और आसपास क्षेत्रों में उगे भांग के पौधों को उखाड़कर नष्ट किया गया। इस दौरान अधिकारियों और कर्मचारियों ने नशे के खिलाफ जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया। इसके बाद अटल वयो अभ्युदय योजना के तहत 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के अंतर्गत पौधरोपण किया गया। अधिकारियों ने पर्यावरण संरक्षण और पौधों की नियमित देखभाल का संकल्प लिया। रमेश बंसल ने कहा कि नशामुक्त समाज और स्वच्छ पर्यावरण के लिए सभी का सहयोग जरूरी है। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहने और प्रत्येक परिवार से कम से कम एक पौधा लगाने की अपील की। उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में जिलेभर में नशा मुक्त भारत अभियान के तहत लगातार जागरूकता कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं।

तीसा स्कूल नाटक विवाद: राजपूत महासभा ने उठाई बच्चों और शिक्षक पर कार्रवाई न करने की मांग

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। राजपूत महासभा और राजपूत कल्याण सभा हमीरपुर ने चंबा जिले के तीसा उपमंडल के स्कूल में विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत नाटक को लेकर सामने आए विवाद पर चिंता जताई है। सभा ने मुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री से विद्यार्थियों व संबंधित अध्यापक के खिलाफ किसी भी प्रकार की दंडात्मक कार्रवाई न करने की मांग की है। सभा पदाधिकारियों ने कहा कि नाटक में आरक्षण व्यवस्था को लेकर विचार प्रस्तुत किए गए थे, जिसमें किसी जाति विशेष के खिलाफ टिप्पणी नहीं की गई। उन्होंने इसे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और लोकतांत्रिक अधिकारों का हिस्सा बताया। राजपूत महासभा ने अनुसूचित जाति आयोग की संभावित जांच का विरोध करते हुए सामान्य वर्ग आयोग के गठन की मांग भी उठाई। इस संबंध में मुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री को उपायुक्त के माध्यम से ज्ञापन भेजा गया है। सभा ने कहा कि किसी भी विवाद का समाधान संवाद और संवैधानिक प्रक्रिया के माध्यम से होना चाहिए। पत्रकार वार्ता में सभा के पदाधिकारी मौजूद रहे।

बरसात से निपटने के लिए विभाग पहले से रहें तैयार: राजेश धर्माणी

घुमारवीं में अधिकारियों के साथ बैठक कर मंत्री ने की विकास कार्यों की समीक्षा

भारतेन्दु संवाददाता, अमर सिंह ठाकुर, बिलासपुर। नगर व ग्राम नियोजन, आवास, तकनीकी शिक्षा, व्यावसायिक एवं औद्योगिक प्रशिक्षण मंत्री राजेश धर्माणी ने कहा कि मानसून मौसम को देखते हुए सभी आवश्यक तैयारियों को समयबद्ध पूर्ण कर लिया जाए ताकि आमजन को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। राजेश धर्माणी आज घुमारवीं में एसडीएम तथा लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों के साथ आयोजित एक बैठक के दौरान बोल रहे थे।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मानसून मौसम के दौरान सड़कों, रास्तों, नदी-नालों तथा अन्य संवेदनशील क्षेत्रों में किसी भी प्रकार की समस्या उत्पन्न न हो, इसके लिए सभी उचित प्रबंध समयबद्ध सुनिश्चित कर लिए जाएं। उन्होंने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को भारी बरसात के कारण अवरुद्ध होने वाली सड़कों की तुरंत बहाली सुनिश्चित बनाने के लिए आवश्यक मशीनरी तैनात करने को भी कहा ताकि लोगों को आवाजाही में परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने राजस्व, बिजली, जलशक्ति सहित अन्य सभी अहम विभागों को मानसून मौसम के दौरान अलर्ट मोड पर तैनात रहने के भी निर्देश दिए ताकि आमजन को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

तकनीकी शिक्षा मंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार जनहित और विकास कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि लोगों की समस्याओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाना चाहिए। उन्होंने किसी भी प्राकृतिक आपदा के दौरान प्रशासन व विभागीय अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई करने को भी कहा ताकि प्रभावितों को समय पर राहत पहुंचाई जा सके। उन्होंने घुमारवीं विधानसभा क्षेत्र में चल रहे विभिन्न विकास कार्यों की भी समीक्षा की तथा अधिकारियों को तय समय अवधि में इन्हें पूर्ण करने के भी निर्देश दिए। इस मौके पर उन्होंने जन समस्याएं भी सुनीं तथा अधिकतर का मौके पर ही निपटारा कर दिया। शेष समस्याओं के जल्द समाधान के लिए संबंधित विभागीय अधिकारियों को समयबद्ध उचित कार्रवाई करने के निर्देश जारी किए।

बैठक में एसडीएम घुमारवीं अभिषेक बरवाल, अधीक्षण अभियंता लोक निर्माण विभाग मनोज सहगल, अधिशाषी अभियंता दीपक सुरेहली तथा सहायक अभियंता अनुज पराशर भी मौजूद रहे।

बिलासपुर पुलिस की बड़ी कार्रवाई पंजाब से चिट्टा सप्लायर गिरफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, अमर सिंह ठाकुर, बिलासपुर। नशा तस्करी के खिलाफ जारी अभियान के तहत बिलासपुर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए पंजाब से एक मुख्य सप्लायर को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक अभिषेक धीमान ने मीडिया को जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस थाना स्वारघाट की टीम ने यातायात जांच के दौरान सुमन कुमार पुत्र राम लाल निवासी सुरहाड़, जिला बिलासपुर को गिरफ्तार किया था। उसके कब्जे से 7.32 ग्राम चिट्टा बरामद हुआ था।

मामले की बैकवर्ड लिंकेज जांच में सामने आया कि बरामद चिट्टा/हेरोइन की सप्लाई का स्रोत खरड़, पंजाब से जुड़ा हुआ है। तकनीकी और डिजिटल साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 17 जुलाई को विशेष टीम पंजाब भेजी। टीम ने दबिश देकर सोनू कुमार पुत्र कुलवंत कुमार निवासी श्री मुक्तसर साहिब, पंजाब को गिरफ्तार किया।

◆ 40.07 ग्राम हेरोइन बरामद, नेटवर्क खंगालने में जुटी टीम

उसके कब्जे से 32.75 ग्राम चिट्टा बरामद किया गया।

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि सोनू कुमार इस खेप को जिला बिलासपुर के विभिन्न क्षेत्रों में सप्लाई करने की तैयारी में था। पुलिस अब उसके संपर्कों और संभावित खरीदारों की जानकारी जुटा रही है।

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि बिलासपुर पुलिस की रणनीति केवल स्थानीय स्तर पर गिरफ्तारियों तक सीमित नहीं है, बल्कि नशे के मूल स्रोत तक पहुंचकर पूरे सप्लाई नेटवर्क को खत्म करना है। बैकवर्ड लिंकेज जांच के माध्यम से नशा तस्करी के बड़े नेटवर्क पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। इस मामले में अब तक दो आरोपियों को गिरफ्तार कर कुल 40.07 ग्राम चिट्टा/हेरोइन बरामद की जा चुकी है।

नौ सैनिक कैंप में प्रताप वर्ल्ड स्कूल के रमीरा व अर्णव सिंह ने लहराया परचम

भारतेन्दु संवाददाता, अशोक ठाकुर, पठानकोट। प्रताप वर्ल्ड स्कूल, पठानकोट के लिए गौरव का क्षण रहा, जब एनसीसी नेवल विंग के कैडेट्स रमीरा सिंह और अर्णव सिंह ने ऑल इंडिया नौ सैनिक कैंप (AINSC) 2026 में शानदार प्रदर्शन किया। दोनों कैडेट्स ने पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश एवं चंडीगढ़ (PHHP&C) निदेशालय की टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

यह प्रतिष्ठित शिविर 30 जून से 12 जुलाई 2026 तक आईएनएस शिवाजी, लोणावला में आयोजित किया गया। देशभर से चयनित एनसीसी नेवल कैडेट्स ने इसमें भाग लिया। शिविर में कैडेट्स ने सर्विस एग्जामिनेशन, सीमैनशिप प्रैक्टिकल, बोट पुलिंग, बोट रिगिंग, फायरिंग, ड्रिल, सेमाफोर, शिप मॉडलिंग और हेल्थ एंड हाइजीन जैसी प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया। PHHP&C निदेशालय की टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए सभी निदेशालयों में ओवरऑल छठा स्थान हासिल किया। वहीं, प्रताप वर्ल्ड स्कूल की कैडेट रमीरा सिंह ने हेल्थ एंड हाइजीन प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतकर विद्यालय और क्षेत्र का नाम रोशन किया। विद्यालय की प्राचार्या सुभ्रा रानी ने दोनों कैडेट्स को बधाई देते हुए कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर विद्यालय का प्रतिनिधित्व करना गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि रमीरा सिंह की उपलब्धि कैडेट्स के अनुशासन, मेहनत और समर्पण का परिणाम है।

विद्यालय के निदेशक श्री सनी महाजन ने भी दोनों कैडेट्स को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि एनसीसी विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास और राष्ट्रसेवा की भावना विकसित करने का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने कहा कि विद्यालय भविष्य में भी विद्यार्थियों को ऐसे अवसर उपलब्ध करवाता रहेगा।

एसएफआई ने सोनम के समर्थन में किया प्रदर्शन

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई) लम्बाथाच इकाई ने पर्यावरणविद् एवं सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की भूख हड़ताल के समर्थन में महाविद्यालय परिसर में प्रदर्शन किया। इस दौरान छात्रों ने शिक्षा व्यवस्था से जुड़े विभिन्न मुद्दों को लेकर सरकार के खिलाफ आवाज बुलंद की।

छात्र नेताओं ने नीट पेपर लीक मामले, एनटीए की कार्यप्रणाली और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग उठाई। उन्होंने कहा कि बार-बार होने वाली परीक्षाओं में अनियमितताओं से लाखों विद्यार्थियों का भविष्य प्रभावित हो रहा है। एनटीए की विश्वसनीयता खत्म हो चुकी है, इसलिए इसे भंग कर पारदर्शी परीक्षा प्रणाली लागू की जानी चाहिए। एसएफआई ने जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे छात्रों और आंदोलनकारियों के साथ पुलिस कार्रवाई की भी निंदा की। इसके अलावा राजकीय महाविद्यालय लम्बाथाच में शिक्षकों की कमी का मुद्दा उठाते हुए बताया कि वर्तमान में 9 प्रोफेसरों के पद रिक्त हैं, जिससे विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। संगठन ने सभी रिक्त पदों को जल्द भरने की मांग की।

एम्स बिलासपुर का सेवा मॉडल प्रदेश के अन्य अस्पतालों में भी हो शुरू: राज कुमार

भारतेन्दु संवाददाता, अमर सिंह ठाकुर, बिलासपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के अखिल भारतीय सह सेवा प्रमुख राज कुमार मटाले जी का बिलासपुर का दो दिवसीय प्रवास सफलतापूर्वक संपन्न हो गया। इस प्रवास के दौरान विभाग संघचालक शांति स्वरूप की अध्यक्षता में एक विशेष समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें बिलासपुर, हमीरपुर और ऊना जिलों के सेवा कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। अपने प्रवास के दौरान मटाले ने एम्स बिलासपुर में सेवा भारती द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न सेवा कार्यों जैसे चाय-बिस्कुट लंगर, बिस्तर सेवा और हेल्प डेस्क—का जमीनी निरीक्षण किया और वहां समर्पित भाव से जुटे कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर उनका उत्साहवर्धन किया।

सेवा भारती के जिला अध्यक्ष देव राज शर्मा ने बैठक में जानकारी देते हुए बताया कि संस्था एम्स बिलासपुर में प्रतिवर्ष करीब 2,80,000 मरीजों और उनके तीमारदारों को अपनी सेवाएं दे रही है। 'एम्स बिलासपुर में सेवा भारती का यह 'सेवा मॉडल' अत्यंत अनुकरणीय और सफल है। इस मॉडल को प्रदेश के अन्य बड़े अस्पतालों में भी लागू किया जाना चाहिए ताकि अधिक से अधिक गरीब व जरूरतमंद मरीजों को राहत मिल सके।' इसके साथ ही उन्होंने कार्यकर्ताओं से राष्ट्र और समाज निर्माण के उद्देश्य से जिले में फ्री कोचिंग सेंटर और संस्कार केंद्र खोलने का भी आह्वान किया।

प्रवास के दौरान मटाले ने नेशनल मेडिकोज ऑर्गनाइजेशन (एनएमओ) के डॉक्टरों के साथ भी एक महत्वपूर्ण बैठक की। एनएमओ के प्रांत संगठन मंत्री डॉ. अतुल संख्यान ने बताया कि एम्स बिलासपुर, आईजीएमसी (शिमला), नेरचौक और टांडा मेडिकल कॉलेज के डॉक्टर आपसी समन्वय से प्रदेश के अत्यंत दुर्गम और पिछड़े इलाकों में समय-समय पर मुफ्त मेडिकल कैंप आयोजित कर लोगों को घर द्वार पर स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचा रहे हैं। इस अवसर पर उत्तर भारत के आरएसएस सेवा प्रमुख राम कृष्ण, प्रांत सेवा महेंद्र कुमार, जिला सह सेवा प्रमुख शिवम, डॉ. नवनीत, डॉ. सलारिया, जिला कोषाध्यक्ष नरेंद्र और अमृत धीमान सहित अन्य गणमान्य कार्यकर्ता व चिकित्सक उपस्थित रहे।

कृषि विभाग के अधिकारी करें प्रभावित क्षेत्रों का दौरा: त्रिलोक

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। बिलासपुर सदर के विधायक त्रिलोक जम्वाल ने मक्की की फसल पर फॉल आर्मी वर्म के प्रकोप पर गहरी चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि यह कीट मक्की की फसल को बड़े पैमाने पर नुकसान पहुंचा रहा है। किसान अपनी आंखों के सामने फसल नष्ट होते देखने पर मजबूर हैं। प्रदेश सरकार को समय रहते इसका संज्ञान लेना चाहिए। कृषि विभाग को निर्देश दिए जाएं कि वह प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण करके फसल को तबाह होने से बचाने के लिए कारगर कदम उठाए। कीटनाशक उपलब्ध करवाने के साथ ही गांवों में जागरूकता व प्रशिक्षण शिविर भी लगाए जाएं।

त्रिलोक जम्वाल ने कहा कि बिलासपुर जिला में बड़ी संख्या में किसान मक्की व गेहूं की खेतीबाड़ी करते हैं। किसानों ने कड़ी मेहनत से खरीफ के इस मौसम में जिला में लगभग 25,000 हेक्टेयर क्षेत्र में मक्की की बिजाई की है। उन्होंने अच्छी पैदावार की उम्मीद लगा रखी है, लेकिन पिछले कुछ वर्षों की तरह इस बार भी मक्की की फसल पर फॉल आर्मी वर्म का हमला शुरू हो गया है। इस बेहद विनाशकारी व बहुभक्षी कीट की सूंडियां मक्की की पत्तियों तथा पौधे के मध्य भाग को खाकर फसल को जोरदार नुकसान पहुंचा रही हैं। इससे किसानों को अपनी सारी मेहनत मिट्टी में मिलने की आशंका सता रही है।

जम्वाल ने कहा कि यदि फॉल आर्मी वर्म के प्रकोप को समय रहते रोका नहीं गया, तो किसानों की सारी फसल तबाह हो जाएगी। कृषि विभाग के अधिकारी भी कह रहे हैं कि समय रहते इस पर नियंत्रण नहीं किए जाने पर मक्की की पैदावार में 30-40 फीसदी या उससे भी अधिक कमी आ सकती है। इससे जहां किसानों की रोजी-रोटी पर संकट खड़ा हो जाएगा, वहीं परिवारों का पालन-पोषण करना भी उनके लिए बेहद मुश्किल हो जाएगा।

राजनीतिक शास्त्र और कला अध्यापकों की परीक्षाएं 29 को

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। हिमाचल प्रदेश राज्य चयन आयोग (एचपीआरसीए) हमीरपुर ने राजनीतिक शास्त्र और ड्राइंग टीचर के पदों की भर्ती के लिए कंप्यूटर आधारित परीक्षा (सीबीटी) की तिथियां घोषित कर दी हैं। आयोग के सचिव डॉ. विक्रम महाजन ने बताया कि राजनीतिक शास्त्र के शिक्षकों पोस्ट कोड 26028 की परीक्षा 29 जुलाई को दो शिफ्टों में सुबह 9 से 10:30 बजे तक और दोपहर 12:30 बजे से 2 बजे तक होगी। जबकि, ड्राइंग टीचर पोस्ट कोड 26022 की परीक्षा भी इसी दिन शाम को 4 से 5:30 बजे तक होगी। डॉ. विक्रम महाजन ने बताया कि परीक्षा से एक सप्ताह पहले आयोग की वेबसाइट एचपीआरसीए एचपी जीओवी इन पर एक लिंक का प्रावधान किया जाएगा, जिससे अभ्यर्थी अपना रोल नंबर एवं एडमिट कार्ड डाउनलोड कर सकेंगे। रोल नंबर व परीक्षा केंद्र की जानकारी मोबाइल फोन पर एसएमएस के माध्यम से भी भेजी जाएगी। सभी अभ्यार्थी ईमेल पर ताजा स्टेटस चेक करते रहें।

डीसी ने किया नागनी माता मेले का आगाज

दो माह तक चलेगा मेला, सुरक्षा और व्यवस्था को लेकर प्रशासन सतर्क

भारतेन्दु संवाददाता, अशोक ठाकुर, नूरपुर। जिला स्तरीय नागनी माता मेले का शुभारंभ श्रद्धा, आस्था और पारंपरिक उत्साह के साथ हुआ। उपायुक्त कांगड़ा हेमराज बैरवा ने भव्य शोभायात्रा में शामिल होकर मेले का विधिवत शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने क्षेत्रवासियों और श्रद्धालुओं को मेले की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि धार्मिक एवं सांस्कृतिक मेले हमारी समृद्ध लोक परंपराओं, सांस्कृतिक विरासत और सामाजिक एकता को मजबूत करने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं।

उपायुक्त ने कहा कि हिमाचल प्रदेश की देव संस्कृति और धार्मिक आस्था देशभर में अपनी विशेष पहचान रखती है। नागनी माता मंदिर के प्रति श्रद्धालुओं की गहरी आस्था है और दूर-दराज क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग माता के दर्शन के लिए पहुंचते हैं। उन्होंने कहा कि दो माह तक चलने वाले इस मेले के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और बेहतर व्यवस्थाएं सुनिश्चित करना प्रशासन, संबंधित विभागों और मंदिर कमेटी की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने मंदिर कमेटी से स्वच्छता, पेयजल, शौचालय, पार्किंग और श्रद्धालुओं के सामान की सुरक्षा जैसी मूलभूत सुविधाओं पर विशेष ध्यान देने का आग्रह किया। उन्होंने आश्वासन दिया कि जिला प्रशासन मेले के सफल आयोजन के लिए मंदिर कमेटी को हरसंभव सहयोग उपलब्ध करवाएगा। उपायुक्त ने मंदिर परिसर और सराय भवन में किए गए विकास कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए किए जा रहे प्रयास सराहनीय हैं। उन्होंने बताया कि मंदिर के दोनों मुख्य प्रवेश द्वार राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित हैं, ऐसे में दुर्घटनाओं की संभावना को देखते हुए पुलिस प्रशासन और मंदिर कमेटी को यातायात प्रबंधन एवं सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष सतर्कता बरतनी होगी। उन्होंने विभिन्न विभागों से आह्वान किया कि मेले के माध्यम से सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी आम लोगों तक पहुंचाई जाए, ताकि पात्र नागरिक इनका लाभ उठा सकें।

इस अवसर पर मंदिर कमेटी ने उपायुक्त को शॉल, हिमाचली टोपी और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के कलाकारों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर कार्यक्रम को आकर्षक बनाया। कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक इल्मा अफरोज, एसडीएम अरुण शर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक धर्मचंद वर्मा, अन्य अधिकारी, जनप्रतिनिधि, मंदिर कमेटी के सदस्य और बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

सीएपीएफ परीक्षा को लेकर मंडी में आज धारा 163 लागू

◆ परीक्षा केंद्रों के आसपास प्रतिबंधात्मक आदेश जारी

भारतेन्दु संवाददाता, भगत सिंह गुलेरिया, मंडी। उपमंडलाधिकारी (ना.) सदर मंडी चन्द्र प्रकाश ने संघ लोक सेवा आयोग द्वारा सशस्त्र पुलिस बल (एसी) परीक्षा, 2026 के आयोजन के दृष्टिगत भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 163 से संबंधित आदेश पारित किए हैं। आदेशों के अनुसार संघ लोक सेवा आयोग राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला तथा राजकीय वल्लभ डिग्री कॉलेज में 19 जुलाई को यह परीक्षा आयोजित कर रहा है। इस परीक्षा को शांतिपूर्ण और सुचारू रूप से संचालित करने के दृष्टिगत परीक्षा स्थलों के आसपास जुलूस, नारे लगाने, हड़ताल, सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक रैलियों और कार्यक्रमों पर रोक लगाना अत्यंत आवश्यक है।

इसी के मद्देनजर उन्होंने बीएनएसएस की धारा 163 के तहत आदेश जारी किए हैं कि 19 जुलाई, 2026 को दोनों परीक्षा केंद्रों के आस-पास किसी भी सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक कार्यक्रम, जुलूस, रैलियों, नारेबाजी, हड़तालों पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। इसके अतिरिक्त सुबह 8:00 बजे से शाम 7:00 बजे तक इन दोनों परीक्षा स्थलों के आसपास लाउडस्पीकर के उपयोग पर भी पूर्ण प्रतिबंध रहेगा और परीक्षा स्थलों के अंदर और आस-पास इस अवधि में निर्माण, तम्बू, मंच लगाने या हटाने के कार्य पर भी प्रतिबंध रहेगा। साथ ही परीक्षा स्थलों और उसके आसपास के क्षेत्रों में किसी भी प्रकार के हथियार, लाठी, गोला-बारूद, तलवारें, शस्त्र, घातक उपकरण आदि ले जाने पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया है। यह आदेश केवल एक दिन तक ही लागू रहेगा। उन्होंने पुलिस विभाग को इस आदेश के प्रवर्तन के लिए उपरोक्त परीक्षा स्थलों और उसके आसपास पर्याप्त पुलिस कर्मियों को तैनात करने के भी निर्देश दिए

पहल 8 माह में 8 टन प्लास्टिक कचरा एकत्र, पहली प्रोसेस्ड खेप डीसी ने बरमाणा की रवाना

ग्रामीण स्वच्छता मॉडल में बिलासपुर ने रचा इतिहास

भारतेन्दु संवाददाता, अमर सिंह ठाकुर, बिलासपुर। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत बिलासपुर ने ग्रामीण स्वच्छता एवं ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के क्षेत्र में प्रदेश भर में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। बिलासपुर हिमाचल प्रदेश का ऐसा पहला जिला बन गया है, जहां ग्रामीण क्षेत्रों में प्रत्येक घर से डोर-टू-डोर प्लास्टिक कचरा संग्रहण की सुव्यवस्थित व्यवस्था विकसित की गई है। इस अभिनव पहल के तहत पिछले लगभग आठ माह के दौरान ग्राम पंचायतों से एकत्र किए गए सूखे प्लास्टिक कचरे की पहली प्रोसेस्ड खेप को उपायुक्त बिलासपुर राहुल कुमार ने सदर विकास खंड की नौणी ग्राम पंचायत स्थित प्लास्टिक कचरा संग्रहण एवं प्रबंधन केंद्र से हरी झंडी दिखाकर बरमाणा सीमेंट संयंत्र के लिए रवाना की। संयंत्र में उच्च तापमान पर सह-प्रसंस्करण (को-प्रोसेसिंग) के माध्यम से इस प्लास्टिक कचरे का वैज्ञानिक एवं पर्यावरण अनुकूल तरीके से अंतिम निस्तारण किया जाएगा।

राहुल कुमार ने कहा कि इस महत्वाकांक्षी अभियान की शुरुआत गत वर्ष 2 अक्तूबर को गांधी जयंती के अवसर पर की गई थी, जिसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों को प्लास्टिक मुक्त, स्वच्छ एवं पर्यावरण अनुकूल बनाना है। उन्होंने कहा कि इस पहल ने बिलासपुर को प्रदेश में एक मॉडल जिला बनाया है, जिसकी कार्यप्रणाली से भविष्य में अन्य जिले भी प्रेरणा ले सकेंगे।

उन्होंने कहा कि जिले के चारों विकास खंडों बिलासपुर सदर, घुमारवीं, झंडूता तथा श्री नयना देवी जी में प्लास्टिक कचरा संग्रहण एवं प्रबंधन केंद्र स्थापित किए गए हैं। ग्राम पंचायतों द्वारा घर-घर से एकत्र किए गए सूखे प्लास्टिक कचरे को इन केंद्रों तक पहुंचाया जाता है, जहां उसकी छंटाई, संपीड़न (बेलिंग) तथा प्रोसेसिंग की जाती है। इसके बाद वैज्ञानिक तरीके से अंतिम निस्तारण के लिए बरमाणा सीमेंट संयंत्र भेजा जाता है।

उपायुक्त ने कहा कि इस व्यवस्था को प्रभावी बनाने के लिए ग्रामीण विकास विभाग एवं बरमाणा सीमेंट संयंत्र के बीच समझौता (एमओयू) किया गया है। वहीं डोर-टू-डोर प्लास्टिक कचरा संग्रहण के लिए विधिवत निविदा प्रक्रिया के माध्यम से एजेंसी का चयन किया गया है। चयनित एजेंसी टारगेट ग्रीन जोन के कर्मचारी समय-समय पर ग्राम पंचायतों से एकत्रित प्लास्टिक कचरे को संग्रहण केंद्रों तक पहुंचाते हैं, जहां प्रोसेसिंग के बाद इसे अंतिम निस्तारण के लिए भेजा जाता है।

उन्होंने कहा कि आज एक टन से अधिक प्रोसेस्ड प्लास्टिक कचरे की पहली खेप बरमाणा सीमेंट संयंत्र भेजी गई है। सीमेंट संयंत्र में उच्च तापमान पर को-प्रोसेसिंग तकनीक के माध्यम से प्लास्टिक कचरे का सुरक्षित निस्तारण किया जाएगा, जिससे खुले में जलाने या फेंके जाने से होने वाले पर्यावरणीय प्रदूषण पर प्रभावी नियंत्रण संभव होगा। राहुल कुमार ने कहा कि अभियान के तहत अब तक जिले भर से आठ टन से अधिक सूखा प्लास्टिक कचरा एकत्र किया जा चुका है, जिसे चरणबद्ध तरीके से अंतिम निस्तारण के लिए भेजा जाएगा। उन्होंने कहा कि अब ग्राम पंचायतों के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों के प्रमुख स्थानों जैसे कंदरौर, बरठीं, चाँदपुर, जुखाला, भराडी, डंगार, नम्होल तथा अन्य बड़े स्थानों को भी इस अभियान से जोड़ा जा रहा है, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में प्लास्टिक अपशिष्ट का समग्र एवं प्रभावी प्रबंधन सुनिश्चित किया जा सके।

इस अवसर पर अतिरिक्त उपायुक्त रुपिंदर कौर, जिला ग्रामीण विकास अभिकरण के परियोजना अधिकारी यशपाल, संबंधित विभागों के अधिकारी, पंचायत प्रतिनिधि तथा स्थानीय ग्रामीण उपस्थित रहे।

चिंतपूर्णी मंदिर में 13 से 21 अगस्त तक लगेगा श्रावण अष्टमी मेला, सुरक्षा के लिए तैनात होंगे 1600 जवान

भारतेन्दु संवाददाता, ऊना। माता श्री चिंतपूर्णी मंदिर में आयोजित होने वाले श्रावण अष्टमी मेले की तैयारियों को लेकर अतिरिक्त उपायुक्त (एडीसी) ऊना ईशांत जसवाल ने शनिवार को माईदास सदन चिंतपूर्णी में अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने 13 से 21 अगस्त तक चलने वाले मेले के सफल संचालन के लिए विभिन्न विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए।

एडीसी ने बताया कि मेले के दौरान मंदिर श्रद्धालुओं के लिए 24 घंटे खुला रहेगा। साफ-सफाई और मां के श्रृंगार व भोग के समय मंदिर को निर्धारित अवधि के लिए बंद किया जाएगा। मेले की व्यवस्थाओं के लिए एडीसी ऊना को मेला अधिकारी, एसडीएम अंब को सहायक मेला अधिकारी, जबकि एएसपी ऊना को पुलिस मेला अधिकारी नियुक्त किया गया है।

उन्होंने कहा कि मेले के दौरान लंगर लगाने के लिए प्रशासन से अनुमति लेना अनिवार्य होगा। लंगर समाप्त होने के बाद आयोजकों को सफाई व्यवस्था भी सुनिश्चित करनी होगी। खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए खाद्य सुरक्षा विभाग नियमित निरीक्षण करेगा।

◆ मेले में लंगर, प्लास्टिक और लाउडस्पीकर पर रहेगी पाबंदी: एडीसी

मेले में ढोल-नगाड़े, चिमटा, लाउडस्पीकर, प्लास्टिक और थर्मोकोल के उपयोग पर प्रतिबंध रहेगा। नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई की जाएगी। कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए मेला क्षेत्र को चार सेक्टरों में बांटा जाएगा और पुलिस व होमगार्ड के 1600 जवानों सहित त्वरित कार्य बल की टीमें तैनात रहेंगी।

श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए अस्थाई शौचालय, चिकित्सा शिविर, पेयजल व्यवस्था और अग्निशमन सेवाएं उपलब्ध करवाई जाएंगी। प्रशासन ने सड़क व्यवस्था सुधारने, विद्युत आपूर्ति सुचारू रखने और निजी सरायों में अग्निशमन उपकरण लगाने के भी निर्देश दिए हैं। बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारी और पंचायत प्रतिनिधि मौजूद रहे।

एलिका श्मिट का खूबसूरत अंदाज

जर्मन। एलिका श्मिट जर्मनी की प्रसिद्ध धाविका हैं। उनका जन्म 8 नवंबर 1998 को हुआ था। वह 400 मीटर दौड़ और रिले स्पर्धाओं के लिए जानी जाती हैं। अपनी खेल प्रतिभा और फिटनेस के कारण वह विश्वभर में लोकप्रिय हैं।

स्पोर्ट्स विंडो

यूरोपियन एथलेटिक्स अंडर-18 चैंपियनशिप
इटली की केली डुआला ने 100 मीटर स्पर्धा में जीता सोना

एजेंसी, रिएटी (इटली)। इटली की केली डुआला ने यूरोपियन एथलेटिक्स अंडर18 चैंपियनशिप की 100 मीटर स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन करते हुए रिकॉर्ड 11.14 सेकंड समय के साथ स्वर्ण पदक जीता। रिएटी में शुक्रवार को हुए मुकाबले में अपने देशवासियों के सामने, डुआला ने तेजी से दौड़ते हुए सभी प्रतियोगियों को पीछे छोड़ दिया। डुआला ने प्रतियोगिता में नया रिकॉर्ड बनाया और वह 2001 में मैनुएला लेवोराटो के बाद 11.14 सेकंड का समय दर्ज करने वाली दूसरी इटैलियन महिला बन गईं। डुआला ने पिछले सीजन के अपने ही अंडर 18 रिकॉर्ड को 0.07 सेकंड से बेहतर करते हुए अपना निजी सर्वश्रेष्ठ रिकॉर्ड बनाया। मुकाबले के बाद रिकॉर्ड को लेकर डुआला ने कहा, 'मुझे असल में यह पता नहीं था। मैं इसे लेकर बहुत खुश हूं। इसका मतलब है कि मैं हमेशा बेहतर कर सकती हूं और आगे बढ़ती रह सकती हूं। यह भविष्य की ओर बस पहला कदम है। मेरा अगला लक्ष्य अंडर 20 वर्ल्ड चैंपियनशिप है। मैं पदक जीतने का लक्ष्य नहीं रख रही हूं, लेकिन मुझे पता है कि अगर मैं मजे के साथ और शांत रहकर दौड़ूंगी, तो अच्छा प्रदर्शन करूंगी। यही मायने रखता है।

बीसीसीआई ने रोहित शर्मा के भविष्य को लेकर चल रही अटकलों को किया खारिज

एजेंसी, मुम्बई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने उन अटकलों को खारिज कर दिया है जिसमें कहा गया है कि लॉर्ड्स में इंग्लैंड के खिलाफ रविवार को होने वाला एकदिवसीय मैच रोहित शर्मा का आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच होगा। क्रिकबज की रिपोर्ट के अनुसार बीसीसीआई के सचिव देवजीत सैकिया ने मीडिया को दिए एक बयान में कहा कि 'ऐसी कोई चर्चा' नहीं हुई है। उन्होंने कहा, 'रोहित शर्मा के भविष्य को लेकर मीडिया में कई तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं। मैं स्पष्ट करना चाहता हूं कि ऐसी कोई चर्चा नहीं हुई है कि रोहित रविवार को लॉर्ड्स में अपना आखिरी मैच खेलेंगे।' उन्होंने अनुभवी सलामी बल्लेबाज भविष्य को लेकर लंबे समय से चल रही अटकलों की निंदा तो नहीं की, लेकिन यह स्पष्ट किया कि रोहित भारत की वनडे योजनाओं का हिस्सा बने रहेंगे। सैकिया ने कहा, 'रोहित भारतीय एकदिवसीय टीम के रेगुलर सदस्य हैं और जब तक वह टीम की योजनाओं का हिस्सा रहेंगे, तब तक देश का प्रतिनिधित्व करते रहेंगे। दूसरे शब्दों में कहें तो, लॉर्ड्स वनडे उनका आखिरी मैच नहीं होगा।'

मुबाडाला डीसी ओपन में टॉप-20 में शामिल सात खिलाड़ी लेंगी हिस्सा

एजेंसी, वॉशिंगटन। दुनिया की शीर्ष 20 खिलाड़ियों में से सात खिलाड़ियां एलिना स्विटोलिना, मार्टा कोस्त्युक, नाओमी ओसाका, डायना श्नाइडर, इवा जोविक, जैस्मीन पाओलिनी और अन्ना कलिंस्कया अगले महीने होने वाले मुबाडाला डीसी ओपन में खेलेंगी। 28 खिलाड़ियों वाले एकल ड्रॉ में टॉप 30 की खिलाड़ी मैडिसन कीज, लेयला फर्नांडीज, क्लारा टॉसन, एम्मा नवारो, अनास्तासिया पोटापोवा और एन ली भी हैं। सीधे प्रवेश पाने वालों की लिस्ट में एलेक्जेंड्रा एला, क्रिस्टीना बुक्सा, कैटरीना सिनियाकोवा, जैकलीन क्रिस्टियन, जिल्यू वांग, ल्युडमिला सैमसनोवा और जेनिस जेन शामिल हैं। मेन-ड्रॉ के लिए पहले पांच वैकल्पिक खिलाड़ियों में मैग्डालेना फ्रेच, सारा बेजलेक, एलिसाबेटा कोकियारेटो, मैग्डा लिनेट और केटी बोल्टर हैं।

आईएसएफ कैनो स्लैलम वर्ल्ड चैंपियनशिप में दुनिया के 256 पैडलर्स लेंगे हिस्सा

एजेंसी, ओक्लाहोमा सिटी (अमेरिका)। दुनिया के सबसे अच्छे 256 पैडलर्स 20 से 25 जुलाई तक यहां होने वाली आईएसएफ कैनो स्लैलम विश्व चैंपियंशिप 2026 में प्रतिस्पर्धा करेंगे। यहीं जगह लॉस एंजिल्स 2028 ओलंपिक गेम्स में कैनो स्लैलम प्रतियोगिता की मेजबानी भी करेगी। अमेरिका में कैनो स्लैलम बहुत ज्यादा मशहूर खेलों में से एक नहीं है, लेकिन अगर ओक्लाहोमा के लोगों को किसी चीज का शौक है, तो वह है अच्छा रोडियो। और अगर कोई खेल 'व्हाइटवॉटर रोडियो' कहलाने के लायक है, तो वह कैनो स्लैलम ही है।जाहिर है, एलए28 ओलंपिक गेम्स से दो साल पहले ये दोनों चीजें बड़े पैमाने पर एक साथ आएंगी। ओक्लाहोमाओलंपिक के दौरान कैनो स्लैलम प्रतियोगिताओं की मेजबानी करेगा। और 2026 आईसीएफ कैनो स्लैलम वर्ल्ड चैंपियनशिप 20-25 जुलाई तक ओकेसी व्हाइटवॉटर सेंटर में होगी।

फीफा वर्ल्ड कप फाइनल
102 मैचों के बाद मेसी-यमाल आमने-सामने
अर्जेंटीना-स्पेन में ताज की टक्कर आज

एजेंसी, नई दिल्ली

102 मैच, 31 दिन और 46 टीमों के लंबे सफर के बाद फुटबॉल विश्व कप 2026 को अपने दो फाइनलिस्ट मिल गए हैं। गत चैंपियन अर्जेंटीना लगातार दूसरी बार फाइनल में पहुंचा है, जबकि स्पेन 16 साल बाद खिताबी मुकाबला खेलेगा। दोनों टीमें 19 जुलाई रविवार रात 12:30 बजे विश्व कप ट्रॉफी के लिए आमने-सामने होंगी। अर्जेंटीना के फाइनल तक पहुंचने में कप्तान लियोनेल मेसी सबसे बड़े मैच विनर रहे। उन्होंने पूरे टूर्नामेंट में सर्वाधिक आठ गोल किए, अल्जीरिया के खिलाफ हैट्रिक जमाई और इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल में आखिरी सात मिनट में दो असिस्ट देकर हार को जीत में बदल दिया।

मिडफील्ड में एंजो फर्नांडीज ने खेल की रफ्तार नियंत्रित की। इंग्लैंड के खिलाफ उनका लंबी दूरी का शानदार गोल बराबरी दिलाने में निर्णायक साबित हुआ। लॉटारो मार्टिनेज ने सेमीफाइनल में इंजरी टाइम में विजयी हेडर लगाकर टीम को लगातार दूसरे फाइनल में पहुंचाया। डिफेंडर क्रिस्टियन रोमेरो ने मिस्र के खिलाफ पूरे टूर्नामेंट में मजबूत रक्षात्मक प्रदर्शन किया। वहीं जूलियन अल्वारेज ने स्विट्जरलैंड के खिलाफ क्वार्टर फाइनल के एक्स्ट्रा टाइम में निर्णायक गोल कर सेमीफाइनल का रास्ता खोला। स्पेन की सफलता की सबसे बड़ी वजह उसका अभेद्य डिफेंस रहा। गोलकीपर उनाई सिमोन ने पूरे टूर्नामेंट में सिर्फ एक गोल खाया और फ्रांस के खिलाफ सेमीफाइनल में कई शानदार बचाव किए। युवा स्टार लामिन यमाल ने अपनी गति और ड्रिब्लिंग से विपक्षी डिफेंस को लगातार परेशान किया, जबकि मिकेल ओयारजाबाल ने पांच गोल और एक असिस्ट के साथ स्पेन के सबसे भरोसेमंद फिनिशर की भूमिका निभाई। अब नजरें फाइनल पर हैं, जहां मेसी की अर्जेंटीना लगातार दूसरा विश्व कप जीतने उतरेगी, जबकि स्पेन 16 साल बाद फिर से विश्व चैंपियन बनने का सपना पूरा करना चाहेगा।

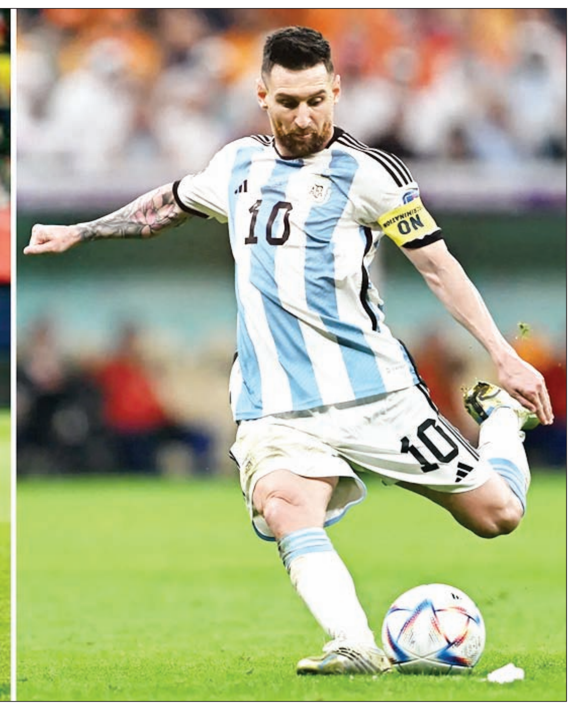

मेसी के मुरीद हुए डोनाल्ड ट्रंप रोनाल्डो-केन की भी तारीफ
बोले-अलग प्रतिभा लेकर पैदा होते हैं महान खिलाड़ी

एजेंसी, न्यूयॉर्क

फीफा विश्व कप 2026 के फाइनल से पहले अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अर्जेंटीना के स्टार लियोनेल मेसी, पुर्तगाल के दिग्गज क्रिस्टियानो रोनाल्डो और इंग्लैंड के कप्तान हैरी केन की जमकर सराहना की। उन्होंने कहा कि महान खिलाड़ी जन्म से ही ऐसी असाधारण प्रतिभा लेकर आते हैं, जो उन्हें बाकी खिलाड़ियों से अलग बनाती है।

न्यूयॉर्क में आयोजित एक कार्यक्रम में ट्रंप ने कहा कि उन्होंने अर्जेंटीना-इंग्लैंड सेमीफाइनल में मेसी का निर्णायक पास देखा, जिसने मैच का रुख बदल दिया। उनके मुताबिक, कड़ी मार्किंग के बावजूद मेसी का पास लगभग पूरी तरह सटीक था और वही उनकी असाधारण क्षमता का उदाहरण है।

ट्रंप ने कहा, 'महान खिलाड़ी बार-बार ऐसे ही कमाल करते हैं। वे कुछ अतिरिक्त प्रतिभा लेकर पैदा होते हैं। रोनाल्डो भी उन्हीं में से एक हैं। मैं वर्षों से उन्हें जानता हूं और वह

बेहतरीन इंसान हैं।' उन्होंने इंग्लैंड के कप्तान हैरी केन की भी तारीफ की और कहा कि टीम ने कुछ रक्षात्मक भूमिका देकर रणनीतिक गलती की। ट्रंप के अनुसार, बढ़त मिलने के बाद इंग्लैंड ने अपने सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी को आगे रखने के बजाय रक्षा में लगा दिया, जिसका फायदा अर्जेंटीना ने उठाया और अंतिम क्षणों में दो गोल कर 2-1 से जीत दर्ज की। अब विश्व कप फाइनल में गत चैंपियन अर्जेंटीना का सामना यूरोपीय चैंपियन स्पेन से होगा। मुकाबले में मेसी और स्पेन के युवा स्टार लामिन यामाल पर सभी की नजरें रहेंगी। मेसी शानदार फॉर्म में हैं और गोल्डन बूट की दौड़ में भी सबसे आगे चल रहे हैं।

सिंधु जापान ओपन फाइनल में चेन यूफेई चोटिल होकर हटीं

एजेंसी, टोक्यो

भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जापान ओपन 2026 के फाइनल में जगह बना ली। शनिवार को खेले गए महिला एकल सेमीफाइनल में चीन की विश्व नंबर-4 चेन यूफेई हैमस्ट्रिंग चोट के कारण मुकाबला बीच में ही छोड़ने को मजबूर हो गईं। उस समय सिंधु पहला गेम 21-19 से जीत चुकी थीं और दूसरे गेम में 15-10 से आगे चल रही थीं।

सिंधु ने मुकाबले की शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया और पहले गेम में बढ़त बना ली। हालांकि, पूर्व ओलंपिक चैंपियन चेन ने शानदार वापसी करते हुए स्कोर 19-19 से बराबर कर दिया। दबाव के बावजूद सिंधु ने संयम बनाए रखा और लगातार दो अंक जीतकर पहला गेम 21-19 से अपने नाम किया। दूसरे गेम में भी सिंधु का दबदबा कायम रहा। उन्होंने 15-10 की मजबूत बढ़त हासिल कर ली थी, तभी चेन यूफेई हैमस्ट्रिंग की चोट से परेशान दिखीं और मैच से हटने का फैसला किया। इसके साथ ही सिंधु फाइनल में पहुंच गईं। यह जीत सिंधु के शानदार फॉर्म का प्रमाण है। 2026 की शुरुआत उन्होंने विश्व रैंकिंग में 18वें स्थान से की थी, लेकिन लगातार बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर वह फिर शीर्ष-10 में लौटते हुए अब विश्व नंबर-9 बन चुकी हैं। अब खिताबी मुकाबले में सिंधु का सामना जापान की अकाने यामागुची और इंडोनेशिया की पुत्री कुसुमा वारदानी के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल की विजेता से होगा। भारतीय स्टार लंबे अंतराल के बाद सुपर 750 खिताब जीतने के इरादे से फाइनल में उतरेंगी।

ब्रायन लारा ने सोबर्स को दी भावभीनी श्रद्धांजलि

एजेंसी, नई दिल्ली। वेस्टइंडीज के पूर्व कप्तान ब्रायन लारा ने महान क्रिकेटर सर गारफील्ड सोबर्स के निधन पर गहरा शोक जताते हुए उन्हें वेस्टइंडीज का सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर बताया। इंस्टाग्राम पर लारा ने लिखा, 'हमारे सबसे महान खिलाड़ी हमें छोड़कर चले गए। उनके परिवार के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। आपकी विरासत कभी नहीं भुलाई जाएगी।' क्रिकेट इतिहास के महानतम ऑलराउंडरों में शुमार सोबर्स ने 1954 से 1974 के बीच 93 टेस्ट में 8,032 रन और 235 विकेट लिए। 1958 में उनकी नाबाद 365 रन की पारी 36 वर्षों तक टेस्ट क्रिकेट का सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर रही। वहीं, 1968 में उन्होंने प्रथम श्रेणी क्रिकेट में एक ओवर में लगातार छह छक्के लगाने वाले पहले बल्लेबाज बनने का रिकॉर्ड भी बनाया।

1975 में उन्हें नाइटहुड और 2000 में विजडन ने 20वीं सदी के पांच महानतम क्रिकेटरों में स्थान देकर सम्मानित किया। उनके सम्मान में दिया जाने वाला आईसीसी सर गारफील्ड सोबर्स ट्रॉफी आज भी विश्व क्रिकेट का सबसे प्रतिष्ठित व्यक्तिगत पुरस्कार माना जाता है।

विश्व कप फाइनल हमारा सपना इतिहास रचना लक्ष्य : सलीमा टेटे

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान सलीमा टेटे ने कहा कि एफआईएच महिला हॉकी विश्व कप 2026 में टीम का लक्ष्य केवल अच्छा प्रदर्शन करना नहीं, बल्कि फाइनल में पहुंचकर इतिहास रचना है। उनके अनुसार एफआईएच नेशंस कप जीतने के बाद टीम का आत्मविश्वास काफी बढ़ा है और खिलाड़ी दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीमों की चुनौती देने के लिए तैयार हैं।

15 से 30 अगस्त तक बेल्जियम और नीदरलैंड में होने वाले विश्व कप में भारत को पूल-डी में चीन, दक्षिण अफ्रीका और इंग्लैंड के साथ रखा गया है। भारतीय टीम 16 अगस्त को चीन के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी। पहली बार विश्व कप में टीम की कप्तानी कर रहीं सलीमा ने कहा कि यह उनके लिए गर्व और जिम्मेदारी दोनों का क्षण है। उन्होंने कहा कि पिछली बार टीम ने अच्छा खेल दिखाया था, लेकिन नतीजे उम्मीद के मुताबिक नहीं रहे। इस बार पूरा फोकस फाइनल तक पहुंचने और उससे आगे जाने पर है। सलीमा ने टीम की सबसे बड़ी ताकत आपसी संवाद और भरोसे को बताया। उन्होंने कहा कि युवा और अनुभवी खिलाड़ी एक-दूसरे से लगातार सीखते हैं, जिससे टीम का तालमेल मजबूत होता है। उनके अनुसार विश्व कप जैसे बड़े टूर्नामेंट में दबाव के बोझ नहीं, बल्कि चुनौती के रूप में स्वीकार करना होगा। चीन के खिलाफ पहले मुकाबले पर उन्होंने कहा कि यह नया टूर्नामेंट है और टीम के पास खुद को साबित करने का नया अवसर है। उन्होंने खिलाड़ियों से आत्मविश्वास के साथ अपनी स्वाभाविक शैली में खेलने और अंतिम सेकंड तक संघर्ष जारी रखने का आह्वान किया।

युवा खिलाड़ियों को संदेश देते हुए सलीमा ने कहा कि वे अपनी मेहनत और क्षमता पर भरोसा रखें तथा बिना दबाव के खुलकर खेलें। उन्होंने कहा कि भारत का प्रतिनिधित्व करना ही टीम की सबसे बड़ी प्रेरणा है और एकजुट होकर खेलते हुए भारत किसी भी टीम को चुनौती देने में सक्षम है।

लॉर्ड्स में भारत-इंग्लैंड निर्णायक वनडे आज
'हिटमैन' और शुभमन गिल से बड़ी पारी की उम्मीद

एजेंसी, लंदन

भारत और इंग्लैंड के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज का निर्णायक मुकाबला रविवार को लॉर्ड्स में खेला जाएगा। इस मैच में सबसे ज्यादा निगाहें पूर्व कप्तान रोहित शर्मा पर होंगी, जो पहले दो मुकाबलों में बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहे थे।

रोहित के संन्यास को लेकर चल रही अटकलों के बीच बीसीसीआई ने स्पष्ट कर दिया है कि यह उनका आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं होगा। हालांकि, 39 वर्षीय बल्लेबाज आलोचकों को जवाब देने के लिए बड़ी पारी खेलना चाहेंगे। बल्लेबाजों के अनुकूल लॉर्ड्स की पिच उनके लिए लय हासिल करने का अच्छा मौका हो सकती है।

कप्तान शुभमन गिल भी दूसरे वनडे की नाकामी को पीछे छोड़कर टीम को मजबूत शुरुआत देना चाहेंगे। वहीं, विराट कोहली शानदार फॉर्म में हैं और एक बार फिर भारत की बल्लेबाजी की धुरी होंगे। मध्यक्रम में श्रेयस अय्यर से उपयोगी योगदान की उम्मीद होगी, जबकि शॉर्ट गेंदों के खिलाफ बल्लेबाजों की कमजोरी दूर करना टीम के लिए बड़ी चुनौती रहेगी।

गेंदबाजी में चोटिल वॉशिंगटन सुंदर की जगह कुलदीप यादव को मौका मिल सकता है। अक्षर पटेल से भी ऑलराउंड प्रदर्शन की उम्मीद होगी। इंग्लैंड की बल्लेबाजी में सबसे बड़ा खतरा जो रूट हैं, जो लगातार रन बना रहे हैं। भारत यदि रूट को जल्दी आउट करने में सफल रहता है तो सीरीज अपने नाम करने की संभावना काफी बढ़ जाएगी।

पाकिस्तान में मारा गया वांछित आतंकी खालिद उर्फ कमांडर

एजेंसी, इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रांतीय पुलिस बलों की प्रमुख खुफिया और आतंकवाद-रोधी शाखा काउंटर टेररिज्म डिपार्टमेंट (सीटीडी) ने खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में वांछित आतंकवादी खालिद उर्फ कमांडर को मुठभेड़ में मार गिराया। अधिकारियों के अनुसार सीटीडी को यह सफलता डेरा इस्माइल खान इलाके में मिली।

दुनिया न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार खुफिया सूचना पर आतंकवादी खालिद उर्फ कमांडर को दबोचने के लिए दबिश दी गई। उससे आत्मसमर्पण की अपील की गई। इसे अनसुना कर उसने गोलीबारी शुरू कर दी। सुरक्षाकर्मियों की जवाबी गोलीबारी में वह मारा गया। वह सिपाही मोहम्मद अली की हत्या में शामिल था। अधिकारियों ने बताया कि वह टीटीपी जाकिर कोची कारवां समूह से जुड़ा हुआ था। उसके पास से 9 एमएम की पिस्तौल, एक हैंड ग्रेनेड और एक स्मार्टफोन बरामद किया गया। इससे पहले खैबर पख्तूनख्वा के बन्नू में 27 विद्रोहियों के मारे जाने की खबर आई। पाकिस्तानी सेना की जनसंपर्क शाखा इंटर सर्विसेज पब्लिक रिलेशन (आईएसपीआर) ने शुक्रवार दोपहर जारी बयान में कहा कि पिछले 24 घंटों में खैबर पख्तूनख्वा के बन्नू जिले और आसपास के जिलों में 24 विद्रोहियों को मार गिराया है। खैबर पख्तूनख्वा में बुधवार को दो स्थानों हमले हुए थे। लोवर दीर में पुलिस के काफिले को निशाना बनाया गया।

बंगाल पहुंचे अमित शाह
सिलीगुड़ी में बीएसएफ से करेंगे सीमा सुरक्षा की समीक्षा

एजेंसी, सिलीगुड़ी

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह शुक्रवार रात पश्चिम बंगाल के तीन दिवसीय दौरे पर सिलीगुड़ी पहुंचे। बागडोगरा हवाई अड्डे पर उनका स्वागत राज्य के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने किया। इस दौरान राज्य सरकार के कई मंत्री, भाजपा सांसद और विधायक भी मौजूद रहे।

अमित शाह हवाई अड्डे से सीधे कदमतला स्थित बीएसएफ कैंप के लिए रवाना हुए। अपने उत्तर बंगाल दौरे के दौरान वह सिलीगुड़ी स्थित उत्तरकन्या सचिवालय में बीएसएफ के वरिष्ठ अधिकारियों और राज्य पुलिस प्रशासन के साथ उच्चस्तरीय बैठक करेंगे। बैठक में भारत-बांग्लादेश सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था, घुसपैठ, तस्करी और सीमा पर बाड़ लगाने के काम की प्रगति की समीक्षा की जाएगी। इसके अलावा शाह फूलबाड़ी और जुमागछ सीमा चौकियों का भी दौरा कर जमीनी हालात का जायजा लेंगे। दौरे के अगले चरण में अमित शाह कोलकाता जाएंगे, जहां वह कानून-व्यवस्था, सीमा सुरक्षा, नए आपराधिक कानूनों के क्रियान्वयन और प्रशासनिक मुद्दों को लेकर पुलिस, जिला प्रशासन और खुफिया एजेंसियों के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक करेंगे।

ईरान ने अमेरिकी ठिकानों पर ड्रोन हमलों का किया दावा, होर्मोजगन में तीन लोगों की मौत
अमेरिका-ईरान जंग तेज, होर्मुज बना रणक्षेत्र

एजेंसी, तेहरान/वाशिंगटन

अमेरिका और ईरान के बीच सैन्य टकराव लगातार तेज होता जा रहा है। रणनीतिक रूप से अहम होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास हालात बेहद तनावपूर्ण हैं। ईरान ने दावा किया है कि अमेरिकी हमलों में होर्मोजगन प्रांत में तीन नागरिकों की मौत और आठ लोग घायल हुए हैं। वहीं, अमेरिकी मध्य कमान (सेंटकॉम) ने इस दावे से इनकार करते हुए कहा कि दो तेल टैंकर बारूदी सुरंगों से टकराने के कारण विस्फोट का शिकार हुए।

ईरान की सेना और इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने दावा किया कि उसने बहरीन, कुवैत और जॉर्डन में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर ड्रोन और मिसाइल हमले किए हैं। साथ ही चेतावनी दी कि यदि अमेरिकी कार्रवाई जारी रही तो जवाब और तेज होगा। ईरानी मीडिया के अनुसार, बंदर अब्बास, बुशहर, यज्द, अहवाज, लार और केशम द्वीप समेत कई क्षेत्रों में विस्फोट हुए। होर्मोजगन प्रशासन का कहना है कि अमेरिकी हमलों में दो पुल और एक सुरंग भी क्षतिग्रस्त हुए हैं।

दूसरी ओर, सेंटकॉम ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के निर्देश पर ईरान में लगातार सातवीं रात सैन्य अभियान चलाया गया। आईआरजीसी ने दावा किया कि उसने बुशहर के ऊपर एक अमेरिकी एमक्यू-9 ड्रोन मार गिराया और उत्तरी हिंद महासागर में एक अमेरिकी सैन्य जहाज को क्रूज मिसाइल से निशाना बनाया।

इस बीच कतर ने दोहा के पास मिसाइल हमले को विफल करने की जानकारी दी और ईरान के खिलाफ किसी सैन्य कार्रवाई में शामिल होने के दावों को खारिज किया। दुबई प्रशासन ने भी शहर में विस्फोटों की खबरों का खंडन किया। ईरान के वरिष्ठ सैन्य सलाहकार मोहसिन रेजाई ने चेतावनी दी है कि यदि अमेरिका सैन्य अभियान जारी रखता है तो तेहरान और अधिक कड़े जवाबी कदम उठाएगा। इससे पूरे खाड़ी क्षेत्र में तनाव चरम पर पहुंच गया है।

अभिषेक बनर्जी के कार्यालय के बाहर शेड पर चला बुलडोजर

एजेंसी, कोलकाता

दक्षिण 24 परगना जिले के डायमंड हार्बर स्थित तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी के कार्यालय के सामने बने शेड पर शनिवार को प्रशासन ने कार्रवाई की। भारी पुलिस और केंद्रीय सुरक्षा बलों की मौजूदगी में बुलडोजर से नीले रंग के शेड को हटाया गया।

प्रशासन के अनुसार, कार्यालय से जुड़ी पांच मंजिला इमारत के निर्माण को लेकर शिकायत मिली थी कि यह स्वीकृत बिल्डिंग प्लान के बिना बनाया गया है। मामले में संबंधित पक्षों को नोटिस जारी कर सुनवाई के लिए बुलाया गया था, लेकिन अधिकारियों के मुताबिक कोई भी पक्ष उपस्थित नहीं हुआ। कार्रवाई के दौरान बीडीओ, भूमि एवं भूमि सुधार विभाग (बीएलआरओ) और दमकल विभाग के अधिकारी मौके पर मौजूद रहे। प्रशासन ने कहा कि आगे की कार्रवाई भी नियमानुसार की जाएगी।

सूत्रों के मुताबिक, दक्षिण 24 परगना प्रशासन ने 30 जून को संबंधित लोगों को नोटिस जारी कर 15 जुलाई को दस्तावेजों के साथ पेश होने को कहा था। शिकायत के आधार पर शुरू हुई प्रक्रिया के बाद शनिवार को शेड हटाने की कार्रवाई की गई। गौरतलब है कि इससे पहले भी कोलकाता में एक तृणमूल कांग्रेस कार्यालय पर कथित अतिक्रमण के मामले में प्रशासन ने बुलडोजर कार्रवाई की थी।